भूमि अधिग्रहण कार्य में तेजी... 04

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

शादी की 10वीं सालगिरह पर एक... 11

वर्ष - 02, अंक - 29 | गाजियाबाद / रविवार 03 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रुपए

45 हजार टन गैस लेकर होर्मुज से निकलने को तैयार सुपरटैंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध और होर्मुज बंद होने की वजह से देश में एलपीजी गैस की किल्लत साफ नजर आ रही है। बीते दिनों सरकार ने 5 किलो के छोटे गैस सिलेंडर की कीमत में भी 261 रुपये की बढ़ोतरी कर दी है।

वहीं कमर्शियल गैस सिलेंडर पर 1 हजार रुपये की बढ़ोतरी कर दी गई है। लोगों को आशंका यह भी है कि जल्द ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी इजाफा हो सकता है। इसी बीच एक राहत की खबर भी है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक भारत का एक सुपरटैंकर कम से कम 45000 टन एलपीजी गैस के साथ होर्मुज को क्रॉस कर रहा है। इसके भारत पहुंचने से बड़ी राहत की उम्मीद है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि सुपरटैंकर होर्मुज को पार कर गया है या नहीं।

जानकारी के मुताबिक सर्व शक्ति टैंकर समुद्री रास्ते से उत्तर की ओर बढ़ा है। शनिवार को यह लारक और केसम आइलैंड के पास था। शिप ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक ओमान की खाड़ी से होकर यह सुपरटैंकर भारत पहुंच सकता है। बता दें कि अमेरिका की नाकेबंदी और ईरान के होर्मुज को बंद रखने की वजह से इस रास्ते से टैंकर निकल नहीं पा रहे हैं। 13 अप्रैल से ही अमेरिका की नाकेबंदी जारी है।

नियम के मुताबिक अमेरिका की नौसेना किसी और देश की समुद्री सीमा में किसी जहाज को नहीं रोक सकती है। ऐसे में अगर कोई जहाज ईरान के तटीय क्षेत्र से होकर चाबहार बंदरगाह पहुंच जाता है और फिर दक्षिण होकर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा के रास्ते निकलना चाहे तो यह वैकल्पिक रास्ता हो सकता है। इस रास्ते से महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, कर्नाटक या फिर केरल के पोर्ट पर पहुंचा जा सकता है। दूसरा रास्ता पाकिस्तान की समुद्री सीमा से होकर गुजरता है। हालांकि इसमें खतरा बहुत है।

एलपीजी की दिक्कत से मिलेगी राहत

फारस की खाड़ी में भारत के 14 जहाज

रिपोर्ट्स के मुताबिक नाकेबंदी की वजह से भारत के कम से कम 14 जहाज फारस की खाड़ी में ही रुके हुए हैं। दो जहाजों ने होर्मुज से निकलने का प्रयास किया था लेकिन उन्हें ईरान की चेतावनी के बाद वापसलौटना पड़ा। फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि समुद्र में वैकल्पिक रास्ते से भी टैंकर निकल रहे हैं। ईरान से कनेक्शन वाले कम से कम 34 टैंकर अमेरिकी नाकेबंदी को चकमा देकर निकल चुके हैं।

बढ़ सकते हैं पेट्रोल डीजल के भी दाम

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और चार साल से खुदरा कीमतें स्थिर रहने से बढ़ते घाटे के बीच सरकारी सूत्रों ने निकट भविष्य में पेट्रोल एवं डीजल के दाम बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि बदले हुए हालात में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें इस सप्ताह बढ़कर 126 डॉलर प्रति बैरल के चार साल के उच्च स्तर पर पहुंच गईं। हालांकि इसमें हल्की गिरावट आई है, फिर भी कीमतें 110 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं।

पुलवामा में आतंकवादी सहयोगी गिरफ्तार, हथियार-ग्रेनेड बरामद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी सहयोगी को गिरफ्तार कर उसके पास से हथियार और ग्रेनेड बरामद किए हैं। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलवामा पुलिस ने 44 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) शादिमर्ग और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 183वीं बटालियन के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान में एक आतंकवादी सहयोगी काचीपोरा निवासी संदिग्ध मोहम्मद उमर मलिक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि तलाशी के दौरान सुरक्षा बलों ने उसके कब्जे से आपत्तिजनक सामग्री बरामद की, जिसमें एक स्टार पिस्तौल, एक पिस्तौल मैगजीन, दो कारतूस और दो हैंड ग्रेनेड शामिल हैं। पुलिस ने पुलिस थाना राजपोरा में शस्त्र अधिनियम और गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया।

बंतलाब पुल हादसे में तीन मजदूरों की मौत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू के बंतलाब इलाके में बन रहा एक पुल अचानक गिर गया, जिसमें तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गहरा दुख जताया है। उन्होंने घायलों के जल्द ठीक होने की कामना भी की है। साथ ही, इस पूरे मामले की गहराई से जांच के आदेश दिए हैं, ताकि हादसे की असली वजह सामने आ सके और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई हो सके। दरअसल जम्मू के बंतलाब इलाके में निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा अचानक गिर गया। इस हादसे के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि मलबे के नीचे कई मजदूर फंस गए थे, जिसमें से तीन मजदूरों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। बताया जा रहा है कि पिछले साल आई बाढ़ में इस पुल की दीवार को नुकसान पहुंचा था और उसकी मरम्मत का काम चल रहा था।

स्वदेशी सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम का परीक्षण, अब देशवासियों को तुरंत मिलेगी आपात सूचना

करोड़ों मोबाइल पर आया अलर्ट, सहमे लोग

- सरकार ने रहस्य से पर्दा उठाया तो आई जान में जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या आपका फोन भी शनिवार को अचानक तेज बीप और वाइब्रेशन के साथ घनघनाने लगा था? यदि हां, तो परेशान न होइए, आप अकेले नहीं हैं।

दरअसल ये भारत सरकार के दूरसंचार विभाग ने देश भर में 'इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम' का टेस्ट था। जिसके बाद अचानक करोड़ों भारतीयों के मोबाइल फोन एक साथ तेजी से घनघनाने लगे। एक डरावना 'बीप बीप' वाला सायरन बजा और स्क्रीन पर 'इमरजेंसी अलर्ट' देख घबरा गए।

- भारत सरकार ने विकसित की आपदा चेतावनी को तेजी से प्रसारित करने की प्रणाली
- देशव्यापी परीक्षण में हिन्दी और अंग्रेजी में भेजा गया अलर्ट।
- 19 से ज्यादा भाषाओं में भेजे 134 अरब से ज्यादा संदेश। प्रणाली को दूरसंचार विभाग और एनडीएमए ने किया विकसित।
- प्राकृतिक आपदाओं (भूकंप, सुनामी) और मानव-निर्मित खतरे (गैस रिसाव आदि) के वक्त नुकसान को कम करने में मिलेगी मदद

सरकार के इस इमरजेंसी अलर्ट ने लोगों की दोपहर की शांति को एक झटके में तोड़ दिया। जैसे ही लोगों को पता चला कि यह सरकार द्वारा भेजा गया इमरजेंसी अलर्ट का टेस्ट है। इसके बाद से सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं और मीम्स का ऐसा तूफान आ गया।

असल में करीब 11:40 के समय जैसे ही लोगों के फोन पर यह अलर्ट आया, तेज बीप की आवाज ने सबको चौंका दिया। कई लोग सो रहे थे, कुछ काम में व्यस्त थे, लेकिन यह आवाज इतनी तेज थी कि हर किसी का ध्यान उसी पर चला गया। स्क्रीन पर चेतावनी वाला मैसेज देखकर लोग कुछ देर के लिए डर भी गए। बाद में जानकारी सामने आई कि यह भारत सरकार के 'सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम' का टेस्ट था। इसका मकसद यह जांचना है कि अगर आने वाले समय में कोई बड़ी आपदा जैसे भूकंप, बाढ़ या तूफान आता है, तो लोगों तक तुरंत चेतावनी कैसे पहुंचाई जाए। यह सिस्टम एक साथ लाखों मोबाइल फोन पर अलर्ट भेज सकता है, चाहे नेटवर्क कितना भी व्यस्त क्यों न हो?

एलपीजी संकट से निपटने की कवायद

देश में लगभग 5.96 लाख पीएनजी कनेक्शन शुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर एलपीजी सिलेंडर की कमी को देखते हुए सरकार पीएनजी कनेक्शन बढ़ाने में लगी है और अब तक लगभग 5.96 लाख पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन चालू किए गए हैं तथा अतिरिक्त 2.68 लाख कनेक्शनों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है, साथ ही लगभग 6.66 लाख नए ग्राहकों ने कनेक्शन के लिए पंजीकरण कराया है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पश्चिम एशिया संकट के बारे में वक्तव्य जारी कर कहा गया कि मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के बावजूद, सरकार ने यह सुनिश्चित

किया है कि घरेलू एलपीजी, घरेलू पीएनजी और सीएनजी (परिवहन) को 100 प्रतिशत आपूर्ति की जाए। वाणिज्यिक एलपीजी के लिए अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता दी गई है। इसके अलावा औषधि, इस्पात, ऑटोमोबाइल, बीज, कृषि आदि क्षेत्रों को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

जनगणना 2027: दो चरणों में होगी प्रक्रिया

- घर-घर जाकर जुटाया जाएगा डेटा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश जनगणना कार्य निदेशालय की निदेशक शीतल वर्मा ने शनिवार को जनगणना 2027 की तैयारियों और प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह देश की 8वीं जनगणना होगी, जिसकी पूरी प्रक्रिया का संदर्भ समय 1 मार्च 2027 की रात 12 बजे निर्धारित किया गया है, यानी उसी समय देश की कुल जनसंख्या का आधिकारिक आंकड़ा तय माना जाएगा।

लखनऊ में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में शीतल वर्मा ने यह जानकारी दी । उन्होंने बताया कि जनगणना का कार्य 2025 से ही विचाराधीन है और इसके लिए 31 दिसंबर 2025 से 31 मार्च 2027 तक राजस्व एवं प्रशासनिक इकाइयों को 'फ्रीज' कर दिया जाएगा। इस दौरान न तो कोई नया राजस्व ग्राम

भारत की जनगणना 2027

बनेगा और न ही नई तहसील का गठन होगा।

उन्होंने बताया कि जनगणना दो चरणों में संपन्न होगी। पहला चरण 'हाउस लिस्टिंग' होगा, जो उत्तर प्रदेश में 22 मई से 20 जून के बीच चलेगा। इसमें घरों, भवनों और बुनियादी सुविधाओं का विवरण जुटाया जाएगा।

निदेशक ने बताया कि दूसरे चरण में 9 फरवरी से 28 फरवरी 2027 तक प्रत्येक व्यक्ति की व्यक्तिगत गणना की जाएगी, जिसमें परिवार के सदस्यों की संख्या, उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति और अन्य विवरण शामिल होंगे। इसी चरण में जातिगत जनगणना भी की जाएगी। इसके के लिए अलग से मानक प्रक्रिया तय की जाएगी।

यूएई से भारत लाया गया भगोड़ा कमलेश पारेख

सैंकड़ो करोड़ की वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंकिंग और वित्तीय धोखाधड़ी के एक बड़े मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो को अहम सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी कमलेश पारेख को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत प्रत्यर्पित कर लिया गया है। 1 मई को पारेख को भारत लाया गया, जहां दिल्ली पहुंचते ही सीबीआई ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

यह कार्रवाई विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ समन्वय में अंजाम दी गई। पारेख के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था, जिसके आधार पर उसे यूएई में ट्रैक कर हिरासत में लिया गया। भारत के औपचारिक अनुरोध और दोनों देशों के बीच कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे भारतीय एजेंसियों को सौंप दिया गया।

जांच एजेंसियों के अनुसार, कमलेश पारेख पर बड़े पैमाने पर बैंकिंग और वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप है। इस घोटाले में देश के कई बैंकों के समूह को भारी नुकसान हुआ, जिसकी अगुवाई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया कर रहा था। अनुमान है कि इस मामले में सैकड़ों करोड़ रुपये की रकम का दुरुपयोग किया गया।

सीबीआई की जांच में क्या आया सामने?

सीबीआई की जांच में सामने आया है कि पारेख ने अन्य प्रमोटरों और निदेशकों के साथ मिलकर बैंक से लिए गए फंड को विदेशों में स्थित कंपनियों के जरिए डायवर्ट किया। इसके लिए फर्जी निर्यात गतिविधियों, संदिग्ध वित्तीय लेन-देन और बैंकिंग चैनलों के दुरुपयोग का सहारा लिया गया।

सूत्रों के मुताबिक, आरोपी ने यूएई सहित कई देशों में फैले अपने कारोबारी नेटवर्क का इस्तेमाल कर इस धोखाधड़ी को अंजाम दिया। जांच एजेंसियां अब उससे पूछताछ कर पूरे नेटवर्क और अन्य आरोपियों की भूमिका का पता लगाने में जुटी हैं।

सीबीआई, जो भारत में इंटरपोल के लिए नेशनल सेंट्रल ब्यूरो के रूप में कार्य करती है, 'भारतपोल' प्लेटफॉर्म के जरिए देश की विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय करती है। इसी सहयोग का नतीजा है कि पिछले कुछ वर्षों में इंटरपोल चैनलों के माध्यम से 150 से अधिक वांछित अपराधियों को भारत वापस लाया जा चुका है। यह ताजा कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच मजबूत सहयोग का एक और महत्वपूर्ण उदाहरण मानी जा रही है।

खाता फ्रीज करने पर इंडियन ओवरसीज बैंक पर 50 हजार का हर्जाना

लखनऊ, एजेंसी। इलाहाबाद हाई कोर्ट लखनऊ खंडपीठ ने बैंक खातों को मनमाने ढंग से फ्रीज करने की बढ़ती प्रवृत्ति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि बैंक एक ट्रस्टी के रूप में कार्य करता है, न कि निगाह रखने वाली जांच एजेंसी के रूप में।

इन टिप्पणियों के साथ न्यायालय ने एक खाते को बिना किसी उचित कारण के फ्रीज करने पर इंडियन ओवरसीज बैंक पर 50 हजार रुपये का हजार्ना लगाया है। खंडपीठ ने कहा कि वर्तमान मामले में बैंक खाता किसी साइबर अपराध के कारण, जैसा कि इन दिनों प्रचलित है, फ्रीज नहीं किया गया है, बल्कि इस कारण फ्रीज किया गया है कि संबंधित बैंक स्वयं एक जांच एजेंसी में परिवर्तित हो गया है।

बैंक यह तय नहीं कर सकता कि पैसा कहां से आया, जब तक कि पुलिस, ईडी या सीबीआइ जैसी संस्थाओं से कोई औपचारिक आदेश न मिले। न्यायालय ने कहा कि इन दिनों बैंक खातों को फ्रीज करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। वर्तमान मामले में बैंक ने खाते को बिना किसी उचित कारण के फ्रीज किया। इस प्रकार की मनमानी कार्रवाई का प्रत्यक्ष प्रभाव में खाताधारक के दैनिक व्यावसायिक

कार्य बाधित होते हैं, जिससे उसकी व्यावसायिक प्रतिष्ठा तथा आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

याची फर्म की ओर से दलील दी गई कि फार्म मछली पालन की मशीनरी का व्यवसाय करती है। उसके बैंक खाते में 16 जनवरी 2026 को 23 लाख रुपये आरटीजीएस के माध्यम से जमा हुए थे, लेकिन बैंक ने इस आधार पर खाता फ्रीज कर दिया कि खाता खोलते समय याची फर्म ने अपनी वार्षिक आय सिर्फ 5.76 लाख रुपये बताई थी तो इससे अधिक की राशि उसके खाते में कैसे जमा हो गई। वहीं, बैंक की दलील थी कि यह एक संदिग्ध लेन-देन था और मनी लाड्रिंग एक्ट के प्रविधानों के तहत उसने कार्रवाई की है।

'नो पीयूसी, नो फ्यूल': दिल्ली में सरकारी नीति का दिखने लगा असर

चार दिन में 15 हजार से ज्यादा वाहन बगैर ईंधन लौटाए

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार की 'नो पीयूसी, नो फ्यूल' नीति का असर अब साफ दिखने लगा है। 26 से 29 अप्रैल के बीच महज चार दिनों में 15,678 वाहनों को वैध पीयूसी प्रमाणपत्र न होने के कारण पेट्रोल-डीजल देने से मना कर दिया गया।

आंकड़ों के अनुसार, 26 अप्रैल को 3,525 वाहनों को ईंधन नहीं मिला, 27 अप्रैल को 4,012, 28 अप्रैल को 4,235 और 29 अप्रैल को 3,906 वाहनों को फ्यूल स्टेशनों से वापस लौटा दिया गया। ये आंकड़े दिल्ली के नौ डिपो और नोएडा के एक डिपो से सामने आए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई प्रदूषण नियंत्रण के लिए नीति के सख्त क्रियान्वयन का हिस्सा है। बड़ी संख्या में वाहन बिना वैध पीयूसी के सड़कों पर चल रहे हैं, जो वायु प्रदूषण बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। सरकार ने 22 अप्रैल को फिर स्पष्ट किया था कि बिना पीयूसी प्रमाणपत्र वाले वाहनों को ईंधन नहीं दिया जाएगा। यह नियम अक्टूबर 2025 में लागू किया गया था, लेकिन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हाल ही में इसके सख्त पालन के निर्देश दिए हैं।

टीएमसी को सुप्रीम कोर्ट से झटका:

'चुनाव आयोग को नियुक्ति के पूरे अधिकार, नए आदेश की जरूरत नहीं'

पश्चिम बंगाल, एजेंसी।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले टीएमसी को सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ झटका लगा है। चुनाव आयोग द्वारा वोटों की गिनती के लिए मुख्य रूप से केंद्र सरकार और पीएसयू के कर्मचारियों को तैनात करने के निर्देश के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इस अहम मुद्दे को सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने आज टीएमसी की याचिका पर सुनवाई की। विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने कोई भी नया आदेश पारित करने से साफ इनकार कर दिया है। दरअसल, चुनाव आयोग ने अदालत को आश्वासन दिया है कि वह अपने 13 अप्रैल के परिपत्र (सर्कुलर) का पूरी तरह से पालन करेगा।

तृणमूल कांग्रेस के मुताबिक, इस सर्कुलर में मतगणना प्रक्रिया में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के साथ-साथ राज्य सरकार के कर्मचारियों की तैनाती का भी प्रावधान है। चुनाव आयोग के वकील के इस बयान के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने केवल यह दोहराया कि चुनौती दिए गए सर्कुलर को लागू किया जाएगा और मामले में आगे कोई अन्य आदेश देने से मना कर दिया। साथ ही यह भी कहा कि चुनाव आयोग को नियुक्ति के पूरे अधिकार हैं।

फर्क नहीं पड़ता कि अधिकारी केंद्र का है : सुप्रीम कोर्ट

सुनवाई के दौरान जस्टिस बागची ने यह भी कहा कि मतगणना के दौरान वहां हर राजनीतिक दल के चुनाव एजेंट मौजूद रहेंगे। इसलिए, इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता कि पर्यवेक्षक केंद्र सरकार का नामित अधिकारी है या नहीं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अधिकारियों की तैनाती पूरी तरह से चुनाव आयोग की अपनी संतुष्टि पर निर्भर करती है, क्योंकि वहां सभी पार्टियों के एजेंट मौजूद होंगे।

क्या है पूरा मामला?

यह पूरा मामला वोटों की गिनती करने वाले कर्मचारियों की नियुक्ति से जुड़ा हुआ है। चुनाव आयोग ने निर्देश दिया था कि बंगाल में वोटों की गिनती के लिए केंद्रीय कर्मचारियों को मतगणना पर्यवेक्षक (सुपरवाइजर) बनाया जाएगा। टीएमसी इस फैसले का विरोध कर रही है। उनका मानना है कि इस प्रक्रिया में राज्य सरकार के कर्मचारियों को भी बराबर शामिल किया जाना चाहिए। इसी आदेश को चुनौती देने के लिए टीएमसी ने अर्जी दी थी, जिस पर जस्टिस नरसिम्हा और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने सुनवाई की।

एग्जिट पोल्स पर ममता का हमला, शेयर बाजार में हेरफेर का लगाया आरोप

-टीएमसी 200 पार के साथ सत्ता में करेगी वापसी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के बाद सामने आए एग्जिट पोल्स पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इन एग्जिट पोल्स की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए शनिवार को कहा, कि इनके जरिए शेयर बाजार में हेरफेर करने की कोशिश की जा रही है।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख एवं सीएम ममता बनर्जी ने एग्जिट पोल्स को पूरी तरह खारिज करते हुए दावा किया कि उनकी पार्टी इस बार 200 से अधिक सीटें जीतकर सत्ता में वापसी करेगी। मतगणना से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर पार्टी की स्थिति बेहद मजबूत है और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम जीत के रूप में सामने आएगा।

सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि एग्जिट पोल्स का इस्तेमाल केवल जनमत का आकलन करने के लिए नहीं, बल्कि शेयर बाजार के व्यवहार को प्रभावित करने के एक औजार के रूप में किया जा रहा है। पार्टी सूत्रों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में इस बात का दावा किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया, एग्जिट पोल स्टॉक मार्केट में हेरफेर करने की एक कोशिश के अलावा और कुछ नहीं हैं। 2021 और 2024 में भी ऐसा ही किया गया था और इस बार भी वही प्रयास हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि टीएमसी फिर से सरकार बनाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अंतिम समय तक सतर्क और सक्रिय रहने की अपील की।

अभिषेक ने किया समर्थन

ममता के बयान के बाद अभिषेक बनर्जी ने भी उनकी बातों का समर्थन किया। डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव के दौरान मतदाताओं, खासकर महिलाओं को डराने-धमकाने के लिए केंद्रीय बलों का दुरुपयोग किया है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के नेता गांव-गांव जाकर माहौल प्रभावित करने की कोशिश करते रहे हैं। इस बीच कई जगहों पर महिलाओं व बच्चों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं भी सामने आई हैं। साथ ही, उन्होंने मीडिया के एक वर्ग पर भी पक्षपातपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप लगाया। चुनाव परिणामों से पहले इस तरह के आरोप-प्रत्यारोपों ने राज्य की राजनीति को और गर्मा दिया है। अब सबकी नजरें मतगणना के नतीजों पर टिकी हैं, जो इन दावों की सच्चाई को स्पष्ट करेंगे।

मिशन पंजाब- शाह संभालेंगे कमान, ड्रग्स के खिलाफ भाजपा छेड़ेगी बड़ा अभियान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मैराथन चुनावी अभियान के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पंजाब की राजनीति पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित कर दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए भाजपा ने ╴मिशन पंजाब╴ का खाका तैयार किया है, जिसके तहत अमित शाह अब चुनाव होने तक हर महीने राज्य का दौरा करेंगे। इस बार भाजपा की चुनावी रणनीति के केंद्र में ड्रग्स का मुद्दा रहने वाला है। बताया जा रहा है कि मई महीने से ही पंजाब में नशे के खिलाफ एक व्यापक अभियान की शुरुआत की जाएगी, जिसकी कमान स्वयं अमित शाह संभालेंगे। इस अभियान के अंतर्गत पूरे राज्य में जागरूकता यात्राएं निकाली जाएंगी, जिनमें समय-समय पर केंद्र और राज्य स्तर के दिग्गज नेता भी शिरकत करेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर जैसे राज्यों में सत्ता में होने के कारण भाजपा वहां मजबूत स्थिति में है, लेकिन पंजाब में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए उसे एक बड़े और प्रभावी मुद्दे की तलाश थी। ऐसे में ड्रग्स के खिलाफ यह मुहिम चुनावी बिसात पर एक अहम चाल मानी जा रही है। भाजपा नेताओं का दावा है कि यह अभियान केवल राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि पंजाब के युवाओं को बचाने और सामाजिक बदलाव लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। शाह के नेतृत्व में तैयार होने वाला यह नशामुक्त पंजाब रोडमैप राज्य की सियासत में नई हलचल पैदा करने वाला साबित होगा। आने वाले समय में ड्रग्स, कानून-व्यवस्था और विकास जैसे मुद्दों पर राज्य का राजनीतिक पारा और अधिक चढ़ना तय माना जा रहा है।

धनबाद में दर्दनाक हादसा : कोयले की स्लरी में दबकर 4 मजदूरों की मौत, कई के फंसे होने की आशंका

धनबाद (एजेंसी)। झारखंड के धनबाद जिले से शनिवार शाम एक दर्दनाक औद्योगिक हादसे की खबर सामने आई है। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) की मुनीडीह कोल वाशरी परियोजना में स्लरी लोडिंग के दौरान अचानक कोयले का भारी ढेर मजदूरों पर आ गिरा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस हादसे में अब तक 4 ठेका मजदूरों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि शनिवार शाम करीब 5 बजे ट्रकों में स्लरी लोड करने का काम चल रहा था, तभी अचानक स्लरी का बड़ा हिस्सा भरभराकर नीचे गिर पड़ा और वहां काम कर रहे मजदूर उसकी चपेट में आ गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, बीसीसीएल प्रबंधन और राहत दल मौके पर पहुंच गए। जेसीबी मशीनों और अन्य उपकरणों की मदद से युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। स्थानीय प्रशासन ने चार शव बरामद होने की पुष्टि की है। घटना के बाद मजदूरों और परिजनों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। हादसे ने एक बार फिर खदानों और औद्योगिक परियोजनाओं में सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

क्रूज हादसा : बरगी से निकाले गए दो बच्चों के शव, मृतक संख्या 11 हुई

जबलपुर (एजेंसी)। बरगी में चल रहे सर्च अभियान के दौरान आज शनिवार शाम विराज सोनी पिता कृष्ण सोनी (5) निवासी कोतवाली व श्रीतमिल पिता कामराज (5), निवासी वेस्टलैंड खमरिया का शव पाया गया। दो शव और मिलने के बाद क्रूज हादसे में मृतक संख्या बढ़कर 11 पहुंच गई है। बरगी बांध में गुरुवार को डूबे क्रूज में सवार लापता चार पर्यटकों में से दो बच्चों के शव मिल गए हैं, जबकि दो अन्य की तलाश अब भी जारी है। हादसे के 48 घंटे बाद भी राहत एवं बचाव दल लापता लोगों की खोज में जुटा हुआ है। विराज सोनी का शव शनिवार शाम 6 बजे घटनास्थल के पास मिला है। शव को सफेद कपड़े में लपेटकर मेडिकल कॉलेज भिजवाया है। इसके साथ ही हादसे में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। कामराज (45) और उनका भतीजा मयूरम अब भी लापता है। सेना के साथ एनडीआरएफ-एसडीआरएफ वोट से सर्चिंग कर रही है। तेज हवा और डैम में उठ रही लहरों के कारण रेस्क्यू में समस्या आ रही है। मौके पर पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौजूद हैं। सर्चिंग टीम ने लापता लोगों की तलाश के लिए दायरा बढ़ा दिया है। एसडीओपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि बीच-बीच में सर्चिंग कुछ देर के लिए रोकी जाती है। छोटी वोट होने के कारण तेज हवा में रेस्क्यू अभियान संभलकर चलाना पड़ रहा है। हादसे को हुए 48 घंटे से ज्यादा हो चुके हैं। अब भी 2 लोगों की बॉडी नहीं मिली है।

जहां क्रूज डूबा वहां मगरमच्छ नहीं देखे गए

मध्य प्रदेश टूरिज्म अधिकारियों ने कहा कि घटना स्थल पूरी तरह पथरीला है, इसलिए यहां मगरमच्छ नहीं देखे गए हैं, क्योंकि वे आमतौर पर कीचड़ वाले स्थान पर रहते हैं। बरगी बांध में मगरमच्छ हो सकते हैं, लेकिन वे घटनास्थल से कई किलोमीटर दूर हैं। जहां क्रूज डूबा, वहां पहले कभी मगरमच्छ नहीं देखे गए और न ही स्थानीय लोगों ने ऐसा सुना है।

दिल्ली सीएम टिप्पणी मामला : पीयूष सुराणा को जमानत, कांग्रेस का सत्ता के दुरुपयोग का आरोप

अजमेर (एजेंसी)। राजस्थान के अजमेर में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर कथित अश्लील टिप्पणी मामले में गिरफ्तार कांग्रेस नेता पीयूष सुराणा को जमानत मिली है। खबर मिलते ही अजमेर कांग्रेस शहर अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जयपाल के नेतृत्व में कार्यकर्ता एडीएम सिटी कार्यालय पहुंचे और भाजपा पर सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सुराणा को बिना किसी निष्पक्ष जांच के गिरफ्तार किया गया था। डॉ. जयपाल ने कहा कि कांग्रेस हमेशा महिलाओं का सम्मान करती है और इस पूरे मामले की वरिष्ठ अधिकारी से निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने थाने में भाजपा महिला मोर्चा के कथित व्यवहार को भी निंदनीय बताकर जांच की मांग की। नेता प्रतिपक्ष द्रौपदी कोली ने भाजपा पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को डराने की कोशिश करने का आरोप लगाकर कहा कि पार्टी इसतरह के प्रयासों से डरेगी नहीं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के पक्ष में कांग्रेस हमेशा खड़ी रही है और हमारे कार्यकर्ता को बिना जांच के गिरफ्तार किया गया। कांग्रेस नेता कोली ने भाजपा महिला मोर्चा के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जमानत पहले भी मिल सकती थी, लेकिन जानबूझकर इसमें देरी की गई।

बिहार में ऑर्केस्ट्रा पर पुलिस का शिकंजा : 21 नाबालिग रेस्क्यू, मानव तस्कर एजेंट गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। बिहार पुलिस ने पूरे राज्य में ऑर्केस्ट्रा पर बड़ी कार्रवाई शुरू की है, जो अब तक देह व्यापार का अड्डा बने हुए थे। पुलिस मुख्यालय के आदेश के बाद, इन ऑर्केस्ट्रा को रेड लाइट एरिया की तर्ज पर स्कैन किया जा रहा है ताकि इसमें चल रहे अवैध धंधों का पर्दाफाश हो सके। सीवान में 450 से अधिक ऑर्केस्ट्रा की जांच के दौरान अब तक 21 नाबालिग लड़कियों को रेस्क्यू किया गया है, इन लड़कियों से जबरन जिस्मफरोशी कराई जा रही थी। इसी कड़ी में, सारण पुलिस ने एक ऑर्केस्ट्रा से एक बांग्लादेशी लड़की को भी बरामद किया। किशनगंज में भी छापेमारी कर पुलिस ने 5 पुरुषों और 3 महिलाओं को गिरफ्तार किया है। सीवान पुलिस इन अवैध ऑर्केस्ट्रा को पूरी तरह बंद कराने की तैयारी में जुट गई है। पुलिस ने लड़कियों की खरीद-फरोख्त करने वाली मुख्य एजेंट गुड़िया को सीवान से गिरफ्तार किया है। उस पर नेपाल, बंगाल और देश के अन्य हिस्सों से लड़कियों की तस्करी करने का गंभीर आरोप है। पुलिस अधिकारियों ने दावा किया है कि अगले 15 दिनों के भीतर ऑर्केस्ट्रा पर और भी बड़े पैमाने पर कार्रवाई की जाएगी, जिससे इस धंधे में फंसी और भी कई लड़कियों को मुक्त कराया जा सकेगा।

प्रसून जोशी बने प्रसार भारती के चेयरमैन, रचनात्मक नेतृत्व से मिलेगी नई दिशा

सन्दीप शर्मा
नई दिल्ली (शिखर समाचार)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने देश के जाने माने गीतकार, लेखक और कम्युनिकेशन विशेषज्ञ प्रसून जोशी को प्रसार भारती का चेयरमैन नियुक्त किया है। इस नियुक्ति को सार्वजनिक प्रसारण क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे संस्थान को नई ऊर्जा और रचनात्मक दृष्टि मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने प्रसून जोशी को बधाई देते हुए कहा कि वे एक दुर्लभ रचनात्मक व्यक्तित्व हैं, जिनका कार्य विज्ञापन, साहित्य, कला और सिनेमा के क्षेत्र में विश्व स्तर पर सराहा गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में प्रसार भारती को नई ऊर्जा, गहरी सोच और एक सशक्त रचनात्मक आवाज मिलेगी। प्रसून जोशी का करियर विविध क्षेत्रों में फैला हुआ है। वे अपनी प्रभावशाली लेखनी और भारतीय सांस्कृतिक संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने के लिए जाने जाते हैं। इससे पहले वे केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के चेयरमैन रह चुके हैं, जहां उन्होंने फिल्म प्रमाणन प्रक्रिया को संतुलित और प्रभावी बनाने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा वे मैककैन वर्ल्डग्रुप इंडिया के सीईओ और एशिया पैसिफिक चेयरमैन भी रह चुके हैं तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के ट्रस्टी भी हैं। प्रसून जोशी की यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब सार्वजनिक प्रसारण क्षेत्र

तेजी से डिजिटल बदलाव और बदलती दर्शक अपेक्षाओं के दौर से गुजर रहा है। उनके अनुभव से उम्मीद है कि वे प्रसार भारती को नई दिशा देंगे और उसे आधुनिक समय के अनुरूप मजबूत बनाएंगे। प्रसार भारती, जिसकी स्थापना प्रसार भारती अधिनियम 1990 के तहत हुई और 1997 से यह सक्रिय है, देश का स्वायत्त सार्वजनिक प्रसारण संस्थान है। इसके अंतर्गत आकाशवाणी और दूरदर्शन जैसे प्रमुख मंच आते हैं, जो देशभर में सूचना, शिक्षा, मनोरंजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं। इसके साथ ही प्रसार भारती ने वेव्स नामक ओटीटी प्लेटफॉर्म भी शुरू किया है, जो फ्री-टू-एयर डिजिटल सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रसार भारती देश में सूचना प्रसार, राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाता है, और अब प्रसून जोशी के नेतृत्व में इसके और अधिक सशक्त होने की उम्मीद है।

बंगाल में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के बावजूद निष्पक्ष मतदान नहीं हुआ: अल्वी

-चुनाव आयोग पर कांग्रेस ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक बयानबाज़ी तेज हो गई है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने चुनाव प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान व्यापक स्तर पर अनियमितताएं हुई हैं, जो लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संकेत हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ दो-चार जगहों पर अनियमितताएं नहीं हुईं बल्कि पूरे बंगाल में हुई हैं। बंगाल और असम में जिस प्रकार से चुनाव हुआ वह लोकतंत्र पर कलंक है।

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने शनिवार को कहा कि गड़बड़ियां केवल कुछ क्षेत्रों तक सीमित नहीं थीं, बल्कि पूरे पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के बावजूद निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित नहीं हो पाया। उनके अनुसार, करीब ढाई लाख केंद्रीय बलों की मौजूदगी के बावजूद जिस तरह की घटनाएं सामने आईं, वह लोकतंत्र पर 'कलंक' के समान हैं।

चुनाव आयोग भाजपा का अग्रिम संगठन बना?

कांग्रेस नेता ने यह भी दावा किया कि चुनाव ड्यूटी में ऐसे अधिकारियों को तैनात किया गया, जिनका झुकाव भारतीय जनता पार्टी की ओर है। उन्होंने मतगणना प्रक्रिया को लेकर भी आशंका जताई और कहा कि वहां भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया जा सकता है। इसी संदर्भ में उन्होंने तीखा सवाल उठाते हुए कहा, 'क्या चुनाव आयोग भाजपा का कोई अग्रिम संगठन बन गया है?'

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी किसी भी स्थिति में पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल करना चाहती है। अल्वी ने यह भी

कहा कि यदि राज्य में भाजपा की सरकार बनती है, तो यह देश के लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकता है।

फाल्टा में हुए विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि टीएमसी कार्यकर्ता हिंसा या गड़बड़ी में शामिल हैं, तो चुनाव आयोग और तैनात पैरामिलिट्री बल क्या कर रहे हैं। उनके अनुसार, चूंकि चुनाव के दौरान पूरा प्रशासन चुनाव आयोग के अधीन होता है, इसलिए किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की जिम्मेदारी आयोग पर ही आती है।

कमर्शियल सिलेंडर महंगा: मायावती बोलीं, जनता पर महंगाई की एक और मार

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने हाल ही में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में हुई 993 रुपये की भारी वृद्धि पर अपनी गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने इस बढ़ोत्तरी को आम जनता के लिए एक बड़ी मार बताकर कहा कि पहले से ही बढ़ती महंगाई से जूझ रहे गरीब और मध्यम वर्ग पर इस तरह का अतिरिक्त बोझ डालना जनहित के बिल्कुल खिलाफ है। बसपा प्रमुख ने केंद्र सरकार से मांग की है कि पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को नियंत्रित रखने वाली नीति को लगातार जारी रखा जाए। उनका मानना है कि ऐसा करने से ही जनता को राहत मिल सकेगी और देश में बढ़ती महंगाई पर लगाम लगाई जा सकेगी। अपने एक्स पर लिखते हुए मायावती ने बताया कि देश में कमर्शियल सिलेंडर की भारी किल्लत के बीच, उसकी कीमत में एकमुश्त 993 रुपये की वृद्धि और उसका आम जनजीवन पर पड़ने वाला प्रभाव सभी मीडिया की सुर्खियों में है। उन्होंने इस आशंका पर चिंता जाहिर की कि जल्द ही रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल सहित अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं, जिससे लोगों में बेचैनी व्याप्त है। मायावती ने कहा कि इसका वास्तविक कारण चाहे अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध हो या कुछ और, केंद्र सरकार ने जिस तरह से राज्यों के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को काफी हद तक नियंत्रण में रखा था, उसी नीति को वर्तमान में भी व्यापक जनहित और जनकल्याण के लिए जारी रखना चाहिए। उन्होंने इस देशहित में उचित बताया। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में इस तरह की वृद्धि से देश के अधिकतर गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव का गंभीरता से आकलन करे और उसी के आधार पर अपनी नीतियों का निर्धारण करे ताकि जनता को वास्तविक राहत मिल सके।

राजनीतिक पाला बदलना राघव चड्ढा को पड़ा भारी

सोशल मीडिया पर अनफॉलो अभियान से जेन-जेड दे रही है झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के पूर्व पोस्टर बॉय राघव चड्ढा के लिए भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का फैसला डिजिटल मोर्चे पर एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। चड्ढा, जो अपनी आधुनिक सोच और युवा छवि के लिए जाने जाते थे, इन दिनों सड़कों पर होने वाले प्रदर्शनों के बजाय एक अलग तरह के विरोध का सामना कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल और उनकी पुरानी पार्टी के समर्थकों ने अब सोशल मीडिया पर अनफॉलो बटन को अपना हथियार बना लिया है। विशेष रूप से जेनरेशन जेड के युवाओं के बीच उनकी घटती लोकप्रियता चर्चा का विषय बनी हुई है।

एक चार्टर्ड अकाउंटेंट से राजनेता बने राघव चड्ढा की पहचान हमेशा से एक एक्सेसिबल नेता की रही है। ब्लिंकिट डिलीवरी जैसे रोजमर्रा के उदाहरणों और सामान्य व्यवहार के कारण युवा उन्हें पुराने ढर्रे के राजनेताओं से अलग मानते थे। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के साथ उनके विवाह ने उन्हें एक ग्लैमरस पहचान भी दी, जिससे वे युवाओं के लिए

एक पड़ोस के लड़के (बॉय नेक्स्ट डोर) वाली छवि में फिट बैठते थे। हालांकि, जानकारों का मानना है कि उनका अचानक पाला बदलना युवाओं को पुरानी और गंदी राजनीति की वापसी जैसा महसूस हुआ है, जिससे उनका मोहभंग हो रहा है।

राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, युवा मतदाताओं में छवि को लेकर बहुत संवेदनशीलता होती है। राजनीति विज्ञान के जानकारों का कहना है कि युवा सांसदों से अक्सर सार्वजनिक नैतिकता और स्वच्छ राजनीति की एक नई संस्कृति लाने की उम्मीद की जाती है। चड्ढा ने अपनी छवि एक ऐसे नेता के रूप में गढ़ी थी जो आम जनता के मुद्दों से सरोकार रखता है, लेकिन हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों ने उनके समर्थकों को निराश किया है। विशेषकर जेन-जी विश्वासघात या व्यक्तिगत विशेषाधिकार को सुरक्षित रखने वाले राजनीतिक कदमों को आसानी से स्वीकार नहीं करती।

आज के दौर में डिजिटल दुनिया में किसी को अनफॉलो करना केवल एक तकनीकी क्रिया नहीं, बल्कि एक सशक्त राजनीतिक बयान बन गया है। यह बिना शोर मचाए अपनी असहमति दर्ज कराने का आधुनिक तरीका है। चड्ढा ने जो ऑनलाइन पहचान और साख बनाई थी, अब उसी के कारण उनके हर कदम की सूक्ष्मता से जांच हो रही है। सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स की संख्या में गिरावट यह स्पष्ट संकेत देती है कि डिजिटल युग में लोकप्रियता जितनी जल्दी मिलती है, उतनी ही जल्दी राजनीतिक निष्ठा बदलने पर छिन भी सकती है। चड्ढा के लिए अब चुनौती अपनी इस खोई हुई डिजिटल साख को फिर से हासिल करने की है।

हरियाणा के राज्यपाल ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात, विकास और शिक्षा के भविष्य पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (शिखर समाचार) हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला श्रीमती मित्रा घोष तथा राज्यपाल के निजी सचिव श्री शंख चटर्जी भी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान राज्यपाल ने हरियाणा के समग्र विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा मिल रहे निरंतर सहयोग, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने राज्य में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं और प्रशासनिक प्रगति की जानकारी भी साझा की।

इसके साथ ही, राज्यपाल ने भविष्य उन्मुख उच्च शिक्षा प्रणाली पर विशेष चर्चा की। इस संदर्भ में आर्टिफिशियल

इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे उभरते क्षेत्रों को शिक्षा के मुख्यधारा में शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

इस दौरान श्री शंख चटर्जी ने प्रधानमंत्री को अपनी दो पुस्तकें अद्वैत वेदांतः एक अनोखा दर्शन और सामाजिक दृष्टिकोण में धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र भेंट कीं। इन पुस्तकों का हाल ही में राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष द्वारा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर सिंह कल्याण की उपस्थिति में विमोचन किया गया था।

भारत बनाएगा अग्नि-6 बैलिस्टिक मिसाइल और हाइपरसोनिक हथियार

-यह मिसाइल पुरानी अग्नि श्रृंखला की तुलना में कहीं ज्यादा बेहतर रेंज

नई दिल्ली(एजेंसी)। डीआरडीओ प्रमुख समीर वी कामत ने देश की रक्षा क्षमताओं को लेकर जानकारी दी जिसमें अग्नि-6 बैलिस्टिक मिसाइल और हाइपरसोनिक हथियारों के विकास की प्रगति शामिल है। उन्होंने बताया कि भारत की सबसे आधुनिक इंटरकांटिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-6 का कार्यक्रम शुरू करने के लिए डीआरडीओ पूरी तरह तैयार है और अब केवल केंद्र सरकार की मंजूरी का इंतजार है। यह मिसाइल पुरानी अग्नि श्रृंखला की तुलना में कहीं ज्यादा बेहतर रेंज और मारक क्षमता वाली होगी।

दिल्ली में आयोजित एक नेशनल सिक्योरिटी समिट में कामत ने भारत की बढ़ती सैन्य ताकत का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया, जिसमें अग्नि-6 के साथ-साथ हाइपरसोनिक मिसाइलों पर तेजी से चल रहे काम को भी रेखांकित किया गया। उनका दावा है कि आने वाले समय में भारत की मिसाइल शक्ति विश्व की सबसे घातक ताकतों में से एक होगी। अग्नि-6 को भारत के रक्षा बेड़े की सबसे अहम कड़ी माना जा रहा है। यह हजारों किलोमीटर दूर बैठे दुश्मन को निशाना बनाने में सक्षम होगी।

डीआरडीओ प्रमुख ने संकेत दिया कि इसकी तकनीक मौजूदा प्रणालियों से कई गुना आगे है, और इसमें मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल टेक्नोलॉजी होने की उम्मीद है। इसका अर्थ है कि एक ही मिसाइल एक साथ कई अलग-अलग ठिकानों पर हमला कर सकेगी। सरकार की मंजूरी मिलते ही भारत उन चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो जाएगा जिनके पास यह अत्यंत घातक और लंबी दूरी की मिसाइल क्षमता है। समीर वी कामत ने हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल के बारे में भी अहम जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि भारत का एलआर-एएसएचएम कार्यक्रम अब उन्नत चरण में पहुंच चुका है, और बहुत जल्द इस हाइपरसोनिक मिसाइल का पहला परीक्षण किया जा सकता है। भारत वर्तमान में दो प्रकार की हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी पर काम कर रहा है। हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल और हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल। उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्लाइड मिसाइल का विकास क्रूज मिसाइल की तुलना में काफी आगे है। इसकी गति इतनी प्रचंड होती है कि किसी भी रडार सिस्टम के लिए इसे पकड़ना करीब असंभव हो जाता है। हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल स्क्रैमजेट इंजन का उपयोग करती है और अपनी पूरी उड़ान के दौरान इंजन की शक्ति से संचालित होती है। भारत इन दोनों पर अनुसंधान कर रहा है, लेकिन ग्लाइड संस्करण का परीक्षण अब अत्यंत निकट है। यह उपलब्धि भारत को उन चुनिंदा देशों की सूची में खड़ा कर देगी जिनके पास हाइपरसोनिक हथियार मौजूद हैं। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने भी मल्टी-लेयर्ड मिसाइल डिफेंस की जरुरत पर जोर दिया है,

जिसमें कम दूरी, मध्यम दूरी और लंबी दूरी की मिसाइलों का मिश्रण होगा। डीआरडीओ प्रमुख के मुताबिक इस नई मिसाइल फोर्स में 2000 किलोमीटर तक की रेंज वाली बैलिस्टिक मिसाइलें, क्रूज और हाइपरसोनिक मिसाइलें शामिल होंगी। प्रलय जैसी शॉर्ट रेंज मिसाइलें अपने परीक्षण के अंतिम चरण में हैं और जल्द ही सेना का हिस्सा बन सकती हैं। यह समेकित तैयारी भारत की सामरिक शक्ति को एक नया और दुर्जेय आयाम प्रदान करेगी।

गाजियाबाद: 10.40 करोड़ से पाइप मार्केट का कायाकल्प, मंत्री सुनील शर्मा और जीडीए उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने किया शुभारंभ

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और जर्जर सड़कों से जनता को निजात दिलाने के लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने कमर कस ली है। शनिवार को अभियंत्रण जोन-7 के साहिबाबाद स्थित श्याम पार्क मेन (पाइप मार्केट) में सड़कों के पुनर्निर्माण कार्य का भव्य आगाज हुआ। प्रदेश सरकार के मंत्री सुनील शर्मा और जीडीए उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने नारियल फोड़कर इस महत्वपूर्ण परियोजना की शुरूआत की।

2.7 किलोमीटर लंबा बनेगा आधुनिक सड़क नेटवर्क

इस परियोजना के तहत पाइप मार्केट क्षेत्र में कुल 2756 मीटर लंबी सड़कों का जाल बिछाया जाएगा। खास बात यह है कि केवल सड़क ही नहीं, बल्कि जल निकासी के लिए आरसीसी ड्रेन भी बनाई जाएंगी। सड़कों को मजबूती देने के लिए इसमें बीएम और एसडीबीसी तकनीक का इस्तेमाल होगा। साथ ही फुटपाथ और किनारों पर इंटरलाकिंग टाइल्स भी लगाई जाएंगी।

व्यापारियों और निवासियों को मिलेगी जलभराव से मुक्ति

लगभग 10.40 करोड़ की भारी-भरकम लागत से होने वाला यह कार्य स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा। पाइप मार्केट में वर्षों से जर्जर सड़कों और जलभराव के कारण व्यापार प्रभावित हो रहा था। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि ड्रेनेज सिस्टम सुधरने से गंदगी और जलभराव की समस्या भी खत्म हो जाएगी।

गुणवत्ता और समय सीमा पर विशेष जोर

कार्यक्रम के दौरान जीडीए उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में उच्चतम गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण का लक्ष्य है कि तय समय सीमा के भीतर काम पूरा हो, ताकि जनता को परेशानी न हो। मौके पर मौजूद सचिव विवेक कुमार मिश्रा और मुख्य अभियंता आलोक रंजन ने प्रोजेक्ट के तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी।

मौके पर उमड़ा जनसैलाब

शुभारंभ के अवसर पर पाइप मार्केट व्यापारी संगठन के पदाधिकारियों ने इस पहल का स्वागत किया। स्थानीय पार्षद और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। व्यापारियों का कहना है कि सड़क और नाली बनने से मार्केट की सूरत बदल जाएगी और ग्राहकों को भी सुविधा होगी।

अहम बदलावः नई सड़कों के साथ-साथ यहाँ आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम (आरसीसी ड्रेन) विकसित किया जा रहा है, जो क्षेत्र को भविष्य में जलभराव की समस्या से पूरी तरह मुक्त कर देगा।

बुजुर्ग की हत्या का लोनी बॉर्डर पुलिस ने किया खुलासा, बाल अपचारी किशोरी सहित 2 अभियुक्त गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र में बीती 29 अप्रैल को हुई बुजुर्ग रमेश शर्मा की हत्या का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। इस संबंध में पुलिस ने आनंद को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। इसके अलावा बुजुर्ग की हत्या के आरोप में प्रियांशु और एक बाल अपचारी किशोरी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से असलाह, आभूषण और नगदी बरामद की है। खास बात यह है कि चोरी करते समय खुद की पहचान छुपाने के लिए बुजुर्ग की हत्या की गई थी। संवाददाता सम्मेलन में डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बताया कि बुजुर्ग की हत्या की सूचना मिलती ही पुलिस मौके पर पहुंची थी और मुकदमा दर्ज करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था। घटना का खुलासा करने के लिए टीमों का गठन किया गया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। पुलिस ने मुठभेड़ में आनंद को गिरफ्तार किया था और इस दौरान उसके पैर में गोली लगी थी। उसे घायल अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके अलावा प्रियांशु को चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया। इस घटना के संबंध में एक बाल अपचारी किशोरी को भी हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि यह सभी लूट के इरादे से रमेश शर्मा के घर में घुसे थे। आनंद की पत्नी रमेश शर्मा के घर में खाना बनाने का काम करती थी। इन सभी को पता था कि घर में कोई नहीं है, इसलिए उन्होंने लूट करने की योजना बनाई थी। जब यह लूट करने के लिए घर में दाखिल हुए तो रमेश शर्मा ने इन्हें पहचान लिया था। खुद की पहचान छुपाने के लिए इन्होंने रमेश शर्मा की हत्या कर दी थी और घर से आभूषण व नगदी चुराकर फरार हो गए थे। पुलिस पूछताछ में इन्होंने बताया कि इन सभी को पैसे की आवश्यकता थी। इसलिए इन्होंने लूट की योजना बनाई थी। लूट के दौरान खुद को बचाने के लिए इन्होंने बुजुर्ग की हत्या की थी।

खंद्रावली सड़क हादसे में नया मोड़: पीएम रिपोर्ट में गोली से मौत, परिजनों का हाइवे जाम, पुलिस से नोकझोंक

कांधला/शामली (शिखर समाचार)। थाना क्षेत्र के गांव खंद्रावली में सड़क हादसे में मारे गए युवक के मामले ने उस समय तूल पकड़ लिया, जब पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसकी मौत गोली लगने से होना सामने आया। इस खुलासे के बाद आक्रोशित परिजनों ने शव को हाईवे पर रखकर जाम लगा दिया, जिससे मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार देर रात गांव खंद्रावली निवासी अनुज अपने परिजनों के साथ थाने पहुंचा और बताया कि उसका चचेरा भाई आंशु (24), जो शामली स्थित एक अल्ट्रासाउंड सेंटर पर कार्यरत था, ड्यूटी से लौटते समय अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

लेकिन शनिवार सुबह जब पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई, तो उसमें युवक के सिर में गोली लगने से मौत होने की पुष्टि हुई। यह जानकारी मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। इसके बाद परिजनों ने खंद्रावली पुलिस चौकी के समीप हाईवे पर शव रखकर जाम लगा दिया। जाम की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ कैराना क्षेत्राधिकारी हेमंत कुमार मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि परिजन आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। इसी दौरान जाम हटाने को लेकर सीओ द्वारा सख्ती दिखाने और मुकदमा दर्ज करने की चेतावनी देने पर परिजनों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक हो गई, जिससे कुछ समय के लिए माहौल और तनावपूर्ण हो गया।

बाद में अधिकारियों द्वारा उचित कार्रवाई और जल्द खुलासे के आश्वासन के बाद परिजन शांत हुए और जाम खोल दिया गया।

वहीं, क्षेत्राधिकारी कैराना हेमंत कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

हापुड़: तीनों तहसीलों में समाधान दिवस आयोजित, 152 शिकायतें दर्ज, 24 का मौके पर निस्तारण

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद हापुड़ की समस्त तहसीलों में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तीनों तहसीलों में कुल 152 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से संबंधित अधिकारियों द्वारा 24 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। तहसील हापुड़ में जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां कुल 62 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 8 का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। समाधान दिवस के दौरान घरेलू हिंसा और जमीनी विवाद से संबंधित मामले प्रमुख रूप से सामने आए। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि तहसील दिवस में प्राप्त सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लंबित मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। इसी क्रम में तहसील गढ़मुक्तेश्वर में अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 52 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 11 का मौके पर निस्तारण किया गया। वहीं तहसील धौलाना में मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 38 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 5 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया।

नगर आयुक्त की अनूठी पहल : नगर निगम में आगंतुकों को मिल रहा नींबू पानी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। भीषण गर्मी से लोगों को बचाने के लिए नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक लगातार विभिन्न तरह के प्रयास कर रहे हैं। जहाँ रेड लाइट पर ग्रीन नेट लगाते हुए सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था की जा रही है तों वहीं दूसरी तरफ नगर निगम पर आने वाले आगंतुकों के लिए नींबू पानी की व्यवस्था की गई है, जिससे वह इस गर्मी में डिहाइड्रेशन का शिकार नहीं हो। प्रभारी नजारत डॉ. अनुज कुमार सिंह ने बताया कि गर्मी को देखते हुए नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार नींबू पानी की व्यवस्था निगम द्वारा की गई है, जिसमें गर्मी में निगम मुख्यालय पधारने वाले आगंतुकों को नींबू पानी की सुविधा मिलेगी। गर्मी को देखते हुए स्वच्छता के साथ नींबू पानी बनाया जा रहा है। दोपहर 12:30 से 3 बजे तक गर्मी बहुत अधिक होती है। ऐसे में गर्मी में आगंतुकों को परेशानी बढ़ जाती है और उन्हें राहत देने के लिए नींबू पानी की व्यवस्था की गई है। पार्षदों द्वारा भी इस पहल की प्रशंसा की गई है। शिवम शर्मा पार्षद वार्ड संख्या 91, शीतल पार्षद वार्ड संख्या 9, अजीत निगम पार्षद वार्ड संख्या 96, सुभाष चौधरी पार्षद वार्ड संख्या 32 ने मौके पर व्यवस्था को देखा गया और गर्मी में नींबू पानी की व्यवस्था को देखकर प्रशंसा जाहिर की।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में एसपी सिटी ने सुनीं जनसमस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। पुलिस अधीक्षक नगर मुजफ्फरनगर अमृत जैन ने तहसील खतौली में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने सभी शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के अनुपालन में आयोजित इस समाधान दिवस में जनसमस्याओं की सुनवाई करते हुए अमृत जैन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच के साथ शत-प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों का समाधान तय समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से होना चाहिए। समाधान दिवस में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को यह भी निर्देश दिए गए कि महिला अपराध से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाए और उनकी जांच में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इसके अलावा पुलिस अधीक्षक नगर ने उपस्थित लोगों को साइबर अपराध एवं साइबर ठगी के प्रति जागरूक करते हुए बचाव के उपाय विस्तार से बताए। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने की अपील की। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी खतौली, क्षेत्राधिकारी खतौली सहित पुलिस एवं प्रशासन के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस नीति का असर, भूमि धोखाधड़ी पर प्रशासन का कड़ा शिकंजा

सन्दीप शर्मा

देहरादून (शिखर समाचार)। प्रदेश में भूमि धोखाधड़ी के मामलों पर सख्त रुख अपनाते हुए प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। गढ़वाल मंडल आयुक्त विनय शंकर पांडेय की अध्यक्षता में शनिवार को सर्वे चौक स्थित कैंप कार्यालय में आयोजित लैंड फ्रॉड समन्वय समिति की उच्चस्तरीय बैठक में कुल 125 मामलों की सुनवाई की गई, जिनमें 45 प्रकरणों का निस्तारण कर दिया गया, जबकि 24 गंभीर मामलों में प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश जारी किए गए।

बैठक में सामने आया कि भूमि धोखाधड़ी के मामलों में देहरादून जनपद सबसे अधिक प्रभावित है, जहां से 74 नए प्रकरण सामने आए हैं। इसके अलावा हरिद्वार से 15, पौड़ी से 13, टिहरी से 2 और चमोली से 1 मामला समिति के समक्ष प्रस्तुत हुआ।

आयुक्त ने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत भूमि से जुड़े फर्जीवाड़े को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिन प्रकरणों में संयुक्त निरीक्षण आवश्यक है, उन्हें एक सप्ताह के भीतर पूरा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

खसरा हेरफेर से दोहरी बिक्री तक, फर्जीवाड़े का बड़ा खुलासा

सुनवाई के दौरान कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। जांच में पाया गया कि कुछ मामलों में बिना जमीन के ही बिक्री कर दी गई, कहीं खसरा नंबर में हेरफेर कर अलग भूमि बेची गई, तो कहीं 2 बीघा जमीन को 4 बीघा बताकर लोगों को ठगा गया। इसके अलावा भूमि पर अवैध कब्जा कर तारबाड़ करने और जमीन को खुर्द-बुर्द करने जैसे गंभीर मामले भी सामने आए हैं।

इन मामलों में उदय सिंह, सुचेता सेमवाल, राजीव जायलवाल, गुलाब सिंह, किरन बागड़ी, अजय कुमार, संजीव गर्ग, मिथलेश सिंघल, जगदंबा रावत, अर्जुन सिंह और सामरजी देवी समेत कई शिकायतकताओं के प्रकरण शामिल हैं। आयुक्त ने पुलिस को इन मामलों में तत्काल और कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

15 दिन में प्रगति लाने के निर्देश

आयुक्त ने बड़े भू-प्रकरणों में कार्रवाई में हो रही देरी पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी लंबित मामलों में 15 दिनों के भीतर ठोस प्रगति सुनिश्चित की जाए। जिन मामलों में अवैध निर्माण सिद्ध हो चुका है, वहां तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि जिन मामलों में भूमि धोखाधड़ी स्पष्ट रूप से सामने आती है, उनमें अनिवार्य रूप से एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। वहीं, जो मामले भूमि धोखाधड़ी की श्रेणी में नहीं आते, उनकी जानकारी शिकायतकताओं को पारदर्शिता के साथ दी जाए।

आपसी समझौते और न्यायालयीन मामलों का भी निस्तारण

बैठक में 45 मामलों का निस्तारण किया गया, जिनमें कई मामलों में दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति बन गई। कुछ मामलों में प्रशासनिक हस्तक्षेप से धनराशि वापस कराई गई, जबकि कुछ प्रकरण ऐसे पाए गए जो पहले से सिविल न्यायालय में लंबित हैं और उनमें भूमि धोखाधड़ी नहीं पाई गई। ऐसे मामलों के निस्तारण के लिए न्यायालयीन प्रक्रिया को ही उपयुक्त माना गया।

अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश

आयुक्त ने निर्देश दिए कि न्यायालय में लंबित मामलों को छोड़कर अन्य सभी प्रकरणों में विभागीय स्तर पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और किसी भी मामले को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। साथ ही, भूमि विवादों की प्रारंभिक स्तर पर ही पहचान कर आवश्यक रोकथाम उपाय अपनाने पर भी जोर दिया गया, ताकि भविष्य में बड़े विवाद उत्पन्न न हों।

बैठक में पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल राजीव स्वरूप, अपर आयुक्त उत्तम सिंह चौहान, अपर जिलाधिकारी केके मिश्रा, अपर जिलाधिकारी टिहरी शैलेन्द्र सिंह नेगी, एसपी (ग्रामीण) जया बलूनी, डीजीसी नितिन वशिष्ट, एसडीएम डोईवाला अपर्णा ढौंडियाल सहित विभिन्न तहसीलों के अधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

स्पष्ट है कि प्रशासन अब भूमि धोखाधड़ी पर पूरी तरह सख्त है और आने वाले समय में ऐसे मामलों में और भी तेज कार्रवाई देखने को मिल सकती है।

फायरिंग में घायल दो युवक अस्पताल में भर्ती

बुढाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। थाना क्षेत्र बुढाना के अंतर्गत ग्राम कुतुबपुर दताना में आपसी विवाद के बाद हुई फायरिंग की घटना में दो युवक घायल हो गए। सूचना मिलते ही थाना बुढाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि ग्राम निवासी पारूल पुत्र ईश्वर और मोनू पुत्र घसीटू के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच झगड़े के साथ फायरिंग हो गई। इस दौरान दोनों युवक घायल हो गए। घटना की सूचना पर उच्च अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और संबंधित पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। थाना बुढाना पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ककरौली प्रकरण: संयुक्त वैश्य मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिला, आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद भी सुरक्षा की मांग

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। संयुक्त वैश्य मोर्चा जनपद मुजफ्फरनगर का एक प्रतिनिधिमंडल ककरौली में पीड़ित परिवार नरेश अग्रवाल से मिलने पहुंचा। मुख्य संयोजक एवं सलाहकार शलभ गुप्ता एडवोकेट ने जानकारी देते हुए बताया कि मोर्चा के जिला अध्यक्ष कृष्ण गोपाल मित्तल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार का हालचाल जाना और घटना की पूरी जानकारी ली। प्रतिनिधिमंडल में कृष्ण गोपाल मित्तल, शलभ गुप्ता एडवोकेट, अमित गुप्ता एडवोकेट, सुनील तायल, यश गोयल बोपाड़ा, मनीष गुप्ता, राजेंद्र प्रसाद गर्ग, शिवम राजवंशी, दिनेश कुमार गोयल, गौरव गुप्ता और विनोद गर्ग सहित कई सदस्य मौजूद रहे। पीड़ित परिवार की ओर से नरेश अग्रवाल और उनकी पत्नी शशि अग्रवाल, जिनके हाथ की हड्डी टूटी हुई है, ने अपनी आपबीती सुनाई। प्रतिनिधिमंडल ने गांव के अन्य लोगों से भी बातचीत कर घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। इसके बाद शीर्ष अधिकारियों से तत्काल वार्ता कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी जोगेंद्र यादव ने फोन पर इसकी पुष्टि की। गिरफ्तारी की खबर मिलते ही पीड़ित परिवार ने राहत की सांस ली, हालांकि परिवार अब भी आरोपियों से भयभीत है और अपनी जान को खतरा बता रहा है। संयुक्त वैश्य मोर्चा ने जिला प्रशासन से मांग की है कि आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए तथा पीड़ित परिवार को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे भयमुक्त होकर रह सकें।

जनगणना 2027: स्व गणना को लेकर कार्यशाला आयोजित

शामली। (शिखर समाचार) कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी आलोक यादव की अध्यक्षता में ग्राम प्रधानों व सचिवों के लिए स्व गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) को सफल बनाने हेतु कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनरों ने प्रतिभागियों को जनगणना प्रक्रिया, मोबाइल एप के उपयोग तथा तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। अपर जिलाधिकारी सत्येंद्र सिंह ने बताया कि जनगणना 2027 इस बार पूरी तरह डिजिटल और पेपरलेस होगी। इसमें नागरिक स्वयं मोबाइल एप के माध्यम से अपना विवरण दर्ज कर सकेंगे, जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुगम बनेगी। उन्होंने बताया कि जनपद में स्व गणना का कार्य 7 मई से 21 मई तक संचालित किया जाएगा, जबकि 22 मई से 20 जून तक मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग) का कार्य किया जाएगा। कार्यशाला के दौरान अधिकारियों ने ग्राम प्रधानों और सचिवों से अपील की कि वे जन जागरूकता बढ़ाएं और अधिक से अधिक लोगों को स्व गणना के लिए प्रेरित करें, ताकि यह राष्ट्रीय दायित्व निष्ठा, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके।

ब्रजघाट में घर के बाहर से बाइक चोरी, सीसीटीवी में कैद घटना

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। बृजघाट के मुख्य बाजार क्षेत्र में रहने वाले संदीप पांडे की बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, देर रात अज्ञात चोर घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी कर ले गए।

यह घटना गढ़ कोतवाली क्षेत्र की बृजघाट चौकी के अंतर्गत हुई। सुबह जानकारी होने पर पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच में बाइक चोरी की घटना सामने आई है।

पीड़ित ने गढ़मुक्तेश्वर थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश की जा रही है।

गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण
(ISO 9001:2015 एवं ISO 14001:2015 प्रमाणित संस्था)
विकास पथ, गाज़ियाबाद

पत्रांक: 668/पी0ए0-टी0/2026-27 दिनांक: 02.05.2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

उपाध्यक्ष, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की ओर से विभिन्न कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सम्बन्धी समस्त विवरण व शर्तें गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की वैबसाइट www.gdaghaziabad.in पर उपलब्ध हैं एवं UPLC की वैबसाइट https://etender.up.nic.in पर निविदा विक्रय की तिथि में उपलब्ध होंगी। सम्बन्धित निविदाओं को ई-निविदा आमंत्रण सूचना में उनके सम्मुख दर्शायी गयी तिथियों पर डाउनलोड व अपलोड किया जा सकता है एवं प्राप्त ई-निविदाओं को उनके सम्मुख दर्शायी गयी तिथियों पर खोला जायेगा। निविदा में कोई भी संशोधन/परिमार्जन/परिवर्तन व अतिरिक्त सूचनाओं को वैबसाइट पर ही प्रकाशित किया जायेगा।

मुख्य अभियन्ता

ई-मेल: helplinegda@gmail.com, f : @gdagzb, t : @gdagzb
हैल्पलाईन: 0120-3342433/व्हाट्सैप नं: 9818988807, वेबसाईट: www.gdaghaziabad.in

एक सुन्दर शहर........ हमारा संकल्प

NH-9 पर चलती कारों की छत पर चढ़कर युवकों का खतरनाक स्टंट, वीडियो वायरल

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना सिम्भावली क्षेत्र के नेशनल हाईवे-9 पर युवकों द्वारा बीच सड़क पर हुड़दंग और जानलेवा स्टंट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में आधा दर्जन कारों में सवार दर्जनों युवक चलती गाड़ियों की छत पर खड़े होकर स्टंट करते नजर आ रहे हैं, जिससे अन्य वाहन चालकों की जान जोखिम में पड़ गई।जानकारी के अनुसार, युवकों ने रील बनाने के लिए इस खतरनाक हरकत को अंजाम दिया। इस दौरान हाईवे पर यातायात बाधित होने के साथ-साथ बड़ा हादसा होने की आशंका बनी रही। थाना प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर वाहनों की पहचान की जा रही है। जल्द ही संबंधित युवकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने इस तरह के स्टंट को गंभीर अपराध बताते हुए सख्त चेतावनी दी है।

निमाणार्धीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हादसा गड्ढे में गिरने से मजदूर की मौत, सिर में लगी थी गंभीर चोट

जेवर (शिखर समाचार)। निमार्णाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट साइट पर शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें एक मजदूर की जान चली गई। पैदल चलते समय संतुलन बिगड़ने से मजदूर साइट पर बने गड्ढे में गिर गया, जहां लोहे के सामान से टकराकर उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। घायल अवस्था में उसे तत्काल कस्बे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक की पहचान झारखंड निवासी ज्योति कुमार (30) के रूप में हुई है, जो एयरपोर्ट निर्माण कार्य में मजदूरी करता था। बताया गया कि शुक्रवार को अवकाश होने के कारण वह कस्बे में गया हुआ था। बाद में जब वह साइट पर वापस लौटा और पैदल चल रहा था, तभी अचानक संतुलन बिगड़ गया और वह गड्ढे में जा गिरा। हादसे के दौरान गड्ढे में पड़े लोहे के सामान से उसके सिर में गहरी चोट आई, जिससे उसकी हालत बेहद गंभीर हो गई। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मजदूर के नशे में होने की भी आशंका जताई जा रही है। हालांकि, इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस के अनुसार, अब तक मृतक के परिजनों की ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। मामले में आगे की कार्रवाई शिकायत मिलने के बाद ही की जाएगी।

क्षतिग्रस्त एचटी विद्युत पोल बदलने और खड्डा भरने की उठी मांग

खतौली/मुजफ्फर नगर (शिखर समाचार)। हाईटेंशन विद्युत लाइन के क्षतिग्रस्त पोल को बदलने और सड़क किनारे खोदे गए खड्डे को भरने की मांग संपूर्ण समाधान दिवस में उठाई गई। समाधान दिवस में मौजूद अधिकारियों ने संबंधित विभाग को मामले का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष कुलदीप तोमर ने जनहित से जुड़ी इस समस्या को समाधान दिवस में प्रमुखता से रखा। उन्होंने बताया कि गत 18 अप्रैल को शिव मंदिर रोड पर एक भारी वाहन की टक्कर से हाईटेंशन विद्युत लाइन का पोल क्षतिग्रस्त हो गया था। पिछले लगभग पंद्रह दिनों से यह पोल जर्जर अवस्था में खड़ा है,

जिससे क्षेत्रवासियों के लिए लगातार खतरा बना हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि उसी स्थान पर एक खड्डा खोदा गया था, जिसे अब तक नहीं भरा गया है। इससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। कुलदीप तोमर ने प्रशासन से मांग की है कि जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए क्षतिग्रस्त पोल को जल्द बदला जाए और खड्डे को तत्काल भरवाया जाए, ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

तहसील समाधान दिवस में महिलाओं ने स्मार्ट मीटर हटवाने की उठाई मांग

नगीना / बिजनौर (शिखर समाचार)। शनिवार को आयोजित तहसील समाधान दिवस में महिलाओं ने बिजली के स्मार्ट मीटरों को लेकर जोरदार आपत्ति दर्ज कराई। एसडीएम विजय शंकर मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 15 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से केवल एक का मौके पर निस्तारण हो सका। तहसील क्षेत्र की आजाद कॉलोनी लाइन पार और नेजोवाली गावड़ी से आई दर्जनों महिला विद्युत उपभोक्ताओं ने एसडीएम कोर्ट परिसर में एकत्र होकर हस्ताक्षरयुक्त शिकायत पत्र सौंपा। महिलाओं का आरोप था कि विद्युत विभाग द्वारा लगाए गए स्मार्ट मीटर अधिक बिजली बिल दिखा रहे हैं, जिससे आम उपभोक्ता आर्थिक रूप से परेशान हैं। उन्होंने मांग की कि इन स्मार्ट मीटरों को तत्काल हटवाया जाए। इस मामले में एसडीएम ने विद्युत विभाग के एसडीओ रामकेश कुमार से जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। समाधान दिवस में पुलिस क्षेत्राधिकारी राजेश कुमार सहित तहसील स्तरीय विभिन्न विभागों के अधिकारी और सर्किल क्षेत्र के सभी थानों के प्रभारी/प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

औद्योगिक विकास को रफ्तार: इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं मिशन मोड में पूरी करने के मुख्यमंत्री योगी के निर्देश , कहा

भूमि अधिग्रहण कार्य में तेजी लाएं और जरूरत पड़ने पर रेट रिवीजन के प्रस्ताव तत्काल भेजे

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश में औद्योगिक विकास, कनेक्टिविटी और शहरी ढांचे को नई गति देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को मिशन मोड में समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जहां भी प्रक्रियात्मक बाधाएं हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए ताकि परियोजनाओं में देरी न हो। शनिवार को स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन की बैठक में मुख्यमंत्री ने एक्सप्रेसवे, औद्योगिक पार्क, लॉजिस्टिक्स हब और शहरी परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं की मॉनिटरिंग नियमित रूप से की जाए और गुणवत्ता व समयसीमा से कोई समझौता न हो।

डिफेंस कॉरिडोर और निवेश परियोजनाएं

मुख्यमंत्री ने बताया कि डिफेंस कॉरिडोर के चित्रकूट नोड में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की इकाई का शिलान्यास जल्द किया जाएगा। इससे पहले भूमि और वित्तीय प्रक्रियाओं को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

लॉजिस्टिक्स सेक्टर बनेगा गेम चेंजर

ग्रेटर नोएडा में विकसित हो रहे मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब और मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब को मुख्यमंत्री ने प्रदेश के लॉजिस्टिक्स

सेक्टर के लिए गेम चेंजर बताया। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक सप्लाई चेन से जोड़ेंगी।

बैठक में बताया गया कि परियोजना के लिए 323 हेक्टेयर में से 301 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहीत हो चुकी है।

लखनऊ में कन्वेंशन सेंटर और शहरी विकास परियोजनाएं

राजधानी लखनऊ में प्रस्तावित विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर के लिए लेटर ऑफ अवार्ड जारी हो चुका है। मुख्यमंत्री ने इसके शीघ्र शिलान्यास की तैयारी के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने इंटीग्रेटेड सिटी बस टर्मिनल और वृंदावन योजना जैसे शहरी परिवहन प्रोजेक्ट्स को भी तेजी से पूरा करने को कहा।

150 कंपोजिट विद्यालयों का निर्माण तेज करने के निर्देश

मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट स्कूल योजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने 75 जिलों में बन रहे 150 विद्यालयों के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों की लोकेशन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के दृष्टिकोण से उपयुक्त होनी चाहिए। फिलहाल 59 विद्यालयों पर कार्य शुरू हो चुका है और 67 की निविदा प्रक्रिया चल रही है।

औद्योगिक निवेश और नीति सुधार पर दिया जोर

बैठक में मुख्यमंत्री ने औद्योगिक भूखंडों के समयबद्ध उपयोग और निवेशकों से सीधे संवाद पर जोर दिया। उन्होंने मॉडल बिल्डिंग बायलॉज को शीघ्र लागू करने और बायो एनर्जी तथा सीबीजी परियोजनाओं को बढ़ावा देने के निर्देश दिए।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से टोल कर्मी की मौत, परिवार में कोहराम

अमरोहा (एजेंसी)। अतरासी-हसनपुर मार्ग पर शुक्रवार रात तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार टोल प्लाजा कर्मी को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। थाना क्षेत्र के गांव जमापुर निवासी किसान रामपाल सिंह का 35 वर्षीय बेटा अरुण कुमार नारंगपुर स्थित टोल प्लाजा पर कार्यरत था। परिवार में पत्नी दीपा और बेटा काव्यांश हैं। बताया गया कि शुक्रवार रात वह दौलतपुर से बाइक से घर लौट रहा था। पुलिस के अनुसार, अतरासी-हसनपुर मार्ग पर एचपी गैस एजेंसी के सामने तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल अरुण कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। क्षेत्राधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम कराया जा रहा है तथा परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतक की मां सावित्री देवी और पत्नी दीपा का रो-रोकर बुरा हाल है, जिससे पूरे गांव में शोक का माहौल है।

टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ दर्ज कराया मामला

फिरोजाबाद (एजेंसी)। थाना नसीरपुर क्षेत्र के करनपुर मोड के पास दो बाइक की भिड़ंत में घायल बाइक सवार ने दूसरे बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। नरेन्द्र पुत्र जोरावर सिंह निवासी नगला अनूप, सिरसागंज जिला 24 मार्च को अपने चाचा बलवन्त सिंह पुत्र बाबूराम को लेकर ततारपुरा गांव से अपनी बाइक से घर वापस जा रहा था। तभी अचानक थाना नसीरपुर के करनपुर मोड से आगे एक्सप्रेस वे के पास दूसरे बाइक सवार ने लापरवाही से बाइक चलाए हुए सामने से टक्कर मार दी। हादसे में पीड़ित के चाचा गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि पीड़ित भी हादसे में घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। घायल के भतीजे ने बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

ट्रेन में चढ़ते समय यात्री का पैर फिसला, हुआ घायल

शिकोहाबाद (एजेंसी)। स्टेशन पर चलती गोमती एक्सप्रेस में ट्रेन में चढ़ते समय एक यात्री का पैर फिसल गया। जिससे वह ट्रेन के नीचे चला गया। जीआरपी की सतर्कता के चलते यात्री बाल बाल बच गया। ट्रेन से गिरने से घायल यात्री को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। अमित पुत्र ग्याप्रसादे निवासी रामगोपालपुर भेंटा उन्नाव से गोमती एक्सप्रेस से दिल्ली जा रहा था। शिकोहाबाद में ट्रेन रुकने पर वह केंटिन से कुछ खाने पीने का सामान लेने ट्रेन से उतरा। ट्रेन कुछ देर रुकने के बाद चल दी। यह देखकर यात्री चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करने लगा। इसी दौराने अचानक से उसका पैर फिसल गया। जिससे वह ट्रेन के नीचे चला गया। जब वहां मौजूद जीआरपी के जवान ने यात्री को ट्रेन के नीचे जाते देखा तो तत्काल ट्रेन के गार्ड को घटना की जानकारी दी, तो ट्रेन को इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोक दिया गया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 183 शिकायतें दर्ज, 11 का मौके पर निस्तारण

बिजनौर (शिखर समाचार)। तहसील धामपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 183 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 11 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी जसजीत कौर ने की। जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य है कि जिला स्तरीय समस्याओं का एक ही स्थान पर प्रभावी निस्तारण किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि किसी शिकायत का मौके पर समाधान संभव न हो, तो उसे एक सप्ताह के भीतर गुणवत्ता के साथ निस्तारित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई शिकायतकर्ता बार-बार अपनी समस्या लेकर आ रहा है, तो यह दशार्ता है कि उसकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया गया या उसका सही निस्तारण नहीं हुआ। सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे शिकायतों का मानक के अनुरूप समाधान सुनिश्चित करें तथा आवश्यक होने पर मौके पर जाकर शिकायतकर्ता और स्थानीय लोगों से बातचीत कर सत्यता की पुष्टि करें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, मुख्य विकास अधिकारी रणविजय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए दिनकर भारती, उप जिलाधिकारी स्मृति मिश्रा, क्षेत्राधिकारी सिटी, तहसीलदार सहित अन्य जिला, तहसील एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

छह केंद्रों पर आज होगी नीट की प्रवेश परीक्षा, 2661 देंगे एग्जाम

फिरोजाबाद (एजेंसी)। राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा (नीट) स्नातक - 2026 रविवार को जिले के छह केंद्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा को शांतिपूर्ण और नकलविहीन बनाने के लिए प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। कुल 2661 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। जिला प्रशासन के निर्देश पर सभी केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। प्रत्येक केंद्र पर कार्यपालक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है, जो पूरी परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। परीक्षार्थियों की प्रवेश से पहले सघन तलाशी ली जाएगी और किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, जैसे मोबाइल, स्मार्टवॉच आदि पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। केंद्रों के 100 मीटर दायरे में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है, साथ ही आसपास की फोटोस्टेट और प्रिंटिंग की दुकानों को भी परीक्षा अवधि में बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी भी सुनिश्चित की गई है इस दौरान जरूरी निर्देश दिए।

शाहपुर में रालोद ने संगठन को किया मजबूत

शाहपुर/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय लोकदल ने अपने संगठनात्मक ढांचे को विस्तार देते हुए मोहसिन रंगरेज को नगर अध्यक्ष (अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) नियुक्त किया है। इस नियुक्ति के जरिए पार्टी ने क्षेत्र में अपनी पकड़ को और मजबूत करने का संकेत दिया है। बुढ़ाना विधायक राजपाल बालियान के आवास पर आयोजित बैठक में मोहसिन रंगरेज का स्वागत किया गया और उन्हें शुभकामनाएं दी गईं। विधायक के सानिध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस अवसर पर विधायक राजपाल बालियान ने कहा कि पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना और अल्पसंख्यक समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना प्राथमिकता होगी। उन्होंने नवनियुक्त नगर अध्यक्ष से संगठन को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष मनोज सैनी, सभासद सोनू सैनी, आदिल खान, कलाम अंसारी, आसिफ सलमानी, नामित सभासद अभिषेक चौधरी और राहुल बालियान सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने मोहसिन रंगरेज की नियुक्ति का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। मोहसिन रंगरेज ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करने के लिए कार्य करेंगे।

डीएम की अध्यक्षता में लगा संपूर्ण समाधान दिवस

142 फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित दिए प्रार्थना पत्र तीन का मौके पर निस्तारण

बुलंदशहर (संवाददाता)। शनिवार को जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता में तहसील डिबाई में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। समाधान दिवस में 142 फरियादियों द्वारा अपनी समस्याओं के प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने पर मौके पर 03 शिकायतों का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजते हुए शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता से करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे से संबंधित शिकायतों में लेखपाल एवं पुलिस की संयुक्त टीम आज ही मौके पर जाकर भूमि को कब्जा मुक्त कराए।

एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने पुलिस से संबंधित शिकायतों को सुनकर उनके निस्तारण के निर्देश दिए। इस अवसर पर सीएमओ डॉ सुनील दोहरे, उप जिलाधिकारी, सीओ, तहसीलदार सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नोएडा मीडिया क्लब की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा, शोकसभा आयोजित

नोएडा (संवाददाता)। शनिवार को नोएडा मीडिया क्लब में एक अहम बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने की। बैठक में मीडिया क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे। इस दौरान क्लब से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उनके शीघ्र समाधान के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए गए। बैठक के उपरांत मीडिया क्लब परिसर में एक शोक सभा का आयोजन भी किया गया। उल्लेखनीय है कि क्लब के महासचिव जयप्रकाश सिंह की बड़ी बहन विधा देवी का हाल ही में असमय निधन हो गया, वहीं मीडिया क्लब के सक्रिय सदस्य पंकज करन का भी बीमारी के चलते विगत दिनों निधन हो गया। दोनों दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए उपस्थित सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही ईश्वर से प्रार्थना की गई कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिजनों को इस कठिन समय को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने दिवंगतों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उनके योगदान को स्मरण किया।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की 143वीं बोर्ड बैठक में बड़े फैसले, बजट मंजूर, नए एक्सप्रेसवे कनेक्शन, ईवी बसें और आवंटियों को बड़ी राहत

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की 143वीं बोर्ड बैठक शनिवार को सम्पन्न हुई, जिसमें विकास, आधारभूत ढांचे, जनसुविधाओं और आवंटियों को राहत देने से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक की अध्यक्षता चेयरमैन दीपक कुमार ने की, जबकि अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार (वर्चुअल माध्यम से) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए 6048 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी गई, जिसमें आय और व्यय बराबर रखने का प्रावधान किया गया है।

बैठक में यह तय किया गया कि इस वित्तीय वर्ष में जमीन अधिग्रहण, ग्रामीण विकास और निर्माण कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जमीन अधिग्रहण पर लगभग 1150 करोड़ रुपये और निर्माण व विकास कार्यों पर करीब 2176 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा हरित विकास, सामुदायिक केंद्र, मल्टीपरपज हॉल, मेट्रो परियोजनाओं और जेवर एयरपोर्ट से जुड़े कार्यों पर भी बजट निर्धारित किया गया है। प्राधिकरण ने आम नागरिकों को बड़ी राहत देते हुए इस वर्ष जल शुल्क में वृद्धि न करने का फैसला लिया है। वर्ष 2013-14 से हर साल जल शुल्क में 10 प्रतिशत वृद्धि की परंपरा को इस बार रोका गया है। साथ ही बकाया जल बिलों के निस्तारण के लिए एकमुश्त समाधान योजना लागू की गई है, जिसके तहत 30 जून तक 40 प्रतिशत, 31 जुलाई तक 30 प्रतिशत और 31 अगस्त तक 20 प्रतिशत तक ब्याज में छूट दी जाएगी। आवागमन को सुगम बनाने के लिए दो महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। ग्रेटर नोएडा की

105 मीटर चौड़ी सड़क को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए लगभग 15 किलोमीटर लंबी नई सड़क बनाई जाएगी। इसके अलावा मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब से डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के समानांतर 6 लेन एलिवेटेड रोड का निर्माण किया जाएगा, जिससे औद्योगिक इकाइयों को बड़ा लाभ मिलेगा और माल परिवहन आसान होगा। बहुमंजिला फ्लैटों के आवंटियों को राहत देते हुए प्राधिकरण ने एकमुश्त समाधान योजना को मंजूरी दी है, जिसके तहत बकाया प्रीमियम और लीज डीड के विलंब शुल्क पर 80 प्रतिशत तक ब्याज में छूट दी जाएगी। यह योजना छह माह तक प्रभावी रहेगी और ईडब्ल्यूएस से लेकर 135 वर्ग मीटर तक के फ्लैटों पर लागू होगी। परिसंपत्तियों की आवंटन दरों में भी इस बार केवल 3.58 प्रतिशत की मामूली वृद्धि की गई है। वहीं पुलिस और अग्निशमन विभाग को 500 वर्ग मीटर तक भूखंड निःशुल्क आवंटित किए जाएंगे। ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने के लिए परी चौक, नॉलेज पार्क, एक्सपो मार्ट और आसपास के क्षेत्रों के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली से विस्तृत योजना तैयार कराई जाएगी, जो ट्रैफिक प्रबंधन का स्थायी समाधान सुझाएगी। औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए ईकोटेक-10 में 220 केवी का बिजली उपकेंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया है, जिससे उद्योगों और आसपास के क्षेत्रों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिल सकेगी। सुरक्षा के लिहाज से बहुमंजिला इमारतों में आग से निपटने के लिए 102 मीटर ऊंचाई वाले दो हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म खरीदने को मंजूरी दी गई है, जिस पर करीब 100 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

प्राधिकरण ने आपदा प्रबंधन को मजबूत करने के लिए एनडीआरएफ को सेक्टर ओमीक्रॉन में आवास उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इसके अलावा शहर में सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए चार रूटों पर 15 इलेक्ट्रिक बसें चलाने का फैसला किया गया है, जिनका संचालन उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा किया जाएगा। लिगेसी प्रोजेक्ट नीति के तहत अब तक 40,570 फ्लैटों की रजिस्ट्री कराई जा चुकी है और हजारों खरीदारों को उनका मालिकाना हक मिल चुका है। साथ ही कार्बन क्रेडिट परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई है, जिससे हरित विकास के साथ-साथ प्राधिकरण की आय में भी वृद्धि होगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि टेकजोन क्षेत्र में मेघालय भवन का निर्माण किया जाएगा और नॉलेज पार्क-5 में लगभग 300 बेड का ईएसआई अस्पताल स्थापित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के कर्मचारियों और निवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी।

थाना मन्सूरपुर का आकस्मिक निरीक्षण, व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन ने थाना मन्सूरपुर का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना कार्यालय, कंप्यूटर कक्ष, आगंतुक कक्ष, मिशन शक्ति केंद्र, साइबर हेल्प डेस्क, भोजनालय (मैस) तथा मालखाना सहित विभिन्न अभिलेखों की गहन जांच की। निरीक्षण के दौरान अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण, अपराध रजिस्टरों के अद्यतन रख-रखाव एवं लंबित विवेचनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कंप्यूटर कक्ष एवं साइबर हेल्प डेस्क का

निरीक्षण करते हुए डाटा प्रविष्टियों की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया गया और सभी प्रविष्टियों को समयबद्ध, शुद्ध एवं अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। मिशन शक्ति केंद्र के निरीक्षण के दौरान महिला संबंधी शिकायतों के त्वरित, संवेदनशील और प्रभावी निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही पीड़ितों को समुचित सहायता और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। आगंतुक कक्ष में मौजूद फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक नगर ने भोजनालय (मैस) का निरीक्षण कर पुलिसकर्मियों के लिए स्वच्छ, पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इसके अतिरिक्त क्षेत्र में नियमित गश्त, संवेदनशील स्थलों पर सतर्क निगरानी तथा कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों के प्रति अधिक सजग, पारदर्शी और जवाबदेह रहने तथा जनहित को सर्वोपरि रखने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी खतौली रूपाली राय, थाना प्रभारी मन्सूरपुर विपिन त्यागी सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

वादे के एक साल बाद भी विकसित भूखंड नहीं, किसानों का प्रदर्शन तेज, प्राधिकरण को सौंपा ज्ञापन

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव नगला भटौना के समीप किसानों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें 7 प्रतिशत विकसित भूखंड, आबादी निस्तारण सहित विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में किसानों ने प्राधिकरण की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि एक वर्ष पूर्व किए गए वादे अब तक पूरे नहीं किए गए हैं। किसानों के अनुसार, जून 2025 में यमुना प्राधिकरण के अधिकारी ठकुराल बिल्डर को सेक्टर-29 स्थित नगला भटौना के पास भूमि पर कब्जा दिलाने पहुंचे थे। उस समय किसानों ने इसका कड़ा विरोध किया था। विरोध के बाद तत्कालीन एसडीएम शैलेंद्र सिंह ने किसानों को आश्वासन दिया था कि पहले एक वर्ष के भीतर किसानों को विकसित भूखंड उपलब्ध कराए जाएंगे, उसके बाद ही बिल्डर को कब्जा दिया जाएगा।

लेकिन वादे के एक वर्ष बीत जाने के बावजूद न तो किसानों को विकसित भूखंड दिए गए हैं और न ही आबादी का कोई समाधान किया गया है। इसके बावजूद प्राधिकरण द्वारा जबरन कब्जा दिलाने की कोशिशें जारी हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन सकती है। स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए किसानों ने शांतिपूर्ण ढंग से धरना-प्रदर्शन करते हुए प्राधिकरण को उसका वादा याद दिलाया। किसानों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि जब तक उन्हें उनका हक विकसित भूखंड नहीं मिल जाता, तब तक किसी भी सूरत में बिल्डर को भूमि पर कब्जा नहीं करने दिया जाएगा। इसी मांग को लेकर किसानों ने यमुना प्राधिकरण के नाम एक ज्ञापन एसडीएम जेवर दुर्गेश सिंह को सौंपा। इस दौरान इकपाल सिंह शिवाच, उदयवीर सिंह, वीरपाल सिंह, विपिन चौधरी, अमरपाल सिंह, जगबीर तेवतिया, सत्येंद्र सिंह, उमेश कुमार शर्मा, विनय चौधरी तथा दीपक सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

दो गज पीछे अभियान : पुलिस ने अतिक्रमण हटाते हुए लोगों को किया जागरूक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। बढ़ती गर्मी में सूरज की तपिश से सड़कों पर लोगों को बचाने के लिए पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ के आदेश पर गाजियाबाद के प्रत्येक थाना क्षेत्र में दो गज पीछे अभियान शुरू हो गया है। अभियान के तहत प्रत्येक थाना क्षेत्र में पुलिस बुलडोजर लेकर सड़कों से अतिक्रमण को हटा रही है, जिससे सड़कों पर जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं हो और लोग इस भीषण गर्मी में जाम में फंसकर गर्मी का शिकार नहीं बने। इसके अलावा पुलिसकर्मियों ने दुकानदारों से अपील कि वह अपनी दुकानों के बाहर अतिक्रमण नहीं होने दे और रोड पर लगने वाले वाहनों को गाइडलाइंस के मुताबिक पार्क करवाएं। इसके अतिरिक्त रेहडी पटरी वालों को भी अतिक्रमण नहीं करने के लिए जागरूक किया गया। सभी को समझाया गया कि सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण से यातायात बाधित होता है और आमजन को असुविधा

होती है। अभियान के दौरान दुकानदारों को अपनी दुकानें निर्धारित सीमा के भीतर रखने तथा फुटपाथ या सड़क पर सामान नहीं रखने के निर्देश दिए गए। अगर किसी ने भी नियमों की अवेहलना की तो उसके ऊपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान का उद्देश्य शहर को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाना है।

मोदीनगरः स्मार्ट मीटर के विरोध में महिलाओं का हंगामा, दिल्ली मेरठ मार्ग जाम

मोदीनगर (शिखर समाचार)। विद्युत विभाग द्वारा लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों के विरोध में शनिवार को सैकड़ों महिलाओं ने संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान जोरदार प्रदर्शन किया और उपजिलाधिकारी का घेराव किया। विरोध प्रदर्शन के बाद महिलाओं ने तहसील के सामने दिल्ली मेरठ मार्ग पर जाम लगा दिया, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। तहसील मुख्यालय पर आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह जनसमस्याएं सुन रहे थे। इसी दौरान बेगमाबाद, जगतपुरी और हनुमान पुरी समेत कई कॉलोनियों से बड़ी संख्या में महिलाएं नारेबाजी करती हुई वहां पहुंचीं और धरने पर बैठ गईं। प्रदर्शनकारी महिलाओं का आरोप था कि विद्युत विभाग बिना उनकी सहमति के जबरन स्मार्ट मीटर लगा रहा है। उनका कहना है कि इन मीटरों के लगने के बाद बिजली बिल में वृद्धि हुई है और कई तकनीकी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। काफी देर तक हंगामा और प्रदर्शन के बाद जब कोई ठोस समाधान नहीं निकला, तो महिलाएं सड़क पर उतर आईं और दिल्ली मेरठ मार्ग को जाम कर दिया। इस दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि उनके घरों से स्मार्ट मीटर नहीं हटाए गए तो वे स्वयं इन्हें उखाड़कर विद्युत विभाग के कार्यालय में फेंक देंगी। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और समझाकर महिलाओं को सड़क से हटाया, जिसके बाद यातायात बहाल हो सका। इसके बाद महिलाएं डबल स्टोरी स्थित विद्युत सब स्टेशन पहुंचीं, लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही अधिकारी वहां से जा चुके थे। इस मामले में उपजिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह ने कहा कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं की सहमति से ही लगाए जाने चाहिए। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे के समाधान के लिए बुधवार को उपभोक्ताओं और विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी।

शामली में विकास कार्यों को लेकर लखनऊ में उठी आवाज, मंत्रियों ने दिया आश्वासन

शामली।(शिखर समाचार) लघु उद्योग भारती के मंडल अध्यक्ष अंकित गोयल ने लखनऊ में लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री कुंवर बृजेश सिंह एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान से शिष्टाचार मुलाकात कर जनपद शामली से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री से मुलाकात के दौरान अंकित गोयल ने अवगत कराया कि पिछले वर्ष सहारनपुर तिराहे से कैराना बाईपास तक लगभग छह किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण परियोजना को विभागीय स्तर पर स्वीकृति मिल चुकी है। करीब 22.50 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना में हॉटमिक्स सड़क निर्माण, सड़क चौड़ीकरण तथा मध्य में डिवाइडर निर्माण शामिल है। उन्होंने बताया कि सभी आवश्यक विभागीय स्वीकृतियों के साथ यह प्रस्ताव शासन की वित्त समिति से भी पारित हो चुका है, लेकिन अब तक इसके लिए धनराशि जारी नहीं की गई है। इस पर मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने आश्वासन दिया कि आगामी सप्ताह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ प्रस्तावित लोक निर्माण विभाग की बैठक में इस सड़क परियोजना को प्रमुखता से उठाया जाएगा और शीघ्र स्वीकृति दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इसके उपरांत अंकित गोयल ने एमएसएमई मंत्री राकेश सचान से मुलाकात कर शामली इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट फंड के अंतर्गत स्वीकृत 5 करोड़ 1 लाख 90 हजार रुपये की धनराशि अब तक जारी न होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के लिए इस राशि का शीघ्र जारी होना अत्यंत आवश्यक है। इस पर मंत्री राकेश सचान ने भरोसा दिलाया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाएगा और धनराशि जल्द जारी करने के निर्देश दिए जाएंगे।

जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न, 200 शिकायतों में 9 का मौके पर निस्तारण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद गौतमबुद्धनगर की तहसील जेवर, दादरी एवं सदर में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान तीनों तहसीलों में कुल 200 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 9 का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित विभागों को समयबद्ध निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने तहसील जेवर में आयोजित समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का स्थलीय सत्यापन कर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। तहसील जेवर में 90 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 2 का मौके पर निस्तारण किया गया। वहीं तहसील दादरी में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अतुल कुमार की अध्यक्षता में 104 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 6 का मौके पर समाधान किया गया। तहसील सदर में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में 6 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 1 का निस्तारण मौके पर किया गया। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतों की स्वयं मौके पर जाकर जांच करें और पूरी संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ उनका निस्तारण सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार, उप जिलाधिकारी जेवर दुर्गेश सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण इंप्लाइज एसोसिएशन ने किया प्राधिकरण के चेयरमैन दीपक सिंह का गुलदस्ता देकर स्वागत

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में आयोजित महत्वपूर्ण बोर्ड बैठक के दौरान प्राधिकरण इंप्लाइज एसोसिएशन द्वारा प्राधिकरण के चेयरमैन दीपक सिंह का गुलदस्ता देकर भव्य स्वागत किया गया। यह स्वागत कार्यक्रम पूरे आयोजन का मुख्य आकर्षण रहा, जिसमें कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। शनिवार को आयोजित इस बैठक में विभिन्न विकास कार्यों और भविष्य की योजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उत्तर प्रदेश सरकार के अपर मुख्य सचिव एवं प्राधिकरण के चेयरमैन दीपक सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे। उनके आगमन पर प्राधिकरण के अधिकारियों और कर्मचारियों में खासा उत्साह देखने को मिला। इसी क्रम में प्राधिकरण इंप्लाइज एसोसिएशन के अध्यक्ष सोनू भड़ाना और उपाध्यक्ष रविन्द्र कसाना ने दीपक सिंह को गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। इस दौरान कर्मचारियों ने तालियों के साथ उनका अभिनंदन किया और उनके नेतृत्व में प्राधिकरण के विकास कार्यों को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई। बैठक के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को और सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया। साथ ही नागरिक सुविधाओं के विस्तार और नई योजनाओं को शीघ्र लागू करने पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में कर्मचारियों ने प्राधिकरण के अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके मार्गदर्शन में ग्रेटर नोएडा का विकास और अधिक गति पकड़ेगा।

डीसीपी धवल जायसवाल ने किया पुलिस लाइन्स का निरिक्षण, व्यवस्थाओं को बेहतर करने के दिए आदेश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। डीसीपी धवल जायसवाल ने शनिवार को पुलिस लाइन्स परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां पर ऑफीसर्स लाउन्ज, जिम, कैन्टीन और स्पोर्ट्स हॉल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को बेहतर व्यवस्था करने के आदेश दिए। इसी कड़ी में पुलिस लाइन्स परिसर में व्यवस्थाओं को बेहतर करने के लिए डीसीपी धवल जायसवाल पहुंचे, जहां उन्होंने सभी क्षेत्र और कक्षा का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं को मजबूत करने के आदेश दिए, जिससे पुलिस लाइन्स में रहने वाले पुलिसकर्मी और अधिकारियों को बेहतर व्यवस्था मिल सके। डीसीपी ने इसलिए निरिक्षण किया कि वहां पर रहने वाले पुलिस कर्मियों को सुविधाजनक वातावरण देते हुए अच्छा माहौल दिया जा सकें, जिससे वह एनर्जेटिक होते हुए पुलिसिंग को मजबूत कर सके। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए व्यवस्थाओं को जल्द से जल्द बेहतर करने के आदेश दिए।

नकली उत्पाद बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़, भारी मात्रा में ब्रांडेड सामान बरामद

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना धौलाना क्षेत्र में पुलिस ने नकली उत्पाद बनाने वाली एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। यह कार्रवाई कंपनी प्रतिनिधि आर्यन राघव की शिकायत पर की गई, जिन्होंने 'Gold Ripe' और 'FYK' ब्रांड के नकली उत्पाद बाजार में बेचे जाने की जानकारी दी थी।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना प्रभारी अवनीश शर्मा ने विशेष टीम का गठन किया। उप निरीक्षक वरुण कुमार गंगवार के नेतृत्व में टीम ने गांव रावली स्थित मॉडर्न एंटरप्राइजेज फैक्ट्री पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान फैक्ट्री मैनेजर अर्पित मोदी मौके पर मौजूद मिला। तलाशी के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में नकली सामान बरामद किया, जिसमें 'Gold Ripe' ब्रांड के 180 बक्से, करीब 69 हजार खाली प्लास्टिक पैकेट और 290 कार्टन शामिल हैं।

पुलिस ने सभी सामान जब्त कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि नकली उत्पादों का निर्माण और बिक्री एक गंभीर अपराध है, जिसमें कड़ी सजा का प्रावधान है।

कैला भट्टा में हुए विवाद के बाद हिंदू परिवार से मिलने पहुंचे विधायक नंदकिशोर गुर्जर

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कैला भट्टा में हुए विवाद के बाद लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर हिंदू परिवार से मिलने के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पथराव में घायल पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि जो भी इस प्रकरण में दोषी है, उसे सख्त से सख्त सजा दिलवाई जाएगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के अंदर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में पुलिसिंग को बेहतर किया जा रहा है। अगर उत्तर प्रदेश के अंदर कहीं भी कोई घटना होती है तो पुलिस आरोपी को सजा दिलवाते हुए पीड़ित को न्याय दिलवा रही है। कैला भट्टा में हुए पथराव के दौरान पुलिस ने समय से मौके पर पहुंचते हुए स्थिति को नियंत्रित किया। वहीं इस घटना से

जुड़े कई लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस इस पूरे मामले में विशेष जांच कर रही है और जो भी इस मामले का आरोपी मिलेगा, उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी। गाजियाबाद के किसी भी इलाके में इस तरह की घटना दोबारा नहीं हो इसके लिए पुलिस अधिकारियों से लगातार बातचीत की जा रही है और उन्हें कठोर कार्यवाही करने के लिए कहा गया है, जिससे कोई भी असामाजिक तत्व क्षेत्र का माहौल नहीं बिगाड़ सके।

शामली में टीचर्स अवॉर्ड सेरेमनी, शिक्षकों का हुआ सम्मान

शामली (शिखर समाचार)। लायंस ओलंपियाड संस्था की ओर से सेंट आरसी कॉन्वेंट स्कूल में आयोजित टीचर्स अवॉर्ड सेरेमनी में शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट सहयोग और योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका चेयरमैन अरविंद संगल ने कहा कि लायंस ओलंपियाड संस्था द्वारा शिक्षकों को सम्मानित करना एक सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। उनकी मेहनत और समर्पण से विद्यार्थी न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सफलता प्राप्त करते हैं।

उन्होंने कहा कि मां के बाद शिक्षक ही ऐसे मार्गदर्शक होते हैं, जो अपने निस्वार्थ समर्पण और सहयोग से बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव

को मजबूत करते हैं। इस तरह के सम्मान शिक्षकों को और अधिक प्रेरित करते हैं, जिससे वे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करने के लिए प्रोत्साहित होते हैं।

कार्यक्रम में लायंस ओलंपियाड प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग देने वाले शिक्षकों अरविंद चौधरी, आरिफ हुसैन, अभिषेक वर्मा, ललित, पंकज गोयल, अनुपम मित्तल, मनीष मित्तल, निकिता जैन, रिया मित्तल, संचिता, रजनी पाल, ऋषिका चौहान, प्रिया सिंघल, आयुषी सिंघल, कविता संगल, हिमांशी सैनी, नेहा कंबोज एवं ऋतिक को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या उजमा जैदी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

मौसम का बदलता मिजाज और तैयारी की कसौटी पर प्रशासन

मई का महीना आमतौर पर भीषण गर्मी, लू और सूखे का प्रतीक माना जाता रहा है, लेकिन वर्ष 2026 में मौसम ने अपने पारंपरिक स्वरूप से अलग एक असामान्य रुख अपनाया है। 1 मई के आसपास उत्तर प्रदेश सहित देश के कई हिस्सों में हुई बारिश के बाद भले ही कुछ समय के लिए मौसम शांत हुआ हो, परंतु भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की ताजा चेतावनियों ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। आने वाले सात दिनों में झारखंड, बिहार, ओडिशा, उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों में तेज आंधी, गरज चमक और भारी वर्षा का अनुमान जताया गया है। इतना ही नहीं, तीन से छह मई के बीच पहाड़ी क्षेत्रों, उत्तर पश्चिमी मैदानी इलाकों और मध्य भारत में भी ओलावृष्टि और 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से आंधी चलने की संभावना है। यह स्थिति केवल मौसम की खबर भर नहीं, बल्कि बदलते जलवायु संतुलन और हमारी तैयारियों की एक गंभीर परीक्षा है।

बीते कुछ वर्षों में यह स्पष्ट रूप से देखा गया है कि मौसम का पैटर्न तेजी से बदल रहा है। जहां पहले मानसून के अलावा इतनी व्यापक और तीव्र वर्षा की कल्पना कम ही की जाती थी, वहीं अब प्री-मानसून अवधि में भी अचानक भारी बारिश और आंधी तूफान सामान्य होते जा रहे हैं। वैज्ञानिक इसे जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रभाव मानते हैं। तापमान में असामान्य वृद्धि, समुद्री सतह के तापमान में बदलाव और वायुमंडलीय दबाव की अनिश्चितता ने मौसम की स्थिरता को चुनौती दी है। इसका सीधा असर कृषि, जनजीवन और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

इस समय देश का बड़ा हिस्सा गेहूं की कटाई और भंडारण के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में अचानक होने वाली बारिश और ओलावृष्टि किसानों के लिए किसी आपदा से कम नहीं है। खेतों में खड़ी या कटकर रखी फसलें नष्ट हो सकती हैं, जिससे किसानों की मेहनत पर पानी फिर जाता है। इसके अलावा, तेज आंधी और बिजली गिरने की घटनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में जान माल के नुकसान का कारण बनती हैं। शहरी क्षेत्रों में भी हालात बेहतर नहीं हैं तेज हवाओं से पेड़ उखड़ना, बिजली आपूर्ति बाधित होना, जलभराव और ट्रैफिक जाम जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। ऐसे परिदृश्य में सबसे बड़ा सवाल प्रशासनिक तैयारियों को लेकर उठता है। क्या हमारे राज्य और जिला स्तर के प्रशासन इस तरह के अचानक बदलते मौसम से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं? सकारात्मक पक्ष यह है कि मौसम विभाग की ओर से समय रहते चेतावनियां जारी की जा रही हैं और राज्यों को अलर्ट किया गया है। कई राज्यों में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सक्रिय हो गए हैं। जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि वे संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करें, राहत और बचाव दलों को तैयार रखें तथा आम जनता तक समय पर सूचना पहुंचाएं। उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में स्थानीय प्रशासन ने कंट्रोल रूम सक्रिय कर दिए हैं। बिजली विभाग को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं ताकि आंधी तूफान के दौरान होने वाली बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थिति को जल्द से जल्द सुधारा जा सके। नगर निगमों और पंचायत स्तर पर नालों की सफाई, जलभराव वाले क्षेत्रों की पहचान और पेड़ों की छंटाई जैसे कार्यों पर जोर दिया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग को भी अलर्ट पर रखा गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

~ मौलिक चिंतन ~

अगर कोई व्यक्ति अपनी प्रशंसा चाहता है, तो इसका अर्थ है कि वह प्रशंसा के योग्य नहीं है।

~~~~~~~~

© विनय संकोची

स्वतंत्र मीडिया लोकतंत्र की सेहत का आईना

सौरभ वार्ष्णेय

प्रत्येक वर्ष 3 मई को पूरे विश्व में प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सेहत का आईना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक मीडिया किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। प्रेस की आजादी सिर्फ पत्रकारों का अधिकार नहीं, बल्कि नागरिकों के जानने के अधिकार का विस्तार है। वहीं रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स द्वारा जारी 2026 विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 180 देशों में 157 वें स्थान पर है। पिछले वर्ष (2025) के 151वें स्थान की तुलना में यह छह पायदान की गिरावट है। भारत में पत्रकारों के खिलाफ हिंसा, मीडिया के केंद्रीकृत स्वामित्व और राजनीतिक दबाव के कारण यह रैंकिंग बेहद गंभीर श्रेणी में है।

आज जब दुनिया तेजी से डिजिटल होती जा रही है, सूचना का प्रवाह पहले से कहीं अधिक तेज और व्यापक हो गया है। लेकिन इसी के साथ प्रेस की स्वतंत्रता पर नए प्रकार के खतरे भी मंडरा रहे हैं। फेक न्यूज, ट्रोल संस्कृति, सत्ता का दबाव, कॉरपोरेट हितों का प्रभाव और पत्रकारों की सुरक्षा जैसे मुद्दे गंभीर चुनौती बनकर उभरे हैं। कई देशों में पत्रकारों को सच्चाई उजागर करने की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है–यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए चिंताजनक है।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यहां प्रेस न केवल सत्ता की निगरानी करता है, बल्कि समाज के हाशिए पर खड़े लोगों की आवाज भी बनता है। हालांकि, हाल के वर्षों में यह बहस तेज हुई है कि क्या मीडिया अपनी स्वतंत्रता और निष्पक्षता को बनाए रखने में पूरी तरह सफल है? गोडी मीडिया जैसे शब्दों का प्रचलन इस चिंता को दर्शाता है कि कहीं न कहीं मीडिया का एक वर्ग सत्ता के अधिक निकट जाता दिख रहा है।

प्रेस की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि वह बिना जिम्मेदारी के कार्य करे। स्वतंत्रता के साथ जवाबदेही भी जुड़ी होती है। पत्रकारिता का मूल धर्म सत्य की खोज, तथ्यों की पुष्टि और निष्पक्ष प्रस्तुति है। जब मीडिया सनसनीखेजता या पक्षपात की ओर झुकता है, तो वह अपने ही अस्तित्व को कमजोर करता है।

इस अवसर पर सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे पत्रकारों को सुरक्षित और स्वतंत्र वातावरण प्रदान करें, जहां वे बिना भय के अपना कार्य कर सकें। वहीं, मीडिया संस्थानों को भी आत्ममंथन करना होगा कि वे व्यावसायिक दबावों से ऊपर उठकर जनहित को प्राथमिकता दें। लोकतंत्र को जीवित रखना है, तो उसकी आवाज को स्वतंत्र रखना ही होगा। यह केवल एक विचार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल सिद्धांत है। लोकतंत्र किसी भवन की तरह है, जिसकी नींव जनता की भागीदारी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर टिकी होती है। यदि इस अभिव्यक्ति पर अंकुश लगाया जाए, तो लोकतंत्र का ढांचा धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। स्वतंत्र आवाज केवल मीडिया तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक के विचार, प्रश्न और असहमति को व्यक्त करने के अधिकार का प्रतीक है। जब नागरिक बिना भय के अपनी बात कह पाते हैं, तभी सरकारें जवाबदेह बनती हैं और नीतियों में पारदर्शिता आती है। इसके विपरीत, जब आवाजों को दबाया जाता है, तो सत्ता निरंकुशता की ओर बढ? लगती है।आज के समय में यह चुनौती और भी जटिल हो गई है। एक ओर डिजिटल प्लेटफॉर्म ने अभिव्यक्ति के नए अवसर दिए हैं, वहीं दूसरी ओर दुष्प्रचार, ट्रोलिंग और सेंसरशिप जैसी प्रवृत्तियां भी सामने आई हैं। ऐसे में संतुलन बनाना आवश्यक है–जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनी रहे, वहीं जिम्मेदारी और सत्यनिष्ठा भी सुनिश्चित हो।लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता; यह निरंतर संवाद, आलोचना और विचार-विमर्श की प्रक्रिया है। इसलिए जरूरी है कि हम न केवल अपनी आवाज को स्वतंत्र रखें, बल्कि दूसरों की आवाज को सुनने और सम्मान देने की संस्कृति भी विकसित करें। लोकतंत्र की मजबूती इस बात पर निर्भर करती है कि उसकी आवाज कितनी स्वतंत्र, निष्पक्ष और सशक्त है। यदि यह आवाज जीवित और निर्भीक है, तो लोकतंत्र भी जीवित और सशक्त रहेगा।

प्रेस की स्वतंत्रता केवल कानूनों से नहीं, बल्कि समाज की जागरूकता और समर्थन से भी सुरक्षित रहती है। जब नागरिक सच को महत्व देंगे और निष्पक्ष पत्रकारिता का साथ देंगे, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस हमें यही संदेश देता है–अगर लोकतंत्र को जीवित रखना है, तो उसकी आवाज को स्वतंत्र रखना ही होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है। यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अर्बन हीट आइलैंड का असरः क्यों तप रहे हैं भारत के शहर

सुनील कुमार महला

भारतः100 में 95 शहर सबसे गर्म...

ग्लोबल वार्मिंग आज पूरी दुनिया के सामने एक गंभीर समस्या के रूप में उभर रही है और इसका प्रभाव भारत में बेहद स्पष्ट और चिंताजनक रूप से दिखाई दे रहा है। हाल ही में जारी रियल-टाइम वैश्विक तापमान रैंकिंग के अनुसार, दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में से 95 शहर अकेले भारत के हैं, जबकि टॉप-20 सबसे गर्म शहरों में 19 भारत के ही शामिल हैं। यह स्थिति बताती है कि देश इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अप्रैल माह में ही देश के कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है और मध्य भारत से लेकर गंगा के मैदानी क्षेत्रों तक अनेक शहरों में लू का प्रकोप देखने को मिल रहा है। कई स्थानों पर तापमान 45त्उ के करीब दर्ज किया गया है। इस सूची में केवल बड़े महानगर ही नहीं, बल्कि छोटे कस्बे भी शामिल हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि गर्मी का प्रभाव व्यापक और गहराई तक फैल चुका है। महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्य सबसे अधिक प्रभावित हैं, जहां के कई शहर वैश्विक सूची में प्रमुखता से दर्ज हैं। मौसम संबंधी रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा इस समय हाई हीट रिस्क जोन में है, जबकि सामान्यतः अफ्रीका और अरब देशों को दुनिया का सबसे गर्म क्षेत्र माना जाता था, लेकिन अब भारत के शहर उन्हें भी पीछे छोड़ते नजर आ रहे हैं।

वास्तव में आज के समय में भारत के शहर तेजी से अर्बन हीट आइलैंड में बदलते जा रहे हैं, जहां कंक्रीट, डामर और कांच से बनी इमारतें दिनभर गर्मी को सोखती हैं और रात में धीरे-धीरे छोड़ती हैं, जिससे तापमान कम नहीं हो पाता। मुंबई, दिल्ली, गुरुग्राम, लखनऊ, कानपुर, बेंगलुरु, कटक, जयपुर और भोपाल जैसे शहर इस प्रभाव की चपेट में तेजी से आ रहे हैं। मकानों की सीमेंट की छतें और घनी बस्तियां भी गर्मी को बढ़ाने में योगदान दे रही हैं। एक उपलब्ध आंकड़े के अनुसार, पिछले एक दशक में वार्म नाइट्स यानी गर्म रातों में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2025 में ही फरवरी के अंत तक रात के तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। वर्तमान स्थिति यह है कि देश के 266 जिले अत्यंत गंभीर गर्मी की श्रेणी में, 151 जिले गंभीर श्रेणी में और 201 जिले मध्यम श्रेणी में आ चुके हैं, जो स्थिति की भयावहता को दशार्ता है।

यदि कारणों की बात करें तो भारत में ग्लोबल वार्मिंग केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानवीय गतिविधियों का परिणाम है। इसके प्रमुख कारणों में कोयला, पेट्रोल और डीजल जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, तेजी से बढ़ता शहरीकरण और कंक्रीट का विस्तार, वनों की अंधाधुंध कटाई, बढ़ता औद्योगीकरण और प्रदूषण, परिवहन क्षेत्र का तेजी से विस्तार, विलासितापूर्ण जीवनशैली, कृषि गतिविधियों से उत्सर्जन, कचरा और प्लास्टिक प्रबंधन की समस्या तथा तेजी से बढ़ती जनसंख्या शामिल हैं। स्पष्ट है कि ये सभी कारक मिलकर तापमान वृद्धि को और तेज कर रहे हैं।

हाल फिलहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव आज पूरी दुनिया में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। इसके कारण पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे भीषण गर्मी, अनियमित वर्षा और सूखा जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं। हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं, जिसके कारण समुद्र स्तर बढ़ रहा है और तटीय क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा, जैव विविधता पर भी गंभीर असर पड़ रहा है, कई प्रजातियाँ विलुप्त होने के कगार पर हैं। मानव स्वास्थ्य, कृषि उत्पादन और जल संसाधनों पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, जिससे यह एक वैश्विक संकट बन चुका है।

अंततः, यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। इस समस्या को कम करने के लिए सौर और पवन ऊर्जा जैसे स्वच्छ स्रोतों को अपनाना, वृक्षारोपण को बढ़ावा देना, वनों की कटाई रोकना, निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन या साइकिल का उपयोग करना, बिजली और पानी की बचत करना, प्लास्टिक का सीमित उपयोग करना और कचरे का सही प्रबंधन करना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही, पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है। सामूहिक प्रयासों से ही इस बढ़ती हुई चुनौती का समाधान संभव है और भविष्य को सुरक्षित बनाया जा सकता है।

धर्म शासित ईरान की सामरिक-आक्रामक तैयारी व बढ़ती सैन्य क्षमता गैर इस्लामिक देशों के लिए नसीहत है, कैसे?

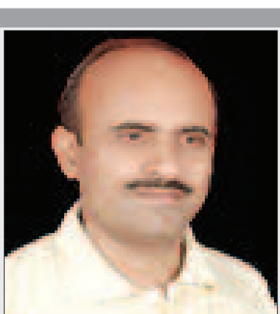

कमलेश पांडेय

मिसाइल, ड्रोन और प्रॉक्सी का संयुक्त मॉडल ही ईरानी सफलता का सूत्र है, क्योंकि ईरान ने केवल अपनी सेना पर निर्भर रहने के बजाय क्षेत्रीय नेटवर्क तैयार किया–हिजबुल्लाह, हूती और अन्य सहयोगी समूहों के माध्यम से उसने बहु-स्तरीय दबाव बनाया। यह "Hybrid Warfare" का आधुनिक मॉडल है।

भारत के निकटम पड़ोसी देश ईरान की सामरिक और आक्रामक तैयारी पूरी भारत-इजरायल समेत पूरी दुनिया के लिए नसीहत बन गई है, क्योंकि उसने सीमित संसाधनों और भारी पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद 'असममित युद्ध' (Asymmetric Warfare) की ऐसी क्षमता विकसित कर ली, जिसने अमेरिका, इजराइल और पश्चिमी सैन्य गठबंधनों को भी नई रणनीति बनाने और उससे आगे की सोचने पर मजबूर कर दिया है। यदि समय रहते इसकी काट विकसित नहीं की गई, तो अरब देशों पर अमेरिका के बाद चीन की पकड़ मजबूत होगी, क्योंकि उसके साथ ईरान का सहयोगी रूस भी खड़ा है।

वहीं, इस्लामिक मुल्क के नाम पर मुस्लिम देशों का अंदरूनी झुकाव भी उसकी ओर है, जिससे रूसी मित्रता और चीनी छल की चक्की में भारत के पिसने के आसार प्रबल हैं। अनुभव बताता है कि ईरान अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान और अफगानिस्तान पर ज्यादा भरोसा करता है और इस्लामिक नाटो का पक्षधर भी है, इसलिए ईरान के मामले में भारत की जरा सी रणनीतिक लापरवाही उसे चीनी चक्रब्यूह में घिरे अभिमन्यु वाली कर देगी, क्योंकि भारत की हिन्दू विरोधी मुस्लिम राजनीति के आर्थिक स्रोत भी इस्लामिक मुल्कों से ही जुड़े बताए जाते हैं।

पहले ईरान से भारत-इजरायल समेत शेष दुनिया को मिलने वाली प्रमुख सामरिक सीखें निम्नलिखित हैं–

पहला, आत्मनिर्भर सैन्य उत्पादन सबसे बड़ी ताकत है क्योंकि ईरान ने दशकों के प्रतिबंधों के बावजूद अपने मिसाइल, ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तंत्र को घरेलू स्तर पर विकसित किया। आज उसके पास मध्य-पूर्व का सबसे बड़ा बैलिस्टिक मिसाइल भंडार माना जाता है। चूंकि वहां के लोग ज्यादा पढ़े लिखे होते हैं और ईरान ने लोकतंत्र की बजाय समानांतर कट्टर धार्मिक तंत्र विकसित कर लिया, जिससे भारत को अवश्य सीखने की जरूरत है। क्योंकि ईरान की इस नीति का संदेश स्पष्ट है- 'जो देश रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर होगा, वही लंबे संघर्ष में टिकेगा।'

दूसरा, ड्रोन युद्ध ने युद्ध की परिभाषा ही बदल दी है, क्योंकि ईरान ने कम लागत वाले ड्रोन को 'रणनीतिक हथियार' बना दिया। उसने दिखाया कि हजारों करोड़ की एयर डिफेंस प्रणाली को सस्ते ड्रोन झुंड (swarm) से भी चुनौती दी जा सकती है। इसलिए आज अमेरिका तक स्वीकार कर रहा है कि महंगे इंटरसेप्टर मिसाइलों के मुकाबले सस्ते ड्रोन "Cost Imbalance" पैदा कर रहे हैं।

तीसरा, युद्ध केवल हथियार नहीं, 'धैर्य' से जीता जाता है, यही बात ईरान ने दुनिया को सिखलाया है। जिस तरह से उसने अमेरिका-इजरायल के यौद्धिक गुरूर को तोड़ा है, वह शोध का विषय है, क्योंकि रूस-चीन के नैतिक मदद से उसने यह सफलता हासिल की है। ईरान ने प्रत्यक्ष युद्ध से अधिक 'लंबी थकाऊ लड़ाई' (War of Attrition) की रणनीति अपनाई। उसका उद्देश्य तत्काल जीत नहीं, बल्कि विरोधी की आर्थिक, सैन्य और मनोवैज्ञानिक क्षमता को थकाना रहा। यह आधुनिक युद्ध की नई वास्तविकता है–

'हर युद्ध Blitzkrieg नहीं होता; कई युद्ध विरोधी को थकाकर जीते जाते हैं।'

चौथा, कमांड सिस्टम का बैकअप अत्यंत जरूरी होता है, ताकि भारी हमलों और शीर्ष कमांडरों के मारे जाने के बावजूद ईरान का सैन्य कमांड ढांचा पूरी तरह ध्वस्त नहीं हुआ। उसने पहले से वैकल्पिक नेतृत्व और विकेंद्रीकृत कमांड संरचना तैयार कर रखी थी। यह हर राष्ट्र के लिए बड़ा संदेश है कि–'युद्ध में नेतृत्व का विकल्प पहले से तैयार होना चाहिए।'

पांचवां, मिसाइल, ड्रोन और प्रॉक्सी का संयुक्त मॉडल ही ईरानी सफलता का सूत्र है, क्योंकि ईरान ने केवल अपनी सेना पर निर्भर रहने के बजाय क्षेत्रीय नेटवर्क तैयार किया– हिजबुल्लाह, हूती और अन्य सहयोगी समूहों के माध्यम से उसने बहु-स्तरीय दबाव बनाया। यह "Hybrid Warfare" का आधुनिक मॉडल है।

छठा, समुद्री मार्गों पर नियंत्रण की शक्ति विकसित करके आक्रमणकारियों को तोड़ना ईरानी दूरदर्शिता का ही तकाजा है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का प्रभाव पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित करता है। इसी कारण अमेरिका और पश्चिम लगातार उस क्षेत्र में सैन्य उपस्थिति बढ़ाते रहे हैं। इससे यह सिद्ध होता है–'भूगोल भी उतना ही बड़ा हथियार है जितना मिसाइल।'

सातवां, तकनीकी युद्ध में सस्ता हथियार भी निर्णायक होता है, यह ईरान ने साबित कर दिया है। ईरान ने दिखाया कि हर युद्ध अत्याधुनिक स्टील्थ फाइटर से नहीं जीता जाता। कभी-कभी सस्ती, तेज और बड़ी संख्या में उपलब्ध तकनीक अधिक प्रभावी होती है।

निष्कर्षतः ईरान की तैयारी गैर इस्लामिक दुनिया को यह सिखाती है कि आधुनिक युद्ध केवल परमाणु बम या महंगे लड़ाकू विमानों से नहीं लड़े जाते। आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन, ड्रोन तकनीक, मिसाइल क्षमता, साइबर-रणनीति, वैकल्पिक नेतृत्व और मनोवैज्ञानिक युद्ध–ये सब मिलकर किसी राष्ट्र को सामरिक शक्ति बनाते हैं। इसीलिए आज अमेरिका, इजराइल, रूस, चीन और भारत समेत दुनिया की बड़ी सैन्य शक्तियां भी 'ईरानी मॉडल' का गंभीर अध्ययन कर रही हैं।

एक बात और, ईरान के सामरिक मॉडल से भारत के लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि केवल पारंपरिक सैन्य शक्ति पर्याप्त नहीं होती; दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए 'बहुस्तरीय राष्ट्रीय प्रतिरोध क्षमता' विकसित करनी पड़ती है। विशेषकर तब, जब भारत को दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद, कट्टरपंथ और चीन-पाकिस्तान जैसे सामरिक गठबंधनों का सामना करना पड़ रहा हो।

हालांकि यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि 'इस्लामिक देश' एक समान इकाई नहीं हैं। भारत के कई इस्लामी देशों–जैसे संयुक्त अरब अमीरात (UAE), सऊदी अरब, इंडोनेशिया और कतर–से मजबूत रणनीतिक और आर्थिक संबंध हैं। भारत की मुख्य सुरक्षा चुनौती कुछ कट्टरपंथी नेटवर्क, आतंकवादी संरचनाओं और शत्रुतापूर्ण राज्य-नीतियों से रही है, न कि सम्पूर्ण इस्लामी विश्व से।

भारत के लिए प्रमुख सबक इस प्रकार हैं–

पहला, आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन ही निर्णायक सुरक्षाः ईरान ने प्रतिबंधों के बावजूद अपने ड्रोन, मिसाइल और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तंत्र विकसित किए। भारत के लिए इसका अर्थ है कि विदेशी हथियारों पर अत्यधिक निर्भरता घटानी होगी। 'आत्मनिर्भर भारत' को केवल नारा नहीं, बल्कि युद्धकालीन औद्योगिक क्षमता बनाना होगा।

दूसरा, सस्ते ड्रोन बनाम महंगी सुरक्षाः ईरान ने दिखाया कि कम लागत वाले ड्रोन भी महंगी एयर डिफेंस प्रणाली को चुनौती दे सकते हैं। भारत को सीमा सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी अभियानों और समुद्री निगरानी के लिए बड़े पैमाने पर स्वदेशी ड्रोन नेटवर्क बनाना होगा।

तीसरा, 'मोजेक डिफेंस' मॉडलः ईरान की विकेंद्रीकृत सैन्य संरचना–जहां शीर्ष नेतृत्व पर हमला होने के बाद भी स्थानीय इकाइयाँ लड़ती रहती हैं–भारत के लिए महत्वपूर्ण संकेत है। भारत को भी साइबर, सीमा, वायु और समुद्री मोर्चों पर ऐसी बहुस्तरीय कमांड संरचना विकसित करनी होगी जो अचानक हमले में भी सक्रिय रहे।

चौथा, केवल सीमा नहीं, 'मनोवैज्ञानिक युद्ध' भीः आधुनिक संघर्ष अब केवल बंदूक और मिसाइल का नहीं, बल्कि सूचना और नैरेटिव का भी है। भारत को फेक न्यूज, साइबर-प्रोपेगेंडा और धार्मिक कट्टरता आधारित डिजिटल अभियानों से निपटने के लिए राष्ट्रीय सूचना सुरक्षा ढांचा मजबूत करना होगा।

पांचवां, लंबी लड़ाई की तैयारीः ईरान ने दिखाया कि "War of Attrition" यानी विरोधी को धीरे-धीरे थकाना भी रणनीति हो सकती है। भारत को सीमित अवधि के युद्ध की सोच से आगे जाकर लंबे संघर्ष, आपूर्ति श्रृंखला और गोला-बारूद भंडारण की तैयारी करनी होगी।

छठा, ऊर्जा सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा हैः यदि पश्चिम एशिया में बड़ा युद्ध होता है, तो भारत की तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इसलिए सामरिक तेल भंडार, वैकल्पिक ऊर्जा और समुद्री मार्ग सुरक्षा भारत के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

सातवां, 'संयुक्त युद्ध' की तैयारीः आज युद्ध भूमि, समुद्र और आकाश तक सीमित नहीं है; साइबर, स्पेस और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र भी युद्धक्षेत्र बन चुके हैं। भारत को थिएटर कमांड, AI आधारित निगरानी और संयुक्त सैन्य संचालन को तेज करना होगा।

आठवां, राष्ट्रीय एकता सबसे बड़ी सुरक्षाः ईरान के उदाहरण से यह भी स्पष्ट हुआ कि बाहरी दबाव के समय आंतरिक सामाजिक एकता निर्णायक होती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण राष्ट्र में सांप्रदायिक विभाजन, राजनीतिक ध्रुवीकरण और सामाजिक अविश्वास राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर कर सकते हैं।

निष्कर्षतया यह कहा जा सकता है कि भारत के लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि भविष्य का युद्ध केवल सेना नहीं, बल्कि पूरा राष्ट्र लड़ता है–तकनीक, अर्थव्यवस्था, साइबर क्षमता, ऊर्जा सुरक्षा, सामाजिक एकता और मनोवैज्ञानिक दृढ़ता–सब मिलकर राष्ट्रीय शक्ति बनाते हैं। ईरान ने दुनिया को यह दिखाया कि सीमित संसाधनों वाला राष्ट्र भी यदि आत्मनिर्भर, संगठित और रणनीतिक रूप से धैर्यवान हो, तो वह कहीं बड़ी शक्तियों को भी लंबे समय तक चुनौती दे सकता है।

~~~~~~~~

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

उड़ते पंछी के परों का इंद्रधनुष

पंछियों को उड़ने के लिए पंखों का तोहफा देने वाले नेचर ने वाकई अद्भुत कारीगरी दिखाई है। आओ इन पंखों को जानें और करीब से।

पर, पर हैं क्या?

पंख, पर या फैदर्स असल में पंछियों की ऊपरी त्वचा यानी स्किन पर उगने और उसे कवर करने वाली संरचना होते हैं। साइंस की भाषा में कहा जाए तो यह एपिडर्मिस के ऊपर होने वाली ग्रोथ है। साइंस यह भी कहता है कि रेप्टाइल्स के शरीर पर पाए जाने वाले स्केल्स ही असल में पक्षियों के शरीर पर पंखों के रूप में विकसित हुए हैं। पंछियों के अलावा ये कुछ अन्य प्राणियों के शरीर पर भी पाए जाते हैं। वहां इनका रूप भी अलग हो सकता है। पंख भी नाखून और बालों की ही तरह कैराटिन नाम के प्रोटीन से बनते हैं।

उड़ो और बचो भी

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

रंगों का मजेदार विज्ञान

पंछियों के पर क्रिएटिविटी के मामले में भी प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी होते हैं। रंग-बिरंगे इंद्रधनुष से ये पंख वाकई इंद्रधनुष सी ही काबिलियत रखते हैं। तुम्हें ये जानकर और भी आश्चर्य होगा कि फैदर्स में इंद्रधनुष के सारे रंग होते हैं। इनमें से ज्यादातर रंग एक खास पिगमेंट के कारण बनते हैं। यह क्रिया ठीक ऐसे ही होती है जैसे खाना बनाते समय फूड कलर्स को यूज करने पर होती है। जैसे कि जब तुम किसी पकवान में लाल या पीला रंग मिलाते हो तो वो लाल या पीले रंग का हो जाता है। ठीक उसी तरह पंखों में भी जिस रंग का पिगमेंट मौजूद होता है वो उसी रंग के नजर आते हैं। यहां एक रोचक बात यह है कि इंद्रधनुष के बाकी प्रायमरी कलर्स के पिगमेंट तो फैदर्स में होते हैं लेकिन नीले रंग का कोई पिगमेंट नहीं होता। तो फिर 'नीलकंठ' जैसे पंछी के पंखों का रंग कहां से आता है? इसके पीछे भी विज्ञान काम करता है। नीले रंग के मामले में प्रकृति द्वारा बनाई पंख की संरचना मुख्य काम करती है। नीले रंग के पंखों का आकार और संरचना इस तरह की होती है कि जब प्रकाश इस पर पड़ता है तब यह पंख केवल नीले रंग को ही हमारी आंखों पर रिफ्लेक्ट या परावर्तित करता है। यहां यह भी याद रखना कि साधारण प्रकाश में इंद्रधनुष के सारे रंग छुपे होते हैं लेकिन नीले पंखों की डिजाइन ऐसी होती है कि वो हमारी आंखों तक केवल नीला रंग ही पहुंचाता है।

एक्सपेरिमेंट

एक नीले रंग का पंख लेकर उस पर ऊपर की तरफ से फ्लैशलाइट डालो। इससे तुम्हें चमकता हुआ नीला रंग दिखाई देगा। अब इसी लाइट को फैदर के अंदर की तरफ से डालो। नीला रंग गायब हो जाएगा। मगर यही एक्सपेरिमेंट जब तुम लाल या पीले या अन्य किसी रंग के पंख के साथ करोगे तो तुम्हें किसी भी डायरेक्शन से सेम कलर ही दिखाई देगा। है ना ये नेचर का मैजिक।

हरे रंग का जादू

अब इसी तरह पंखों के हरे जादू को भी समझो। यहां भी रोचक बात यह है कि नेचर ने केवल एक ही पक्षी 'टरकॉइज' के पंखों में हरे रंग का पिगमेंट दिया है। तो फिर बाकी के हरे रंगों वाले पंख पंछियों के पास कैसे होते हैं? तो बाकी सारे हरे रंग के पक्षी असल में हरे रंग को दिखाने के लिए अपने पास मौजूद पीले रंग के पिगमेंट और ब्लू वेवलेंथ्स का कॉम्बीनेशन यूज में लाते हैं। अब नीले और पीले रंग को मिलाने पर हरा रंग बनता है ये सब जानते ही हैं।

बचाओ पंख और पक्षी भी

ये जाहिर सी बात है कि पंख किसी पक्षी के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन कुछ लोग इस बात को नहीं समझते और खूबसूरत पंखों के लिए पंछियों को मार देते हैं। दुनियाभर में इसके लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं ताकि निर्दोष पक्षियों को नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके। हां, अगर जमीन पर गिरे पंख इकट्ठे करके कोई अपने पास रखे तो कोई बात नहीं।

रोचक बातें पंखों की

पंख पंछियों के नाजुक शरीर की रक्षा का काम करते हैं। कुछ पंछी तो ऐसे भी हैं जिनके नन्हे पंख उनके लिए आइलैशेज का भी काम करते हैं। उल्लू जैसे कुछ पक्षियों के पंख उनके लिए प्रोटेक्टिव शॉल का भी काम करते हैं और दुश्मनों की नजर से उन्हें पूरी तरह छुपा देते हैं। बर्फ में रहने वाले पंछियों के पैरों में भी पंख होते हैं और वे उनके लिए स्नो शूज का काम करते हैं। ये ठंड के साथ-साथ उन्हें बर्फ में ग्रिप बनाए रखने में भी मदद करते हैं। कुछ पक्षी अपने पंखों से आवाज भी करते हैं। ये आवाज पंखों से गुजरने वली हवा के कारण पैदा होती है।

ध्यान से सुनो हर बात

कई बार तुम्हें कक्षा में सुनने का मिलता है कि तुम ध्यान से सुन नहीं रहे हो। ध्यान से सुनो। सुनोगे नहीं तो बात समझ में नहीं आएगी।

कभी तुमने सोचा है कि समझने के लिए सुनना क्यों जरूरी है? क्यों अक्सर हम कहते हैं कि ध्यान से सुनना चाहिए। अगर अच्छे वक्ता बनना चाहते हो तो सुनने की आदत डालनी चाहिए। इससे हमारे बोलने के तौर-तरीके भी सुधरते हैं। हमें मालूम पड़ता है कि इस बात को और कैसे सुंदर तरीके से बोला जा सकता है। सुनने की आदत डालने से बोलने की कला भी विकसित होती है। जब भी कक्षा में या कहीं भी कोई वक्ता बोल रहा होता है तो ध्यान से उसे सुनना भी एक कला है। अगर तुम चाहते हो कि बोलने वाले की बात को काटना है या तर्क करना है तो उसके लिए बोलने वाले की हर बात को ध्यान से सुनना बेहद जरूरी है, वरना बोलने वाला कह सकता है कि मैंने तो ऐसा कहा ही नहीं। आपने ठीक से मेरी बात नहीं सुनी। इस आरोप से तभी बचा जा सकता है, जब तुम कहने वाले की बात को गौर से सुनोगे। सुनने से दूसरों के विचारों को जाना जा सकता है। इससे तुम्हारे ज्ञान में वृद्धि होती है।

कैसे और कितना सुनो?

सुनने के लिए जरूरी है कि एक बोलने वाला भी हो। वह किस विषय पर किस गंभीरता से बोल रहा है, यह भी जरूरी है। सुनने वाले की रुचि की बात की जाए तो सुनने वाले का ध्यान खुद ब खुद बोलने वाले की ओर चला जाता है। कई बार बोलने वाले की सुस्तता की वजह से भी सुनने वाले को अच्छा नहीं लगता। जब तुम कक्षा में बैठे हो तो कक्षा में बताई जाने वाली बातों को ध्यान से सुनने की आदत डालो। इससे तुम्हारी काफी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। कक्षा में विषय को पढ़ाते वक्त मैडम बातों ही बातों में कई ऐसी बातें कह जाती हैं, जो न केवल तुम्हारे विषय की समझ के लिए जरूरी होती हैं, बल्कि जीवन में भी काम आती है। सुनते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बोलने वाला क्या बोल रहा है और क्यों बोल रहा है। कक्षा में पढ़ाए गए विषय को दूसरे को सुनाना और दूसरे से उस विषय को सुनने से ज्यादा याद होता है।

प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर कुदरत की अनुपम कारीगरी अथिरापल्ली और वाज्हचाल

दोस्तों, विश्व प्रसिद्ध नयाग्रा जल प्रपात का नाम तो तुमने सुना ही होगा। इसे देखने के लिए हर साल करोड़ों लोग वहां जाते हैं। सैकड़ों फुट ऊपर से गिरता पानी जब नीचे जाकर भाप जैसा रूप लेता है तो बरबस ही सबका मन मोह लेता है। हमारे देश में भी ऐसे कई स्थान हैं, जो इसी तरह के हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में हम वहां की सैर नहीं कर पाते। ये स्थान भी प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर हैं, कुदरत की अनुपम कारीगरी यहां दिखाई देती है। जो यहां आता है, बस यहीं का होकर रह जाता है। ऐसे ही दो जलप्रपात हैं केरल में। शोलयार वन श्रंखला के वर्षा वनों से लगा, घने संरक्षित वनों के बीच जो विभिन्न प्रजातियों के वन्य जीवन की आश्रय स्थली भी है, एक के बाद एक, दो जल प्रपात हैं, जिन्हें देख कोई भी झूमे बगैर नहीं रह सकता। यकीनन होश उड़ाने वाला प्राकृतिक सौंदर्य। नाम है अथिरापलली और वाज्हचाल। केरल के थ्रिस्सूर शहर से कोच्ची जाने वाले हाईवे पर 30 किलोमीटर चलने पर चालकुडी और वहां से बांयी और दूसरी सड़क पर 33 किलोमीटर जाने पर अथिरापल्ली का जल प्रपात पड़ेगा। यहां से 4 किलोमीटर और आगे जाएंगे तो वाज्हचाल नाम का दूसरा प्रपात भी है जिसे भारत का नयाग्रा भी कहा जाता है। पहले आप पहुंचते हैं अथिरापल्ली। यहां एक सुंदर उद्यान है। सामने ही बांस के घने झुरमुटों के बीच से आगे बढ़ने पर अपने संपूर्ण वैभव के साथ प्रवाहित हो रही चालकुडी नदी के दर्शन होते हैं। बांस की टहनियों पर उछल कूद करते अनेक बन्दर भी आपका स्वागत करते प्रतीत होते हैं। यहां लकड़ी से बने बेंच भी लगे हुए हैं, जो आपको वापसी में ललचाएंगे क्योंकि अभी तो नीचे उतरना है। दाहिनी ओर नीचे जाने के लिए आरामदायक पत्थर बिछा मार्ग बना हुआ है जो कुछ लंबा पड़ता है। अति उत्साही प्रकार के पर्यटक सीधे नीचे भी उतर सकते हैं, सीढ़ियों के प्रयोग के बिना ही। आधी दूर नीचे जाने पर ही जल प्रपात के प्रथम दर्शन होने लगते हैं भले ही गिरते पानी की गर्जना कानों में पहले से ही गूंजती रहती है। फिर आप सीधे आमने सामने रहते है इस भव्य प्रपात के। जब पानी की बूंदों की बौछार अपने मुंह पर पड़ती है उस समय आनंद की कोई सीमा नहीं रहती। यहां भी बेंचें लगी हुई हैं आपके विश्राम करने के लिए। प्रपात के बहुत करीब जन जोखिम से भरा होगा। पिकनिक मानाने के लिए प्रपात के नीचे का स्थल आदर्श है। वापस ऊपर आने के बाद हमें उन बेंचों की याद आएगी ही, जो उद्यान में लगे हुए हैं। यहां तनिक विश्राम करने के बाद आगे वाज्हचाल के लिए निकला जा सकता है। चालकुडी नाम के शहर से यहां इस 30 किलोमीटर का मार्ग सुखद है परन्तु अथिरापल्ली से आगे वाज्हचाल 4 किलोमीटर का मार्ग कच्चा और थोड़ा दुखदायी है। लेकिन जैसे ही प्रपात के दर्शन होंगे, पूरी थकान काफूर हो जाएगी। यहां भी प्रपात तक जाने की अच्छी व्यवस्था बनाई गई है। यहां से आगे का रास्ता एक वालपराई नामके हिल स्टेशन को जाता है जहां चाय के बागान भी हैं।

बीरबल की खिचड़ी

ठंड का समय था दिल्ली में बहुत ही ज्यादा ठंड पड़ी थी। उस समय बादशाह अकबर और बीरबल दोनों ही सुबह-सुबह बगीचे में घूम कर रहे थे। बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, बीरबल देख रहे हो कितनी ज्यादा ठंड है। ऐसा लग रहा है कि अगर कोई बिना गर्म कपड़ों के बाहर आ जाए तो वह तुरंत ही बर्फ की तरह जम जाएगा।
जी हां जहांपना बिल्कुल सही कह रहे हैं आप। बीरबल ने अकबर से कहा।
अच्छा बीरबल यह बताओ इतनी ठंड में भी तुम यहां आ गए। लेकिन ऐसे बहुत से लोग होंगे जो इतनी सर्दी में घर से बाहर नहीं निकल रहे होंगे और अपने कामकाज को भी नहीं कर रहे होंगे।
जी हां, जहाँपनाह आपकी बात तो सही है। लेकिन ऐसे बहुत से लोग भी है जो मजबूरी के चलते इस सर्दी में भी निकला करते हैं। मजबूरी में ऐसे काम किया करते हैं जो इस सर्द में नहीं करनी चाहिए। बीरबल ने कहा।
अकबर ने बीरबल से कहा, अच्छा लेकिन मैं यह नहीं मानता। मैं नहीं मानता कि कोई इतनी सर्दी में अपने घर से निकलेगा और काम पर जाएगा। वह तो घर के अंदर रहकर गर्म बिस्तर पर लेटा रहेगा। लेकिन उठकर काम पर नहीं जाएगा।
नहीं नहीं जहाँपनाह बात ऐसी नहीं है। लोगों की मजबूरी है कि वह इस सर्द में भी निकल करकाम करें बीरबल ने अकबर को बताया।
अच्छा! ऐसी बात है तो मुझे साबित करके दिखाओ कि कोई इतनी सर्दी में भी चंद पैसों के लिए भी काम करने को कैसे निकल सकता है। बादशाह अकबर ने बीरबल चुनौती देते हुए कहा। वही पास एक तालाब भी था जिसका पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था। बादशाह अकबर ने उस तालाब की ओर इशारा किया और बीरबल से कहा, बीरबल उस तालाब को देखो उस तालाब को देखकर ही ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसका पानी कितना ठंडा होगा। तुम एक ऐसे व्यक्ति को लेकर आओ जो रातभर इस तालाब में रहकर गुजार दें। मैं उसे ढेरों इनाम दूंगा।
बीरबल ने कहा, आपका हुकुम सर आंखों पर। आप जैसा कह रहे हैं मैं वैसा तुरंत करता हूं और आज ही एक ऐसे व्यक्ति का इंतजाम करता हूं जो यह कार्य कर देगा।
बीरबल तुरंत ही दरबार से निकला और इस बात का ऐलान कर दिया कि राजा उस व्यक्ति को ढेरों इनाम देंगे जो रात भर बगीचे की तालाब में रहकर गुजार देगा। जनता में से एक आदमी गंगाराम बादशाह के दरबार में पहुंचा और उसने राजा से कहा, बादशाह सलामत रहे। मेरे बादशाह आपने जो करने को कहा था वह करने के लिए मैं तैयार हूं।
बादशाह अकबर ने कहा, मैं तुम्हारे हिम्मत की दाद देता हूं। आज के लिए तुम हमारे मेहमान हो। जाओ और रात को हम तुम्हें उस तालाब में लेकर जाएंगे। उस तालाब पर तुम्हें पूरी रात गुजारनी है।
रात का समय हुआ। गंगाराम को तालाब के पास ले जाया गया। गंगाराम ने तालाब का पानी छूकर देखा। तालाब का पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था फिर भी गंगाराम हिम्मत करके तालाब के अंदर चला गया। शुरुआत में गंगाराम बहुत ही कंाप रहा था लेकिन कुछ देर बाद वह सीधा खड़ा होकर पूरा रात गुजार दिया। दिन होते ही उसे बादशाह के दरबार पर बुलाया गया। बादशाह अकबर उसे देखकर दंग रह गए। उन्होंने तुरंत ही गंगाराम से पूछा, आखिरकार तुम पूरी रात इतनी ठंडी में कैसे रह गए? अगर मैं होता तो मैं मर ही जाता।
गंगाराम ने बादशाह अकबर के सवालों को जवाब दिया, जहांपना, पास ही में एक जलता हुआ दीपक था जिसकी ओर ध्यान कर उसे देखकर मैं पूरी रात गुजार गया। मैंने अपना पूरा ध्यान उसपर रखा।
ओह! तो यह बात है। तुमने उस दीपक से गर्मी ली और उस गर्मी से पूरी रात भर तालाब में रह गए। तो तुमने तो हम सब के साथ धोखा किया है। वैसे मैं तुम्हें जाने देता हूं क्योंकि यह काम करना आसान नहीं था। लेकिन तुमने जिस तरीके का काम किया है उसके लिए मैं तुम्हें कोई भी इनाम नहीं दूंगा। यह कहकर बादशाह ने गंगाराम को वापस भेज दिया।
वही पास में बीरबल खड़ा यह सब चीजें देख रहा था। तभी राजा ने बीरबल से कहा, देखा बीरबल इस तरह का काम कोई भी नहीं कर सकता।
बीरबल ने कहा, जी हाँ जहांपनाह आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। यह कहकर बीरबल अपने घर लौट गया। अगले दिन बीरबल ने बादशाह अकबर को खाने में आमंत्रित किया। बीरबल ने कहा, बादशाह मैं बहुत ही अच्छी खिचड़ी बनाता हूं। मैं चाहता हूं कि कल आप मेरे घर आए और मेरी हाथ की बनी हुई खिचड़ी खाए।
राजा ने बीरबल का निमंत्रण स्वीकार किया और अगले दिन बीरबल के घर जा पहुंचे। बीरबल के घर पहुंचते ही बादशाह ने बीरबल से कहा, बीरबल, लेकर आओ तुम्हारी खिचड़ी जरा हम भी तो उसका स्वाद ले कर देखें कि आखिर तुम कैसी खिचड़ी बनाते हो?
जी हां जहांपना बस खिचड़ी तैयार होने वाली है। बीरबल ने कहा।
ठीक है ।राजा ने कहा।
समय बीतता जा रहा था ओर राजा का भूख बढ़ता ही जा रहा था। ऐसे में बादशाह ने बीरबल से फिर पूछा, बीरबल तुम्हारी खिचड़ी बनने में और कितना समय लगेगा। मेरी भूख बढ़ती ही जा रही है।
बीरबल ने जवाब दिया, बस जहांपना कुछ देर और आप की खिचड़ी तुरंत तैयार हो जाएगी।
अच्छा ठीक है। जल्दी लेकर आओ।
ऐसे करते करते और समय बीत गया और राजा का भूख बढ़ने लगा था उन्होंने गुस्से में आकर बीरबल से पूछा, तुम क्या कर रहे हो? अभी तक तुम्हारा खिचड़ी तैयार नहीं हुआ। जल्दी लेकर आओ मुझे बहुत भूख लगी है
जी हां जहाँपनाह मैं अभी लेकर आता हूं बस यह तैयार होने वाला है। यह कहकर बिरबल फिर अपनी रसोई की ओर चला गया। कुछ समय और बीतने के बाद राजा उठकर बीरबल की रसोई की ओर जा पहुंचे। बादशाह अकबर ने देखा कि बीरबल हांड़ी(पकाने का बरतन) को आग से बहुत ही ऊपर लगाकर रखा था। जिससे कि आग की ताप उस हांड़ी तक नहीं पहुंच सकती थी। ऐसे में राजा ने बीरबल ने कहा, अरे बेवकूफ! तुम आखिर कर क्या रहे हो? ऐसे में तो तुम्हारी खिचड़ी कभी भी नहीं पकेगी।
पकेगी जहाँपनाह यह जरूर पकेगी। बीरबल ने कहा।
अरे आग का ताप तो हांड़ी में पहुंच ही नहीं रहा है तो फिर तुम्हारी खिचड़ी कैसे पक सकती है। इसके लिए आग का ताप खिचड़ी की हांड़ी तक पहुचाना चाहिए। राजा ने समझाते हुए कहा।
बीरबल ने कहा, जिस तरह से एक छोटा सा दीपक गंगाराम को ताप दे सकता है। तो इस तरह से हांड़ी को आग से ताप अवश्य ही मिल जाएगा।
यह बात सुनकर बादशाह समझ चुके थे कि उन्होंने क्या गलती की थी। तुरंत ही राजा ने बीरबल को कहा, बीरबल मैं समझ चुका हूं कि तुम आखिर कहना क्या चाहते हो। मैं तुरंत ही गंगाराम को बुलाकर उसका इनाम उसे दूंगा और मैं तुम्हारा शुक्रिया करता हूं कि तुमने मेरी गलती को मुझे बताया।

भारतीय कंपनियों के बड़े अधिग्रहण- शेयरधारकों को नहीं मिला अपेक्षित लाभ बाजार से पिछड़ी चाल

10 में से 8 बड़े सौदों में अरबों डॉलर खर्च करने वाली कंपनियों के शेयर व्यापक बाजार से पिछड़ गए

नई दिल्ली ।

पिछले दो दशकों में भारतीय कंपनियों द्वारा किए गए बड़े अधिग्रहणों ने शेयरधारकों को कोई खास लाभ नहीं पहुंचाया है। एक विश्लेषण से पता चला है कि अरबों डॉलर खर्च करके महत्वपूर्ण संपत्तियों को खरीदने वाली अधिकांश कंपनियों (10 में से 8) के शेयरों की चाल अधिग्रहण के बाद व्यापक बाजार से काफी सुस्त रही है, जिससे उनके निवेश पर प्रश्नचिह्न लग गया है। बताया जा रहा है` कि एक नमूने में शामिल 10 सबसे बड़े अधिग्रहणकर्ता फर्मों में से केवल दो - हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल - ही बाजार से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहीं। हालांकि, इनके मामले में भी विश्लेषकों का मानना है कि शेयरों में हालिया उछाल घरेलू कारकों या वैश्विक कमोडिटी कीमतों के कारण है, न कि विदेशी अधिग्रहण से हुए सीधे लाभ के कारण। उदाहरण के लिए, हिंडाल्को ने 2007 में नोवेलिस का 5.7 अरब डॉलर में अधिग्रहण किया, लेकिन कंपनी के शेयर भाव ने दो साल पहले ही निफ्टी 50 से आगे निकलना शुरू किया, जिसका श्रेय औद्योगिक धातुओं की वैश्विक कीमतों में उछाल को दिया जाता है। इसी तरह, भारती एयरटेल के मजबूत प्रदर्शन का श्रेय घरेलू दूरसंचार बाजार में बढ़ते वर्चस्व को दिया जा रहा है, न कि 2010 में जेन टेलीकॉम के अफ्रीकी कारोबार के 10.7 अरब डॉलर के अधिग्रहण को। अन्य प्रमुख कंपनियों की बात करें तो टाटा स्टील ने 2006 में कोरस समूह को 12.78 अरब डॉलर में खरीदा था, जो किसी भारतीय कंपनी द्वारा विदेश में किया गया सबसे बड़ा अधिग्रहण था। लेकिन 20 साल बाद भी कंपनी का शेयर कमजोर रहा; अधिग्रहण के बाद से यह केवल 397 फीसदी बढ़ा जबकि निफ्टी 50 में 551 फीसदी की वृद्धि हुई। इसी तरह, टाटा मोटर्स ने 2008 में फोर्ड से जगुआर लैंड रोवर का अधिग्रहण किया, लेकिन व्यापक बाजार को पीछे छोड़ने के लिए संघर्ष करती रही। ओएनजीसी का 2008 में इंपीरियल एनर्जी का 2.6 अरब डॉलर का अधिग्रहण भी असफल साबित हुआ, जहां उसका शेयर मूल्य केवल 78 फीसदी बढ़ा जबकि निफ्टी 50 में इसी अवधि में 458 फीसदी की तेजी आई। यह प्रवृत्ति हाल के वर्षों में भी जारी है। यूपीएल ने 2018 में एरिस्टा लाइफसाइंसेज का 4.2 अरब डॉलर में अधिग्रहण किया, जिसके बाद से उसके शेयर का प्रदर्शन कमजोर बना हुआ है। बायोकॉन द्वारा 2022 में वियाट्रिस के बायोसिमिलर व्यवसाय और रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा 2023 में वॉल्ट डिज्नी के इंडिया कारोबार के अधिग्रहण के बाद भी यही कहानी दोहराई गई है। अदाणी ग्रीन एनर्जी और कोफोर्ज जैसी कंपनियों के शेयर मूल्य भी अपने बड़े अधिग्रहणों के बाद बेंचमार्क सूचकांकों से पीछे रहे हैं। यह विश्लेषण भारतीय कंपनियों के लिए बड़े अधिग्रहणों से शेयरधारक मूल्य बनाने की चुनौतियों को उजागर करता है।

सरकारी बैंक पूंजी जुटाने को तैयार, ईसीएल मानदंड से पहले मजबूत करेंगे बैलेंस शीट

बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक जुटाएंगे हजारों करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के कई बैंक, जिनमें बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक शामिल हैं, इक्विटी और बॉन्ड के माध्यम से पूंजी जुटाने की संभावनाएं तलाश रहे हैं। यह कदम उन्हें अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) ढांचे के अप्रैल 2027 से लागू होने से पहले अपनी कॉमन इक्विटी टियर-1 (सीईटी1) पूंजी को मजबूती देने में मदद करेगा। पूंजी जुटाने की यह पहल इन बैंकों को सरकारी हिस्सेदारी कम करने में भी सहायक होगी, क्योंकि कुछ बैंकों में सरकार की हिस्सेदारी 90 प्रतिशत से भी अधिक है। बैंक ऑफ इंडिया को वित्त वर्ष 2027 के दौरान 7,500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बोर्ड से मंजूरी मिल गई है। इसमें से 2,500 करोड़ रुपये अतिरिक्त टियर-1 (एटी-1) बॉन्ड और 5,000 करोड़ रुपये टियर-2 बॉन्ड के माध्यम से जुटाए जाएंगे। दिसंबर 2025 तक बैंक ऑफ इंडिया का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 17.09 फीसदी था, जबकि उसका सीईटी1 अनुपात 13.76 फीसदी था। एटी-1 बॉन्ड विशेष रूप से बैंक की सीईटी1 पूंजी को बढ़ावा देगा।

अप्रैल में शेयर बाजार नकदी सेगमेंट में उछाल डेरिवेटिव्स में गिरावट

नई दिल्ली ।

अप्रैल महीने में भारतीय शेयर बाजार की ट्रेडिंग गतिविधियों में एक बड़ा विरोधाभास देखने को मिला। इक्विटी बाजार में आई जोरदार तेजी के दम पर नकदी (कैश) सेगमेंट के टर्नओवर में प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, वहीं डेरिवेटिव्स (वायदा एवं विकल्प) कारोबार, बढ़ी हुई सिक्योरिटीज़ ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) के कारण फिसल गया। नकदी बाजार में दो साल का उच्चतम टर्नओवर अप्रैल में नकदी बाजार का टर्नओवर 7 फीसदी बढ़ा, जिसे इक्विटी में आई जबरदस्त तेजी का सहारा मिला। इक्विटी में जोरदार रिकवरी के कारण नकदी सेगमेंट का दैनिक औसत टर्नओवर करीब 1.44 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो लगभग दो साल का उच्चतम स्तर है। बेंचमार्क सूचकांकों ने एक साल से भी ज्यादा समय में अपनी सबसे मजबूत मासिक रिकवरी दर्ज की, जिसमें सेंसेक्स 6.9 फीसदी और निफ्टी 7.5 फीसदी बढ़ा। व्यापक बाजारों में यह तेजी और भी स्पष्ट थी, निफ्टी मिडकैप 100 में 13.6 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 18.4 फीसदी की जोरदार बढ़त हुई। बढ़ी हुई एसटीटी से डेरिवेटिव्स को झटका दूसरी ओर डेरिवेटिव्स के टर्नओवर में 6

फीसदी की गिरावट आई। इसका मुख्य कारण 1 अप्रैल से लागू हुई सिक्योरिटीज़ ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) में बढ़ोतरी थी। वायदा कारोबार पर एसटीटी 0.02 फीसदी से बढ़कर 0.05 फीसदी कर दिया गया, जबकि ऑप्शंस के लिए यह 0.1 फीसदी से बढ़कर 0.15 फीसदी हो गया।

इंडियन ओवरसीज बैंक का मुनाफा 43 फीसदी उछला

नई दिल्ली ।

इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने जनवरी-मार्च तिमाही में मजबूत वित्तीय नतीजे पेश किए हैं। बैंक ने 1,505 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 43.2 प्रतिशत अधिक है। बैंक अे धिकारी ने बताया कि कर्मचारियों को ऋण निर्णय लेने के लिए सशक्त करने की रणनीति इस प्रदर्शन की कुंजी रही है। बैंक ने हालिया वित्त वर्ष में 24 प्रतिशत की ऋण वृद्धि दर्ज की, जो उद्योग औसत (16 प्रतिशत) से कहीं बेहतर है। खुदरा, कृषि व एमएसएमई खंड पर विशेष जोर, जिसमें 78 फीसदी ऋण पोर्टफोलियो है, ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बैंक ने आगामी वित्त वर्ष के लिए 12-13 फीसदी ऋण वृद्धि और 13-14 फीसदी जमा वृद्धि का लक्ष्य रखा है। बैंक 3.20-3.25 फीसदी के आसपास अपने शुद्ध ब्याज मार्जिन को बनाए रखने की उम्मीद करता है।

एसबीआई एफडी पर पाएं शानदार रिटर्न और सुरक्षा!

2 लाख निवेश करें और पाएं 1.05 लाख तक का फिक्स रिटर्न

नई दिल्ली ।

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर आकर्षक ब्याज दरों की घोषणा की है, जिससे निवेशकों को सुरक्षित और गारंटीड रिटर्न का मौका मिल रहा है। ये स्कीमें 7 दिनों से लेकर अधिकतम 10 साल तक की अवधि के लिए उपलब्ध हैं। एसबीआई की एफडी योजनाओं में ब्याज दरें अवधि के अनुसार भिन्न हैं। न्यूनतम 7 दिन की एफडी पर 3.05 से 3.65 फीसदी तक ब्याज मिलता है, जबकि 46 दिनों से 179 दिनों तक की अवधि पर यह दर 4.90 से 5.50 फीसदी के बीच रहती है। 180 दिनों से 210 दिनों की एफडी पर बैंक 5.65 से 6.25 फीसदी तक ब्याज दे रहा है। वहीं, लंबी अवधि की एफडी, खासकर 5 से 10 साल की योजनाओं में, ब्याज दरें अधिकतम 7.15 फीसदी तक पहुंच सकती हैं, जो इसे एक बेहतरीन निवेश विकल्प बनाती हैं। निवेशकों के रिटर्न की बात करें तो 6 साल की एफडी स्कीम में 2 लाख के निवेश पर सामान्य नागरिकों को परिपक्वता पर करीब 2,86,747 रुपए मिलते हैं, जिसमें 86,747 रुपए का ब्याज शामिल है। वरिष्ठ नागरिकों को इसी निवेश पर लगभग 3,04,184 रुपए मिलते हैं, जिनमें करीब 1,04,184 रुपए ब्याज होता है। सुपर वरिष्ठ नागरिकों को तो लगभग 3,05,983 रुपए तक मिल सकते हैं, जिसमें 1,05,983 रुपए का आकर्षक ब्याज शामिल है। यह स्कीम सभी उम्र वर्ग के निवेशकों के लिए एक विश्वसनीय और फायदेमंद विकल्प है।

वैश्विक उथल-पुथल और घरेलू खरीदारी के बीच झूलता रहा भारतीय शेयर बाजार

साप्ता हिक आधार पर सेंसेक्स में लगभग 0.50 फीसदी और निफ्टी में 0.39 फीसदी की गिरावट रही

मुंबई ।

मजदूर दिवस के अवकाश के कारण यह सप्ताह छोटा रहा, पर भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को भावनाओं के रोलरकोस्टर का अनुभव हुआ। लगातार तीन सत्रों की गिरावट के बाद सोमवार को बाजार में आशा लौटी पर मंगलवार और खासकर गुरुवार को वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और विदेशी फंडों की निकासी से बाजार फिर दबाव में आ गया। इस अस्थिर सप्ताह में सेंसेक्स और निफ्टी में तीव्र उतार-चढ़ाव रहा। सप्ताह का पहला दिन भारतीय बाजार के लिए राहत भरा रहा। पिछली गिरावट के बाद सोमवार को बाजार जोरदार हरे निशान पर खुले। वैश्विक सकारात्मक संकेतों और प्रमुख शेयरों में खरीदारी से दिनभर तेजी रही। सेंसेक्स 639 अंक बढ़कर 77,303 पर, और निफ्टी 194 अंक चढ़कर 24,092 पर बंद हुए, जिससे निवेशकों को बड़ी राहत मिली। मंगलवार को बाजार की गति धीमी रही।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में गिरावट से नरमी आई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 208 अंक गिरा, निफ्टी भी 42 अंक लुढ़का। रुपया भी डॉलर के मुकाबले 24 पैसे कमजोर हुआ। दिन के मध्य में सुधार का प्रयास टिकाऊ नहीं रहा। अंततः, सेंसेक्स 416 अंक गिरकर 76,886 पर, और निफ्टी 97 अंक गिरकर 23,995 पर बंद हुए, जिससे यह 24 हजार के स्तर से नीचे चला गया। बुधवार को बाजार ने शानदार वापसी की। ईरान-अमेरिका तनाव कम होने की उम्मीद और सकारात्मक वैश्विक संकेतों के दम पर भारतीय शेयर बाजार में तेजी लौटी। मजबूत खरीदारी से सेंसेक्स 77,400 और निफ्टी 24,100 के पार निकल गए। अंत तक सेंसेक्स 609 अंक उछलकर 77,496 पर, जबकि निफ्टी 24,177 पर पहुंचा। सप्ताह का अंत फिर नकारात्मक रहा। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल, कमजोर वैश्विक रुझानों और विदेशी निधियों की लगातार निकासी के बीच प्रमुख सूचकांकों में तेज गिरावट आई। शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स 959 अंकों तक टूटा और 76,537 पर पहुंचा, जबकि निफ्टी 285 अंक कमजोर होकर 23,892 पर आ गया। वैश्विक दबाव और पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर पड़ा। अंततः, सेंसेक्स 582 अंक गिरकर 76,913 पर बंद हुआ, और निफ्टी 180 अंक गिरकर 23,997 पर आ गया, एक बार फिर 24 हजार के स्तर से नीचे। कुल मिलाकर यह सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए तीव्र अस्थिरता और वैश्विक घटनाओं पर बढ़ती निर्भरता का परिचायक रहा।

सप्ताह का अंत सेंसेक्स और निफ्टी दोनों के लिए मामूली गिरावट के साथ हुआ, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच बाजार में सावधानी भरे रुख को दर्शाता है। आने वाले समय में निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया की स्थिति, कच्चे तेल की कीमतों और वैश्विक आर्थिक संकेतों पर बनी रहेंगी।

डिजिटल गवर्नेंस से छोटे कारोबारों को मिली नई उड़ान आईएमएफ रिपोर्ट

डिजिटल गवर्नेंस से छोटे कारोबारों को मिली नई उड़ान आईएमएफ रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के एक हालिया अध्ययन ने पुष्टि की है कि भारत में सरकारी प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने की पहल ने छोटे कारोबारों (माइक्रो एंटरप्राइज) की उत्पादकता में वृद्धि की है और विभिन्न कंपनियों के बीच असमानता को भी कम किया है। यह रिपोर्ट सरकारी सुधारों के आर्थिक प्रभावों पर प्रकाश डालती है।

2010-11 और 2015-16 के राष्ट्रीय सर्वे डेटा पर आधारित इस शोध में पाया गया कि जिन राज्यों ने टैक्स फाइलिंग, परमिट, निरीक्षण और विवाद समाधान जैसे कार्यों को डिजिटल किया, वहां व्यवसायों की कार्यक्षमता में तेजी से सुधार हुआ। 2014 में शुरू किया गया 98-पॉइंट एक्शन प्लान, जिसने व्यापार नियमों को सरल बनाया और प्रक्रियाओं को ऑनलाइन किया, इस बदलाव में महत्वपूर्ण रहा। इन डिजिटल सुधारों से छोटे कारोबारियों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने से मुक्ति मिली, जिससे समय और पैसे दोनों की बचत हुई। ऑनलाइन सिस्टम ने पारदर्शिता बढ़ाई और रिश्वत जैसे अनौपचारिक खर्चों में कमी लाकर एमएसएमई सेक्टर को सशक्त किया, जो देश के मैन्युफैक्चरिंग उत्पादन का 35 फीसदी योगदान देता है और 11 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करता है। रिपोर्ट यह भी

दर्शाती है कि शुरुआती डिजिटल कदमों का प्रभाव सबसे अधिक रहा, जो अंततः देश की आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन को गति दे रहा है।

ऐपल का भारत पर बड़ा दांव, टिम कुक ने जताई अपार संभावनाएं

भारत में लगातार दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

ऐपल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने भारत के प्रति अपनी गहरी आशावादिता व्यक्त की है। भारत में कंपनी ने लगातार दूसरी तिमाही में दोहरे अंकों की शानदार वृद्धि दर्ज की है, जो इसे वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक बना रहा है। कुक ने देश के उभरते मध्यम वर्ग और बड़े बाजार के आकार को कंपनी के लिए बड़ा अवसर बताया है। कुक का यह बयान ऐसे समय में आया है जब आईफोन और आईपैड बनाने वाली कंपनी ने भारत में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वैश्विक स्तर पर भी, अमेरिका, लैटिन अमेरिका, ग्रेटर चीन, जापान और पश्चिमी यूरोप जैसे अधिकांश बाजारों में ऐपल ने दो अंकों की वृद्धि दर्ज की है। दूसरी तिमाही में कंपनी के प्रमुख उत्पाद आईफोन की बिक्री 57 अरब डॉलर तक पहुंच गई। कुक ने विश्लेषकों से कहा कि आईफोन से लेकर मैकबुक, आईपैड और ऐपल वॉच तक खरीदने वाले अधिकांश ग्राहक नए हैं, जो कंपनी के लगातार बढ़ते आधार को दर्शाता है। भारत अब ऐपल के लिए एक महत्वपूर्ण विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में भी उभरा है।

अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के दो पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों की ईडी हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली।

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने लोन फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े अहम मामले में अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के दो पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों अमिताभ झुनझुनवाला और अमित बापना की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) हिरासत 15 मई तक बढ़ा दी है। यह मामला मुख्य रूप से रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों से जुड़ा है। दिल्ली की अदालत ने ईडी की उस याचिका को स्वीकार किया, जिसमें दोनों आरोपियों से आगे पूछताछ के लिए हिरासत बढ़ाने की मांग हुई थी। सुनवाई के दौरान झुनझुनवाला को स्वास्थ्य कारणों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया, जबकि बापना को अदालत में पेश किया।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने झुनझुनवाला की स्वास्थ्य स्थिति को देखकर जेल प्रशासन को उनकी मेडिकल रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने दोनों को मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया है।

यह जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा पहले दर्ज मामलों के आधार पर शुरू हुई थी। आरोप है कि संबंधित कंपनियों में उच्च पदों पर रहते हुए दोनों अधिकारियों ने वित्तीय फैसलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और संभवतः बैंक लोन के धन का गलत उपयोग किया गया। सूत्रों के मुताबिक, झुनझुनवाला पहले रिलायंस ग्रुप में ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर और रिलायंस कैपिटल के वाइस चेयरमैन रह चुके हैं, जबकि बापना कंपनी के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर और आरएचएफएल के निदेशक थे। जांच में यह भी सामने आया है कि लोन की राशि को अलग-अलग माध्यमों से घुमाकर इस्तेमाल किया गया, जिससे मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका पैदा हुई। हालांकि, रिलायंस समूह ने स्पष्ट किया है कि झुनझुनवाला और बापना कंपनी से जुड़े नहीं हैं। दोनों अधिकारियों ने वर्ष 2019 में ही समूह छोड़ दिया था और वर्तमान में उनका रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड तथा रिलायंस पावर लिमिटेड सहित किसी भी ग्रुप कंपनी से कोई संबंध नहीं है।

भारत में सोने का आयात 30 साल के निचले स्तर पर

अप्रैल में सिर्फ 15 टन रहा आयात, बैंकों ने 3 फीसदी आईजीएसटी के विरोध में शिपमेंट रोकी

नई दिल्ली ।

भारत में सोने के आयात में अप्रत्याशित गिरावट दर्ज की गई है, जो अप्रैल महीने में लगभग 30 साल के सबसे निचले स्तर, मात्र 15 टन पर आ गया है। यह गिरावट मुख्य रूप से बैंकों द्वारा सोने की शिपमेंट रोके जाने के कारण हुई है, जो 3 फीसदी इंटीग्रेटेड गुड्स एंड सर्विस टैक्स (आईजीएसटी) को लेकर उपजे विवाद का नतीजा है। इस स्थिति से देश के स्वर्ण बाजार के साथ-साथ वैश्विक सोने की कीमतों पर भी गहरा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। कस्टम विभाग द्वारा सोने के आयात पर 3 फीसदी आईजीएसटी लागू किए जाने के बाद बैंकों ने खरीद पूरी तरह बंद कर दी है।

दरअसल, 2017 में आईजीएसटी लागू होने पर बैंकों को इस टैक्स से छूट दी गई थी, लेकिन अब सरकार से स्पष्ट आदेश में देरी के कारण कस्टम विभाग यह टैक्स वसूल रहा है। एक सरकारी अधिकारी के अनुसार अप्रैल में बैंकों ने कस्टम से कोई सोना क्लियर नहीं कराया, हालांकि थोड़ी मात्रा में सोना इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज के माध्यम से आयात किया गया। यह आंकड़ा पिछले साल अप्रैल के 35 टन और 2025-26 के मासिक औसत 60 टन से काफी कम है। इस महीने आयात पर केवल 1.3 अरब डॉलर खर्च हुए, जो औसत मासिक 6 अरब डॉलर से बहुत कम है। अक्षय तृतीया जैसे शुभ अवसर के बावजूद यह गिरावट चिंताजनक है। भारत, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना उपभोक्ता होने के कारण, इस गिरावट का वैश्विक सोने की कीमतों पर भी असर पड़ने की आशंका है। एक रिपोर्ट बताती है कि मार्च तिमाही में निवेश के लिए सोने की मांग (82 टन) पहली बार ज्वेलरी की मांग (66 टन) से अधिक रही, क्योंकि निवेशक शेयर बाजार के कमजोर रिटर्न के बीच सुरक्षित विकल्प तलाश रहे हैं।

साइबर ठगों के निशाने पर क्रिप्टोकरेंसी यूजर्स सरकार ने जारी की चेतावनी

फर्जी वेबसाइटों और पी2पी प्लेटफॉर्म्स के जरिए हो रही है धोखाधड़ी

मुंबई ।

देश में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों के बीच अब क्रिप्टोकरेंसी यूजर्स भी ठगों के नए निशाने पर आ गए हैं। गृह मंत्रालय से जुड़ी साइबर एजेंसियों ने एक गंभीर चेतावनी जारी करते हुए खुलासा किया है कि ट्रस्ट वालेट जैसे लोकप्रिय क्रिप्टो वॉलेट इस्तेमाल करने वाले लोगों को बड़े पैमाने पर ठगा जा रहा है। ये ठग पी2पी प्लेटफॉर्म्स और नकली वेरिफिकेशन वेबसाइट्स के जरिए यूजर्स के वॉलेट खाली कर रहे हैं। इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर और एनसीटीएयू की रिपोर्ट के अनुसार, ठग पी2पी प्लेटफॉर्म्स पर संपर्क कर बातचीत को वाट्सएप या टेलीग्राम पर ले जाते हैं। फिर वे यूजर्स को नकली वेरिफिकेशन वेबसाइट्स पर भेजते हैं, जहां वॉलेट कनेक्ट करने को कहा जाता है। अनुमति मिलते ही, ठग बिना देरी के पूरा वॉलेट खाली कर देते हैं। क्रिप्टो लेनदेन अपरिवर्तनीय होने के कारण एक बार पैसा जाने पर उसे वापस पाना लगभग असंभव है।

क्या बरतें सावधानी? साइबर एजेंसियों ने यूजर्स को कुछ महत्वपूर्ण सावधानियां बरतने की सलाह दी है

किसी भी अनजान वेबसाइट से वॉलेट कनेक्ट न करें।
अपनी संवेदनशील जानकारी साझा न करें।
किसी भी लिंक की जांच किए बिना आगे न बढ़ें।
संदिग्ध डीएप्स को तुरंत डिस्कनेक्ट करें।

धोखाधड़ी का शिकार होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें या सायबरक्रामडाटजीओवीइन पर शिकायत दर्ज कराएं।

महाराष्ट्र में दशक का सबसे मजबूत अप्रैल, संपत्ति पंजीकरण में 6 फीसदी उछाल

अप्रैल 2026 में 13,864 लेनदेन दर्ज, उपभोक्ता मांग में वृद्धि का संकेत

मुंबई ।

महाराष्ट्र के आवासीय संपत्ति बाजार ने अप्रैल 2026 में एक दशक से अधिक समय का सबसे मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। राज्य के पंजीकरण और स्टाम्प विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में कुल 13,864 संपत्ति लेनदेन हुए, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 6 प्रतिशत अधिक हैं। यह वृद्धि शहरों में उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग का स्पष्ट संकेत है। यह अप्रैल का महीना पिछले 14 वर्षों में भी सबसे अच्छा रहा। इस दौरान 1,114 करोड़ रुपये से अधिक का स्टाम्प शुल्क संग्रह हुआ, पर पंजीकरण में वृद्धि के बावजूद राजस्व में सालाना आधार पर मात्र 1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की गई। नाइट फ्रैंक इंडिया के एक अे धिकारी बताते हैं कि उच्च पंजीकरण के बावजूद, स्टाम्प शुल्क संग्रह में नरमी टिकट के आकार में बदलाव (मध्यम बजट वाले घरों की मांग) के कारण है, जो निरंतर मांग का संकेत है। रियल एस्टेट विशेषज्ञ इसे अंतिम उपभोक्ताओं, विशेषकर मध्यम वर्ग की बढ़ती मांग का प्रमाण मानते हैं, जो छोटे और मध्य-श्रेणी के आवासों की ओर बढ़ रहे हैं। हालांकि, पिछले महीने (मार्च) की तुलना में अप्रैल में पंजीकरण में 13 प्रतिशत और स्टाम्प शुल्क संग्रह में 27 प्रतिशत की गिरावट आई, जो मार्च के मजबूत प्रदर्शन के बाद एक सामान्य मौसमी धीमी गति है।

एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं मनु

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता महिला निशानेबाज मनु आजकल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं। मनु का लक्ष्य इन टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना है। मनु का कहना है कि अभी उनका ध्यान अपना फॉर्म बनाये रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर है। मनु ने दृढ़ता से कहा, इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स हमारे सामने हैं, और हम इन दोनों बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने कोच के साथ बैठकें की हैं और आगामी टूर्नामेंट्स तथा अपनी तैयारी की एक संपूर्ण और सुनियोजित रूपरेखा तैयार कर ली है। इससे ये साफ है कि उनकी रणनीति केवल तात्कालिक सफलता पर नहीं, बल्कि एक लंबी अवधि की योजना का हिस्सा है।

उन्होंने पिछले साल 10 मीटर एयर पिस्टल में वर्ल्ड कप रजत पदक जीता और इस साल भी 25 मीटर पिस्टल में एशियन चैंपियनशिप में रजत हासिल किया। अब उनका लक्ष्य एक बार फिर अपनी पुरानी, शीर्ष स्तरीय लय हासिल करना है, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक निर्विवाद मजबूत दावेदार बनाएगी। यह वापसी केवल उनके लिए नहीं, बल्कि भारतीय शूटिंग जगत के लिए भी प्रेरणा का स्रोत होगी।

2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का क्वालिफिकेशन चक्र भी इसी साल से शुरू हो रहा है, और मनु भाकर इस पर भी अपनी पैनी निगाहें जमाए हुए हैं। उनका मानना है कि एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे बड़े आयोजनों में किया गया दमदार प्रदर्शन न केवल उन्हें वर्तमान सत्र में सफलता दिलाएगा, बल्कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए भी एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करेगा।

खेल के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को भी मनु ने साझा किया। उन्होंने 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग की वापसी पर अपनी खुशी व्यक्त की। अपने खेल जीवन के अलावा, मनु ने अपने व्यक्तिगत जीवन में आए एक महत्वपूर्ण बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, मैं अब एक आध्यात्मिक व्यक्ति हूं। यह आध्यात्मिक यात्रा ओलंपिक के दौरान ही शुरू हुई थी, और अब मैं पूरी तरह से इस रास्ते पर आगे बढ़ रही हूं। यह नया दृष्टिकोण उन्हें मानसिक शांति और एकाग्रता प्रदान कर रहा है, जो एक उच्च-स्तरीय एथलीट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

आईपीएल 2026: पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच रोमांचक मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का एक और रोमांचक मुकाबला अहमदाबाद में होने जा रहा है, जहाँ पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस आमने-सामने होंगी। शाम 7:30 बजे शुरू होने वाले इस मैच में, जहाँ पंजाब किंग्स अपनी पिछली हार से उबरकर वापसी करना चाहेगी, वहीं गुजरात टाइटंस लगातार तीसरी जीत दर्ज कर अपने अभियान को गति देने के इरादे से मैदान में उतरेगी। यह मुक़ाबला दोनों ही टीमों के लिए अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

पंजाब किंग्स ने इस सीज़न की शुरुआत बेहद शानदार अंदाज़ में की थी, लगातार छह जीत दर्ज कर उन्होंने अपनी मज़बूत स्थिति का प्रदर्शन किया। हालांकि, हालिया हार ने टीम की कुछ कमज़ोरियों को उजागर किया है, खासकर गेंदबाज़ी विभाग में निरंतरता की कमी चिंता का विषय बनी हुई है। आठ मैचों में 13 अंकों के साथ टीम अभी भी अंक तालिका में शीर्ष पर है, जो उनकी शुरुआती ज़बरदस्त फॉर्म का नतीजा है। बल्लेबाज़ी के मोर्चे पर, पंजाब किंग्स ने अपनी ताक़त दिखाई है। सलामी बल्लेबाज़ प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने टीम को लगातार मज़बूत शुरुआत दी है, जबकि मध्य क्रम में श्रेयस अय्यर और कूपर कोनोली जैसे बल्लेबाज़ों ने पारी को संभाला है। इनकी बदौलत टीम बड़े लक्ष्य बनाने और उनका पीछा करने में सफल रही है। इस मैच में भी टीम को अपनी बल्लेबाजी पर काफी भरोसा होगा ताकि वे अपनी शीर्ष स्थान को बरकरार रख सकें।

दूसरी ओर, गुजरात टाइटंस का प्रदर्शन इस सीज़न में उतार-चढ़ाव भरा रहा है। हालांकि, टीम ने हाल ही में लगातार दो जीत हासिल कर आत्मविश्वास प्राप्त किया है और 10 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर पहुँच गई है। गुजरात की बल्लेबाज़ी काफी हद तक अपने शीर्ष तीन बल्लेबाज़ों पर निर्भर करती है, जिनकी फॉर्म टीम के प्रदर्शन में निर्णायक भूमिका निभाती है। मध्य क्रम में, वॉशिंगटन सुंदर ने कुछ अच्छी पारियाँ खेली हैं, लेकिन शाहरुख खान और राहुल तेवतिया जैसे फिनिशर अभी तक अपनी पूरी क्षमता के साथ प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। पिछले मैच में टीम में शामिल किए गए जेसन होल्डर ने गेंद और फील्डिंग दोनों से महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे टीम को थोड़ी राहत मिली है। इस मैच में उनसे भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी, खासकर फिनिशिंग में टीम को एक मजबूत प्रदर्शन की दरकार है। यह मुक़ाबला गुजरात के लिए प्लेऑफ की दौड़ में अपनी स्थिति को और बेहतर बनाने का एक बेहतरीन अवसर है।

यह मुक़ाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जहाँ एक ओर पंजाब शीर्ष पर अपनी पकड़ मज़बूत करना चाहेगी, वहीं गुजरात अपनी लय को बरकरार रखते हुए प्लेऑफ की दौड़ में आगे बढ़ना चाहेगी। दर्शकों को निश्चित रूप से एक कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

केएल राहुल बने आईपीएल के नए सिक्सर किंग, विराट और रोहित को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज़ केएल राहुल ने आईपीएल में उस समय इतिहास रचा जब उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेली गई अपनी 75 रनों की मैच जिताऊ पारी के दौरान 5 गगनचुंबी छक्के लगाए। इन 5 छक्कों के साथ केएल राहुल आईपीएल इतिहास में बतौर भारतीय ओपनर 200 छक्के जड़ने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जिससे उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान विराट कोहली और मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा जैसे दिग्गज बल्लेबाज़ों को भी पीछे छोड़ दिया है। केएल राहुल और विराट कोहली के बीच बतौर ओपनर छक्कों की यह रेस आईपीएल 2026 की शुरुआत से ही चल रही थी, मगर राहुल ने इस महत्वपूर्ण मुकाबले में शानदार प्रदर्शन कर अब इस रेस में निर्णायक बढ़त बना ली है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 226 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, केएल राहुल ने 40 गेंदों पर 75 रनों की धुआँधार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान राहुल ने 6 चौके और 5 गगनचुंबी छक्के लगाए, जिसका मतलब है कि उन्होंने अपनी पारी के 50 प्रतिशत से अधिक रन सिर्फ़ चौके और छक्कों से बनाए। इन 5 छक्कों के साथ, केएल राहुल के नाम आईपीएल इतिहास में बतौर ओपनर कुल 201 छक्के हो गए हैं। वहीं, विराट कोहली 192 छक्कों के साथ दूसरे पायदान पर हैं, जो अब राहुल से 9 छक्के पीछे हो गए हैं। इस लिस्ट में मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज़ रोहित शर्मा काफ़ी पीछे रह गए हैं।

थॉमस कप में फ्रांस ने रचा इतिहास, पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत से भिड़ेगा

डेनमार्क (एजेंसी)। डेनमार्क के होर्सेन्स में खेले जा रहे प्रतिष्ठित थॉमस कप में फ्रांस ने इतिहास रचते हुए पहली बार सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है। फ्रांस ने क्वार्टर फाइनल में जापान पर 3-0 की शानदार जीत के साथ यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस विजय ने न केवल फ्रांस को प्रतियोगिता में अपना पहला पदक दिलाया है, बल्कि अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला गत चैंपियन भारत से तय हो गया है, जो बैडमिंटन प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक भिड़ंत का वादा करता है। फ्रांस की टीम ने टूर्नामेंट में अपना असाधारण प्रदर्शन जारी रखा, खासकर एकल स्पर्धाओं में उन्हें पूरी तरह से सफलता मिली। क्रिस्टो पोपोव ने कोडाई नाराओका के खिलाफ एक कड़े शुरुआती मुकाबले में लय बनाई और आखिरकार जीत हासिल की। क्रिस्टो ने मैच के बाद कहा, जब आप कोडाई के साथ खेलते हैं, तो आपको पता होता है कि यह लंबा होने वाला है और आप जानते हैं कि वह आसान गलतियां नहीं करेगा। वह आपको दौड़ाएगा, बहुत पसीना दिलाएगा। मैं इसके लिए तैयार था। इसके बाद, एलेक्स लैनियर ने युशी तनाका पर जीत के साथ फ्रांस की बढ़त को 2-0 किया, जिससे टीम एक ऐतिहासिक नतीजे के कगार पर पहुंच गई।

निर्णायक तीसरे रबर में, टोमा जूनियर पोपोव ने कोकी वतनबे के खिलाफ 21-19, 23-21 से जीत हासिल की, जिसने उनकी टीम को पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचाया। टोमा जूनियर ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, मैं बहुत खुश और आनंदित हूं। मेरे शरीर में अब ऊर्जा नहीं बची है। मैंने कोर्ट पर अपना सब कुछ झोंक दिया। यह अविश्वसनीय है। हमने मंगलवार को इंडोनेशिया के खिलाफ जीतकर और क्वालीफाई करके इतिहास रचा, और अब हम इसे फिर से लिख रहे हैं, टीम चैंपियनशिप में पहला मेडल। उन्होंने फ्रेंच बैडमिंटन और फ्रांस पर इस जीत के बड़े प्रभाव पर भी जोर दिया, इसे देश के खेल के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बताया।

इस बीच, भारत ने भी चीनी ताइपे पर 3-0 से दमदार जीत हासिल करके सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है। भारत की यह जीत लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी की डबल्स जोड़ी के शानदार प्रदर्शन से मिली। मेजबान टीम डेनमार्क ने भी थाईलैंड पर 3-1 से जीत हासिल करके अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की।

हैदराबाद में महामुकाबला: एक तरफ सनराइजर्स का विजय रथ, दूसरी ओर केकेआर की वापसी की चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में एक रोमांचक मुकाबले के लिए हैदराबाद का राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम तैयार है, जहां सनराइजर्स हैदराबाद का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 3ः30 बजे शुरू होगा, और फैंस को एक हाई-ऑक्टेन मैच की उम्मीद है। एक ओर जहां सनराइजर्स अपनी शानदार फॉर्म और लगातार जीत के सिलसिले को बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी, वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स टीम इस सीज़न में अपनी लय खोजने और अंक तालिका में ऊपर चढ़ने के लिए संघर्ष करती नज़र आएगी।

सनराइजर्स हैदराबाद इस समय टूर्नामेंट की सबसे खतरनाक टीमों में से एक लग रही है। वे लगातार पांच मैच जीत चुकी है और नौ मैचों में छह जीत तथा बारह अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर काबिज है। टीम की सबसे बड़ी ताकत उसकी बल्लेबाजी है, जिसने लगातार बड़े स्कोर खड़े किए हैं और उन्हें खिताब का प्रबल दावेदार बना दिया है। अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन, ईशान किशन और ट्रैविस हेड जैसे बल्लेबाज प्रचंड फॉर्म में हैं। हाल ही में, ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने 76 रनों की आतिशी पारी खेलकर टीम को 243 रनों के विशाल लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने में मदद की थी, जो उनकी बल्लेबाजी इकाई की गहराई और क्षमता को बखूबी दर्शाता है। कप्तान पैट कमिंस की वापसी से टीम की गेंदबाजी को भी मजबूती मिली है, जो पहले से ही संतुलन में दिख रही है। प्रफुल्ल हिंगे, साकिब हुसैन और ईशान मलिंगा जैसे युवा और अनुभवी गेंदबाज भी महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा योगदान दे रहे हैं, जिससे टीम एक पूर्ण और आत्मविश्वास से भरी इकाई के रूप में दिख रही है।

दूसरी ओर, कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन इस सीज़न में उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा है और वे उतार-चढ़ाव भरे दौर से गुज़र रही है। टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। हालांकि उन्होंने हाल के दो मैच जीते हैं, लेकिन टीम में अभी भी स्थिरता की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। कप्तान अजिंक्य रहाणे की अगुवाई में टीम अभी तक अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन नहीं कर पाई है। बल्लेबाजी विभाग में फिन एलन और टिम सीफर्ट जैसे खिलाड़ियों का निराशाजनक प्रदर्शन चिंता का विषय रहा है, जबकि वरुण चक्रवर्ती का फॉर्म भी टीम के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। तेज गेंदबाजी विभाग में अनुभव की कमी ने भी टीम के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं। कोलकाता को अब हर विभाग में बेहतर प्रदर्शन करने की सख्त जरूरत है ताकि वे टूर्नामेंट में अपनी स्थिति में सुधार कर सकें और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहें।

दोनों टीमों के बीच पिछले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने 65 रनों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी, जो इस आगामी मैच में उनके आत्मविश्वास को और बढ़ाएगा। सनराइजर्स अपनी जीत की हैट्रिक को छह मैचों तक ले जाना चाहेगी, जबकि केकेआर उस हार का बदला लेने और अपने सीज़न को पटरी पर लाने की पुरजोर कोशिश करेगी। यह मुकाबला निश्चित रूप से रोमांचक होने की उम्मीद है, जिसमें सनराइजर्स की विस्फोटक बल्लेबाजी और केकेआर की वापसी की भूख के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

जैमीसन को बेहद आक्रामक अंदाज़ में जश्न मनाना पड़ा मंहगा

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में गेंदबाज़ों की ताबड़तोड़ कुटाई कर रहे राजस्थान रॉयल्स के ओपनर वैभव सूर्यवंशी का बल्ला शुक्रवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खामोश रहा, जब वे सिर्फ़ 4 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन इस विकेट के बाद दिल्ली के न्यूजीलैंड तेज़ गेंदबाज़ काइल जैमीसन के आक्रामक जश्न ने सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी, और उन्हें प्रशंसकों की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा। वैभव सूर्यवंशी, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाज़ी और 250 से अधिक की स्ट्राइक रेट के लिए जाने जाते हैं, उनका विकेट किसी भी टीम के लिए बेहद अहम माना जाता है। काइल जैमीसन ने शानदार यॉर्कर फेंकी, जिससे 15 वर्षीय सूर्यवंशी के पास कोई जवाब नहीं था और वे क्लीन बोल्ड हो गए। विकेट लेने के बाद, जैमीसन ने बेहद आक्रामक अंदाज़ में जश्न मनाया। उन्होंने सूर्यवंशी के सामने ज़ोर-ज़ोर से ताली बजाई और उन्हें सैंड ऑफ दिया, मानो उन्होंने किसी महान बल्लेबाज़ का विकेट हासिल किया हो। हालांकि जैमीसन के इस आक्रामक व्यवहार ने शायद उनकी टीम को पसंद आया हो, लेकिन सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने इसकी कड़ी निंदा की। कई यूज़र्स ने जैमीसन के व्यवहार को अनुचित बताया, खासकर इसलिए क्योंकि वैभव सूर्यवंशी सिर्फ़ 15 साल के युवा खिलाड़ी हैं। यह बात सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगी कि एक अनुभवी अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज़ का एक किशोर खिलाड़ी के प्रति ऐसा व्यवहार कितना उचित है। एक यूज़र ने अपनी नाराज़गी व्यक्त करते हुए लिखा, अरे भाई ठंड रखो, वो सिर्फ़ 15 साल का ही है। एक अन्य यूज़र ने टिप्पणी की, अरे भाई, एक 15 साल के बच्चे का विकेट लेकर इतना खुश हो रहे हैं। ऐसे जश्न मना रहे हो यह बता रहा है कि उनका लगाया चौका आपके इगो को हर्ट कर गया। कई प्रशंसकों ने जैमीसन के इस कृत्य पर हँसते हुए इमोजी का उपयोग करके उनकी खिल्ली उड़ाई और सवाल उठाया कि क्या खेल भावना का सम्मान नहीं करना चाहिए। प्रशंसकों की नाराज़गी इस बात पर केंद्रित थी कि खेल में खेल भावना का सम्मान होना चाहिए, और एक युवा खिलाड़ी के प्रति इस तरह का आक्रामक सैंड ऑफ उचित नहीं था, भले ही वह विकेट कितना भी महत्वपूर्ण क्यों न रहा हो। इस घटना ने एक बार फिर आईपीएल में खिलाड़ियों के व्यवहार और खेल भावना के महत्व पर एक नई चर्चा का विषय छेड़ दिया है, जहाँ फैंस उम्मीद करते हैं कि खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सम्मान और परिपक्वता भी दिखाएं।

225 रन बनाकर भी राजस्थान हारा, गेंदबाज़ों के सिर फोड़ा रियान पराग ने ठीकरा

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स ने जब 225 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया होगा, तब शायद उसने यह नहीं सोचा होगा कि उसकी टीम इतना बड़ा स्कोर बनाने के बावजूद हार जाएगी। लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज़ों, खासकर केएल राहुल और पथुम निसांका की शानदार पारियों ने राजस्थान के इस स्कोर को बौना साबित करते हुए उन्हें एक करारी शिकस्त दी। दिल्ली के खिलाफ हार के बाद राजस्थान के कप्तान रियान पराग बेहद निराश नज़र आए और उन्होंने अपनी टीम की गलतियों को स्वीकार करते हुए हार का ठीकरा गेंदबाज़ों पर फोड़ा। पराग ने मैच के बाद बताया कि उनकी टीम से कहाँ गलती हुई जिसकी वजह से उन्हें 10 में से चौथी मैच में हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि बीच के ओवरों में उनके गेंदबाज़ों ने खूब रन लुटाए और लगभग हर ओवर में बाउंड्री भी दिए, जिससे टीम को हार का सामना करना पड़ा। उनका मानना था कि 200 के आसपास का स्कोर ठीक था, लेकिन बीच के ओवरों में और बेहतर गेंदबाज़ी की जा सकती थी ताकि विपक्षी टीम पर दबाव बनाया जा सके। केएल राहुल (40 गेंद में 75 रन) और पाथुम निसांका (33 गेंद, 62 रन) के अर्धशतकों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को 19.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर सात विकेट से शिकस्त दी। दिल्ली कैपिटल्स लगातार तीन हार के बाद मिली इस जीत से आठ अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर पहुँच गई, जबकि राजस्थान रॉयल्स 12 अंक से चौथे स्थान पर कायम है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए 'प्लेयर ऑफ़ द मैच' रहे राहुल (छह चौके, पांच छक्के) और निसांका (छह चौके, तीन छक्के) के बीच पहले विकेट के लिए 57 गेंद में 110 रन की महत्वपूर्ण भागीदारी हुई। इसके बाद नीतिश राणा ने 17 गेंद में 33 रन की पारी खेली, और फिर ट्रिस्टन स्टब्स (11 गेंद में नाबाद 18 रन) और आशुतोष शर्मा (15 गेंद में नाबाद 25 रन) ने टीम को पांच गेंद रहते तीन विकेट पर 226 रन तक पहुँचाकर ऐतिहासिक जीत दिलाई।

महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय ब्रिगेड का ऐलान

इन 15 खिलाड़ियों को मिला मौका, हरमनप्रीत को कमान

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। इस बार 15 सदस्यीय टीम की कमान अनुभवी बल्लेबाज हरमनप्रीत कौर को दी गई है, जबकि स्टार ओपनर स्मृति मंधाना को उप-कप्तान बनाया गया है। चयन समिति ने मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में हुई बैठक के बाद टीम को अंतिम रूप दिया, जिसमें मुख्य चयनकर्ता अमिता शर्मा, सचिव देवजीत सैकिया, कप्तान कौर और मुख्य कोच अमोल मजूमदार भी मौजूद रहे।

इस दौरान टीम के चयन में कुछ बड़े और चौंकाने वाले फैसले दिखाई दिए हैं। प्रतिका रावल को टीम में जगह नहीं मिल सकी है, जबकि विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया और लेफ्ट आर्म स्पिनर राधा यादव की वापसी हुई है। इसके अलावा तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा को भी टीम में शामिल किया है, जो अभी तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक भी मैच नहीं खेली हैं। वह घरेलू क्रिकेट और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में अपने प्रदर्शन के दम पर चर्चा में आई थीं। राधा यादव की वापसी को चयनकर्ताओं ने उनके हालिया ऑलराउंड प्रदर्शन का इनाम बताया है। उन्होंने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं यास्तिका चोट से उबरकर टीम में लौटी हैं। उन्होंने घुटने की सर्जरी के बाद लंबे समय तक क्रिकेट से दूरी बनाई थी और अब फिट होकर वापसी कर रही हैं। तेज गेंदबाजी विभाग इस समय चोटों से जूझ रहा है। ऑलराउंडर अमनजोत कौर पीठ की चोट के कारण बाहर हैं, जबकि कशवी गौतम को घुटने की गंभीर चोट के चलते ऑपरेशन कराना पड़ा है। इसके बाद नंदनी शर्मा को टीम में शामिल कर गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देने की कोशिश की गई है।

भारतीय टीम को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप 1 में रखा गया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड्स जैसी टीमें शामिल हैं। भारत अपना पहला मुकाबला 14 जून को बर्मिंघम में पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद नीदरलैंड्स, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमों से मुकाबला होगा। भारत अब तक महिला टी20 विश्व कप का खिताब नहीं जीत सका है। 2020 में ऑस्ट्रेलिया में हुए टूर्नामेंट में टीम उपविजेता रही थी। अब 2026 में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम पहली बार खिताब जीतकर इतिहास रचने की कोशिश करेगी।

महिला टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), श्री चरानी, यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नंदिनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, क्रांति गौड़, श्रेयंका पाटिल और राधा यादव का नाम शामिल है।

संजू सैमसन ऑरेंज कैप की दौड़ में पिछड़े, शीर्ष-5 में वापसी की चुनौती

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के स्टार बल्लेबाज़ संजू सैमसन ने दो शानदार शतक लगाए हैं, लेकिन इसके बावजूद वह ऑरेंज कैप की रेस में काफ़ी पिछड़ गए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने पिछले मैच में फ्लॉप रहने के बाद, सैमसन ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष-10 बल्लेबाज़ों की सूची से भी बाहर होकर 13वें पायदान पर आ गए हैं। सैमसन कई मैचों में बड़ी और प्रभावशाली पारियाँ तो खेल रहे हैं, लेकिन उनकी निरंतरता की कमी उन्हें शीर्ष पर पहुँचने से रोक रही है। जब उनका बल्ला नहीं चलता तो वह काफ़ी सस्ते में आउट हो जाते हैं, यही कारण है कि वह कुछ ही समय में ऑरेंज कैप की रेस में पिछड़ गए हैं। राजस्थान रॉयल्स से चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में शिफ्ट हुए सैमसन इस सीज़न पहली बार पीली जर्सी में नज़र आए। अभी तक सीएसके के लिए खेले 9 मैचों में उनके बल्ले से 50.67 की औसत और 169.83 के स्ट्राइक रेट के साथ 304 रन निकले हैं, जिसमें मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उनके दो शानदार शतक भी शामिल हैं।

धोनी, रोहित और सूर्यकुमार: आईपीएल 2026 की सबसे वायरल तस्वीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के सबसे यादगार पलों में से एक तब सामने आया जब भारत के तीन आईसीसी वर्ल्ड चैंपियन खिलाड़ी एक साथ एक ही फ्रेम में नज़र आए। महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के साथ सूर्यकुमार यादव की एक तस्वीर ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया और क्रिकेट प्रेमियों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। यह तस्वीर चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच शनिवार शाम होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले चेपॉक में दोस्ती और सम्मान की एक अनोखी झलक दिखाती है।

इस ख़ास पल को मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज़ सूर्यकुमार यादव ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा किया। उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, ÷ग्रुप डीपी मिल गया। बस ग्रुप का नाम सजेस्ट करो।÷ इस पोस्ट ने तुरंत प्रशंसकों का ध्यान खींचा और कमेंट्स की बाढ़ आ गई, जहाँ हर कोई इन तीनों क्रिकेट दिग्गजों को एक साथ देखकर उत्साहित था। यह तस्वीर ऐसे समय में सामने आई है जब चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस दोनों ही टीमें आईपीएल 2026 में अपनी उम्मीदें बरकरार रखने के लिए करो या मरो के मुकाबले में आमने-सामने होंगी। लीग की ये दो सबसे सफल टीमें इस सीज़न लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही हैं, और प्लेऑफ़ की दौड़ में बने रहने के लिए दोनों ही टीमें जीत के लिए बेताब हैं।

रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली सीएसके अपने घरेलू मैदान चेपॉक पर भी इस सीज़न अस्थिर नज़र आई है। उनकी मिडिल ऑर्डर कमजोर रही है, वहीं गेंदबाज़ दबाव में मैच खत्म करने में नाकाम रहे हैं। पिछली बार जब दोनों टीमें वानखेड़े में भिड़ी थीं, तब संजू सैमसन के शतक की बदौलत सीएसके ने 103 रन से शानदार जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार मुंबई इंडियंस बदला लेने के इरादे से उतरेगी। सीएसके फिलहाल आठ मैचों में तीन जीत के साथ छठे स्थान पर है और टीम को अपने अनुभवी खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी की पिंडली की चोट के कारण गैरमौजूदगी का भी सामना करना पड़ रहा है।

वहीं मुंबई इंडियंस का सफ़र भी कुछ ऐसा ही रहा है। टॉप ऑर्डर की अच्छी शुरुआत के बावजूद, उनकी कमजोर मिडिल ऑर्डर और अनियमित गेंदबाजी ने उन्हें कई अहम मैचों में हार दिलाई है, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 243 रन का बचाव करने में नाकामी भी शामिल है। नौवें स्थान पर काबिज़ मुंबई इंडियंस के लिए राह और भी मुश्किल है। प्लेऑफ़ की उम्मीदें ज़िंदा रखने के लिए उन्हें बाकी सभी मैच जीतने होंगे, जिससे यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। इस रोमांचक मुकाबले से पहले तीनों दिग्गजों की यह तस्वीर क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक सुखद अनुभव लेकर आई है, जो खेल की प्रतिस्पर्धा के बीच भी सम्मान और दोस्ती की मिसाल पेश करती है।

अंकुरित सलाद

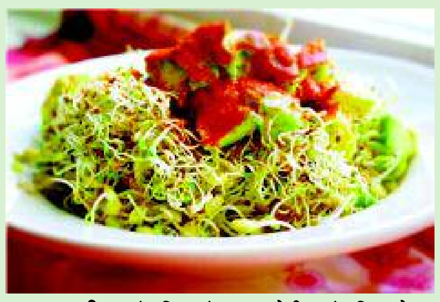

सामग्री : अंकुरित मूंग 1 कटोरी, अंकुरित मोठ 1 कटोरी, उबले आलू 2, केरी व टमाटर कटा, राई का पावडर, नमक स्वादानुसार। कालीमिर्च पावडर 1 चम्मच, नींबू व ताजी क्रीम।

विधि : आलू को मसल लें, उसमें मूँग मोठ, नमक, काली मिर्च, राई पावडर व नींबू डालकर अच्छी तरह मिला लें, प्लेट में निकाल लें।

इसके चारों तरफ क्रीम डालें। अब चेरी और टमाटर से सजाकर सर्व करें।

उम्र बढ़ने का त्वचा पर प्रभाव

जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, त्वचा की कांति ढलती जाती है। हमारे चेहरे की त्वचा पर वर्षों तक धूप, गुरुत्वाकर्षण, मुस्कुराने, खाना चबाने और आँखें मिचमिचाने से गहरा और स्थायी प्रभाव पड़ता है। जिन ऊतकों के कारण हमारी त्वचा तरोताजा और भरी पूरी नजर आती है वे समय के साथ टूटने लगते हैं, इसका नतीजा यह होता है कि चेहरे पर झुर्रियाँ और बारीक-बारीक रेखाएँ उभर आती हैं।

बढ़ती उम्र का त्वचा पर प्रभाव :

- अल्ट्रावायलेट लाइट, मेटॉबोलिक प्रोसेस के कारण सेल टिश्यूज का क्षरण होना और खत्म होना आदि ऐसे कारण हैं जिनसे शारीरिक बुढ़ापा आ जाता है।
- एंटी ऑक्सीडेंट्स से भरपूर आहार न सिर्फ बुढ़ापे को टाल सकता है बल्कि कई तरह की स्थायी क्षति को भी रिपेयर कर सकता है।
- जब आप उम्र के दूसरे दशक में होते हैं तब शरीर में ढेर सारे परिवर्तन होते हैं। मसलन हारमोंस का उतार-चढ़ाव शरीर को अंदर और बाहर से हिलाकर रख देता है। भारतीयों की त्वचा पर यूँ धूप का कोई खास असर नहीं होता लेकिन तैलीय त्वचा पर मुँहासे उगने लगते हैं।
- तीसरा दशक त्वचा पर स्थायी प्रभाव पड़ने की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। इसी दशक में आनुवांशिक लक्षणों, त्वचा का प्रकार तथा धूप के प्रभाव के कारण कोलेजन का तेजी से क्षरण होता है। चेहरे को देखने से ऐसा लगता है कि पहले यह गुब्बारे की तरह फूला था अब जैसे हवा निकल गई है।
- उम्र के चालीसवें दशक में हारमोंस का स्तर तेजी से घट-बढ़ होता है। इससे माँसपेशियों का लचीलापन, बोन्स रेस्पोरेशन, कोलेजेन डिजनरेशन, इलास्टीन डिजनरेशन होता है तथा कुल चर्बी में कमी होने लगती है, जिससे त्वचा सूखी और पतली होने लगती है। इससे झुर्रियाँ पड़ने लगती हैं।

क्रीन ऑफ पुडिंग

सामग्री : 1 पाउंड पावरोटी, 1 कसा नारियल, 1 कप चीनी, 4 कप दूध, 4 बड़ा चम्मच वेनिला फ्लेवर कस्टर्ड पावडर, 3 कप क्रीम 1/4 चम्मच वेनिला एसेन्स, चेरी सजाने के लिए।

विधि : पावरोटी के चारों ओर का कड़ा हिस्सा हटाकर भुरभुरा कर लें। दूध और चीनी (5 बड़ा चम्मच चीनी रखकर) मिलाकर गर्म करें। उबाल आने पर कस्टर्ड मिलाकर गाढ़ा होने तक चलाएँ।

आँच से उतारकर पावरोटी और कसा नारियल मिलाकर फ्रिज में रख दें। क्रीम फेंट कर बची चीनी मिला दें। क्रीम के बर्तन को ठंडे पानी के बर्तन में रख क्रीम को हल्का होने तक फेंटें। इसमें एसेन्स मिला दें। फिर क्रीम ठंडे कस्टर्ड में मिला, चेरी से सजाकर ठंडा परोसें।

दुपट्टों का फैशन!

वर्तमान फैशन के युग में जहाँ सभी कुछ बदला-बदला सा नजर आता है। वहीं दुपट्टा या ओढ़नी भी इस मामले में पीछे नहीं है। बाजार रंगबिरंगे दुपट्टों से पटा हुआ दिखाई देता है। आज से कुछ समय पहले तक तो वही पुराने दुपट्टे जैसे जार्जेट, पॉलिस्टर, सूती आदि चलन में थे लेकिन आज के बदलते माहौल में दुपट्टों ने युवतियों के पहनावे का रूप बदल रखा है।

बदलते फैशन ने अब जीन्स पर भी अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया है। आजकल जीन्स पर दुपट्टा डालकर घूमना फैशन का नया दौर है। जिसमें अनेकों रंगों में और अलग-अलग वैरायटी के दुपट्टे शामिल है। फिल्मों में बढ़ते दुपट्टे के चलन से आम युवतियों के जीवन में भी दुपट्टे का महत्व बढ़ता ही गया है। आज के जीन्स-टॉप और विदेशी वस्त्रों के युग में भी दुपट्टा अपनी अलग पहचान रखता है। एक खूबसूरत दुपट्टा जब लहराता है तो महँगे से महँगे विदेशी वस्त्र भी उसके आगे नहीं टिकते। दुपट्टे का आकर्षण ही जादुई होता है। जो हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर लेता है।

इन दिनों बाजार में उपलब्ध दुपट्टों को लेकर युवतियों में कराची दुपट्टे का काफी क्रेज है। जो 250 से 1000 रु. तक की रेंज में बाजार में उपलब्ध है। इसमें कराची दुपट्टा, कॉटन क्रोशिया दुपट्टा और जिगजेग दुपट्टा की काफी माँग है और बंधेज दुपट्टा तो युवतियों का ऑल टाइम फेवरेट होता ही है।

इसी प्रकार खिलते हुए रंगों वाले और हैवी वर्क जैसे फुलकारी वर्क के दुपट्टे भी चलन में हैं। मुकेश, बंजारन, जामा, बाँधनी और खासकर भागलपुर के दुपट्टे युवतियों में काफी अधिक लोकप्रिय हैं। इतने रंगबिरंगे, आकर्षक और सुंदर दुपट्टे बाजार में मौजूद हैं कि उन्हें ओढ़ लिया जाए तो इंद्रधनुष में लिपटने का आभास होता है। तो देर किस बात की, चलें और खरीद लाएँ रंगबिरंगे दुपट्टे और मोह ले मन अपने प्रियतम का।

घर की सफाई के उपयोगी टिप्स

सफाई करना घर का मुख्य काम होता है। अगर कपड़े की झाड़न पर ज्यादा गर्द ज्यादा हो गई हो और सफाई में दिक्कत आ रही हो तो एक काम करें। हाथों को थोड़ा गीला कर के कपड़े पर फिरा दें फिर जल्दी से उसे ब्रश से झाड़ डालें नमी की वजह से कपड़े की पूरी गर्द उतर जाएगी।

- रजाई और तकिए के गिलाफ धो कर आखिरी बार खंगालते समय पानी में थोड़ा सिरका मिला दीजिए सिरके के अम्ल से कपड़ों से साबुन का क्षार उतर जाता है। इससे गिलाफ एकदम मुलायम हो जाते हैं। गिलाफ धोकर उसे फिर से रजाई पर आसानी से चढ़ाने के लिए धोने के बाद गिलाफ को उलटा सुखा दें।
- उलटे गिलाफ के अंदर रजाई के दोनों कोने डालकर गोल-गोल लपेटते जाएँ। जब रजाई पूरी गोल हो जाए तो नीचे वाला गिलाफ का सिरा खींच लें। रजाई के दोनों कोनों को पकड़ लें और साथ-साथ उठा कर दो तीन बार झटक दें। उलटा हुआ गिलाफ सीधा होकर रजाई पर चढ़ जाएगा।
- अगर आप के यहाँ मेटल का डस्टबिन है तो आप उसके अंदर से आने वाली बदबू से जरूर परेशान रहती होंगी। मेटल के कूड़ेदान की दुर्गंध समाप्त करने के लिए उसमें पुराने अखबार डल कर आग लगा दें। आग तत्काल दुर्गंध को समाप्त कर देगी।
- कभी-कभी टॉयलेट में अचानक ही बहुत बदबू आने लगती है। बारिश के यह समस्या ज्यादा होती है। थोड़ी देर के लिए इसे हटाने के लिए माचिस की एक तीली जला देना भर काफी है।
- आपके घर भी यदि खारा पानी आता है और आपके बाथरूम में हर चीज इसकी वजह से सफेद हो गई है तो आप इन सभी को पैराफिन से साफ कर सकती हैं। इससे बाथरूम का फर्श, बाथ टब और टोंटियाँ बहुत अच्छी तरह साफ हो जाती हैं। इससे न केवल वहाँ पर जमे साबुन की चिकनाई और मैल छूट जाता है बल्कि पैराफिन से इनकी चमक भी लौट आती है।
- बाथरूम में अकसर पानी की टपकने से या कहीं-कहीं पानी जमने से बने भूरे धब्बों को हटाने के लिए नमक और सिरके की बराबर मात्रा के मिश्रण से दूर किया जा सकता है। टब, बाल्टी या पानी भरने के दूसरे बर्तन में भी यदि सफेदी जमा हो गई हो तो इसी विधि को आप उन पर भी आजमा सकती हैं। मिश्रण को कुछ मिनट दाग पर लगा रहने दें, फिर धो डालें।
- घरेलू उपयोग में आने वाले नौसादर को पानी में मिला कर क्रोमियम की चीजों और कार को साफ किया जा सकता है, लेकिन इस घोल से धोने के बाद यदि आप फिर से पॉलिश करना चाहें तो पहले उस वस्तु को अच्छी तरह सुखा लें। ताँबे और पीतल की चीजों पर लगे हरे-नीले दाग को भी नौसादर और नमक मिले घोल से साफ किया जा सकता है। घोल से धोने के बाद साफ पानी से अच्छी तरह सुखा लें।
- काँच के मैले फूलदान में पानी भर कर उसमें थोड़ा ब्लीचिंग पाउडर मिला कर रखने से मिनटों में फूलदान जगमगा उठेगा। सिगरेट या सिगार की राख को बराबर मात्रा में मिला लें। इसमें दो-तीन बूँद कोई भी वनस्पति तेल मिलाकर पेस्ट जैसा बना लें। इस पेस्ट से फ्रेंच पालिश की गई लकड़ी पर से कोई भी दाग मिटाए जा सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 3877

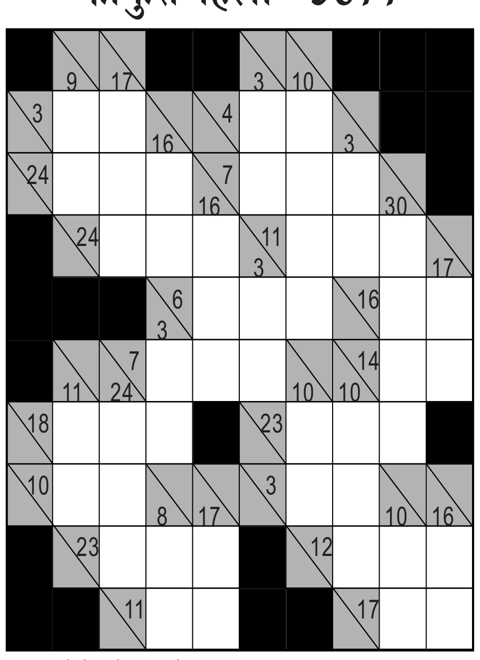

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरणत:

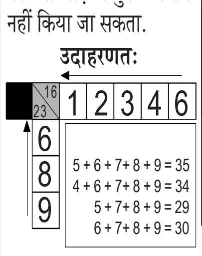

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो -3876 का हल

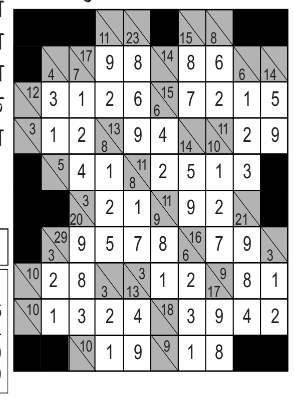

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी (प्रेमिका से)- मुझे समझ में नहीं आता कि भगवान ने तुम्हें इतना सुंदर बनाने के साथ-साथ इतना मूर्ख क्यों बनाया?

प्रेमिका- ताकि हम दोनों का मिलन हो सके।

प्रेमी- वह कैसे?

प्रेमिका- मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हे पसंद किया...! समझे।

प्रेमी अपने साथ पढ़ रही प्रेमिका से- प्रिये! देखों मैं धोखा खा गया।

प्रेमिका- कैसे, कब और हुआ क्या?

प्रेमी- मैंने तुम्हें मोबाइल दिलाने के लिए घर वालों से झूठ बोलकर किताबों के नाम से पैसे मँगाए थे। उन्होंने किताबें ही भेज दीं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- अभी यहाँ तुम्हारे पास आते समय रास्ते में कहीं मेरी कलम कहीं खो गई।

प्रेमिका- मेरी तो आज तक कभी कोई चीज नहीं खोई।

प्रेमी- क्यों झूठ बोल रही हो? प्रेम दिवस के दिन ही तो तुम कह रही थी कि मेरा दिल न जाने कहाँ खो गया है।

फिल्म वर्ग पहेली- 3877

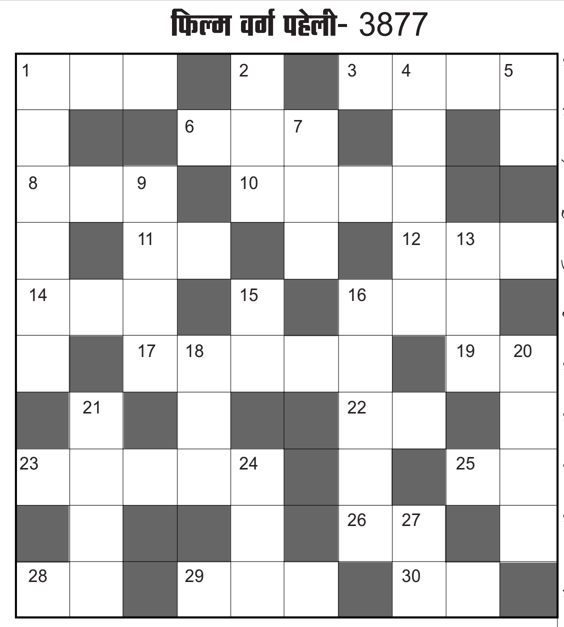

बायें से दायें:-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3876

अ	नि	ता		रो	श	नी		धू	म
क्स		क	सौ	टी		ल	ज्जा		स्त
	अं	त		क	स	म		भा	
जो	श		कं	प	नी		आ	र	जू
रू		दि		ड़ा		जी	न	त	
का	ज	ल		औ	र	त			पा
गु		ज	रू	र	त		पा	ल	की
ला	ड़	ला		म	न		य		जा
म			शा	का		जा	ल		
	फ	र	दी	न	खा	न		फि	दा

सूडोकु -3877

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3876 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्द पहेली - 3877

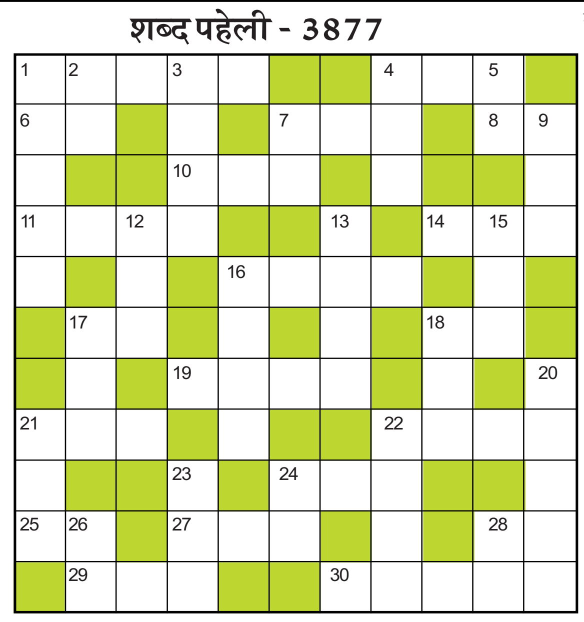

बाएँ से दाएँ

1.हाईकमान-5
4.बुशर्ट,शर्ट-3
6.लाख,गोंद-2
7.प्रतिज्ञा-3
8.मां का भाई-2
10.धनवान,रईस-3
11.मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14.जिज्ञासा,उत्साह-3
16.अनगिनत-4
17.वर्ष,बरस-2
18.लय,स्वर-2
19.गदर,बलवा-4
21.ईर्ष्या-3
22.गरुर,घमंड-4
24.राजा,सम्राट-3
25.पानी से सराबोर-2
27.व्यर्थ,फिजूल-3
28.चतुर्थ,चौथा-2
29.बहने का भाव-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आरामदायी-5
2.एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3.सेवा शुल्क-4
4.अभिव्यक्ति-3
5.बचत,जोड़-2
7.वहम-2
9.स्वामी-3
12.प्रवेश-3
13.धरोहर,थाती-4
15.तरंग,हिलोर-3
16.निरंकुश,मुंहजोर-4
17.किनारा,तट
18.कामधेनू, सुगंध-3
20.नुकसानदेह-5
21.दुनिया,जग-3
22.कहासुनी-4
23.चयन-3
24.चट्टान,शिला (अंग्रेजी-2)
26.ईश्वर,भगवान-2
28.प्रेम,लगन-2

शब्द पहेली -3876 का हल

	बं	दा	न	वा	ज		आ	स	मा	न
न	दी		र		ल	बा	दा		र	जा
व		ज	म	ज	म		ब	री		क
जी	म	ना			ह	ठ		ता	क	त
व		चा		जे	ल		पे		ता	
न	ग	र	से	ठ		फ	ट	का	र	ना
	री		ना		स	ना		रो		म
सु	ब	ह		दा	म			बा	री	क
र		क	श		झ	न	का	र		र
ता	प		प	र	दा		म		क	ण
ल	थ	प	थ		र	च	ना	का	र	

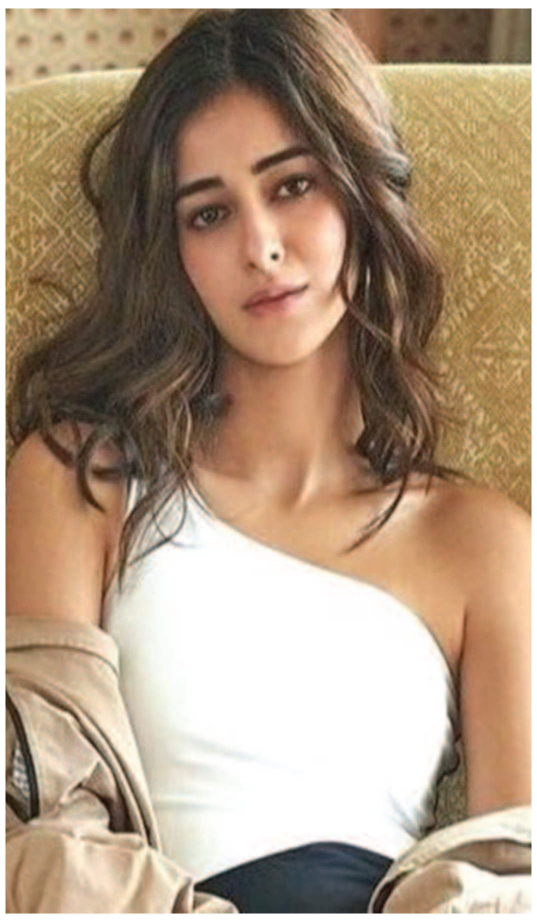

भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हैं अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म चांद मेरा दिल को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। युवा पीढ़ी की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक अनन्या, अपने करियर और भविष्य की योजनाओं को लेकर काफी स्पष्ट और मुखर हैं। हाल ही में उन्होंने अपने पेशेवर दृष्टिकोण और आकांक्षाओं को लेकर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि वह अपने करियर को किस दिशा में ले जाना चाहती हैं और किन उद्देश्यों के साथ काम कर रही हैं। अनन्या ने अपनी बातों को साझा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि मैंने अभी तो बस शुरुआत की है, लेकिन ऐसी बहुत सी फिल्में और बेहतरीन कलाकार हैं, जिनके साथ काम करना मेरा सपना है। यह उनके असीमित उत्साह और सीखने की ललक को दर्शाता है। अनन्या ने बताया कि उनके पास भविष्य की योजनाओं की एक लंबी लिस्ट है और वह इंडस्ट्री में बहुत कुछ हासिल करना चाहती हैं। उन्होंने अपनी बातें शेयर करते हुए कहा कि वह अब अपने करियर में एक कदम और आगे बढ़ाना चाहती हैं। अभिनेत्री का उद्देश्य अब ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना है, जो केवल तात्कालिक सफलता ही नहीं, बल्कि लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बसी रहें और एक स्थायी प्रभाव छोड़ें। उन्होंने दृढ़ता से कहा, मैं कुछ ऐसा प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिसे हमेशा याद रखा जाए और जो मेरे बाद भी दुनिया में बना रहे। यह कथन उनकी परिपक्व सोच और कला के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाता है, जहां वह क्षणिक प्रसिद्धि से परे जाकर रचनात्मक विरासत बनाने पर जोर दे रही हैं। अनन्या ने माना कि उम्र और अनुभव के साथ फिल्मों और अभिनय के प्रति उनका लगाव और गहरा होता जा रहा है। उन्होंने बताया, फिल्मों को अब मैं लंबे समय तक चलने के नजरिए से देख रही हूं, क्योंकि मुझे अब समझ आ रहा है कि फिल्में कितनी प्रभावशाली होती हैं और वे हमेशा के लिए अमर हो जाती हैं। मैं आज के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं। यह उनकी कलात्मक यात्रा में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है, जहां वह अपनी पसंद को अधिक सोच-समझकर चुन रही हैं। अभिनेत्री लक्ष्य लालवानी के साथ जल्द ही फिल्म चांद मेरा दिल में नजर आएंगी। यह एक कॉलेज रोमांस से शुरू होकर एक इंटेंस और ट्रैजिक लव स्टोरी में बदलती है, जो युवाओं के जुनून भरे प्यार को दर्शाती है। फिल्म की कहानी में प्यार, बलिदान और भावनाओं का एक गहरा मिश्रण देखने को मिलेगा। विवेक सोनी द्वारा निर्देशित फिल्म चांद मेरा दिल का निर्माण करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है, जो इसकी भव्यता और गुणवत्ता का संकेत है। फिल्म में अनन्या पांडे चांदनी और लक्ष्य आरव के रूप में नजर आएंगे। चांद मेरा दिल 22 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, और अनन्या के प्रशंसक उन्हें इस नए और गहरे किरदार में देखने के लिए उत्साहित हैं।

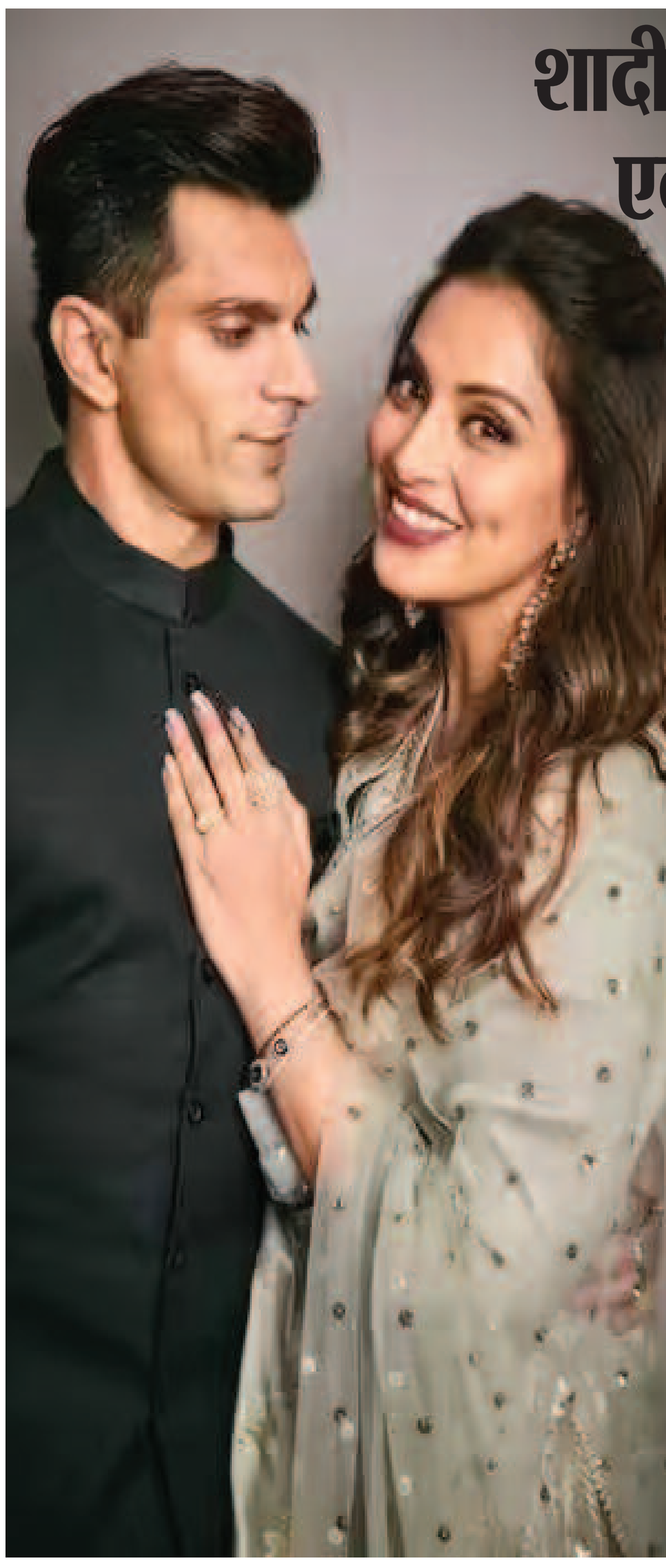

शादी की 10वीं सालगिरह पर एक दूसरे पर बिपाशा और करण ने बरसाया प्यार

बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर बॉलीवुड के उन चुनिंदा कपल्स में से हैं जिनकी गिनती बोल्ड और क्यूट जोड़ी के तौर पर होती है। साल 2016 में शादी के बंधन में बंधने के बाद से यह जोड़ा अपने रिश्ते को न केवल बखूबी निभा रहा है, बल्कि लगातार अपने प्रशंसकों को कपल गोल्स भी दे रहा है। उनका सोशल मीडिया अकाउंट इस बात का सबूत है, जो प्यारी और पारिवारिक तस्वीरों से भरा रहता है। हाल ही में इस प्यारे कपल ने अपनी शादी के 10 साल पूरे किए, और इस खास मौके पर करण सिंह ग्रोवर ने अपनी अभिनेत्री पत्नी पर जमकर प्यार लुटाया है। करण ने इंस्टाग्राम पर शादी की 10वीं सालगिरह को सेलिब्रेट करते हुए एक बेहद ही खूबसूरत वीडियो शेयर किया है, जिसमें दोनों के क्वालिटी टाइम मोमेंट्स की झलकियाँ हैं। वीडियो में कभी दोनों साथ में फिल्म देखते हुए नजर आ रहे हैं, तो कभी एक-दूसरे को प्यार से किस करते हुए दिख रहे हैं। यह वीडियो उनके गहरे प्यार और आपसी समझ को दर्शाता है, जो दर्शकों का दिल जीत रहा है। अभिनेता ने इस वीडियो के साथ एक भावुक कैप्शन भी लिखा है, जिसके जरिए उन्होंने बिपाशा पर बेशुमार प्यार बरसाया है। करण ने अपनी पत्नी को अपनी ताकत और जीवन को सार्थक बनाने वाला शख्स बताया है। उन्होंने लिखा, तुम मेरे लिए सब कुछ थे, हो और हमेशा रहोगे। तुम मेरी हर धड़कन, हर सांस, मेरी ताकत, मेरी परी हो। तुम मेरी वजह हो, तुम मेरे जीवन को अर्थ देते हो। तुम्हारा प्यार मेरा कवच है, मेरी महाशक्ति है। मैं जो हूं, वह तुम्हारे कारण हूं। मैं तुम्हें अनंत काल तक, अनंत काल तक, बीते और अनबीते जन्मों से भी अधिक समय तक, अनंत काल तक और एक दिन तक प्यार करूंगा! मैं तुमसे प्यार करता हूं, 10वीं सालगिरह मुबारक! करण के इन शब्दों ने उनके रिश्ते की गहराई और एक-दूसरे के प्रति उनके समर्पण को उजागर किया है। बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दोनों की मुलाकात 2015 में फिल्म अलोन के सेट पर हुई थी। धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई, लेकिन बिपाशा का मानना था कि वे तब तक शादी नहीं करेंगी, जब तक खुद करण उन्हें शादी के लिए प्रपोज नहीं करते। नए साल के दिन, करण ने थाईलैंड की खाड़ी में स्थित खूबसूरत द्वीप पर बिपाशा को डायमंड रिंग के साथ प्रपोज करके सभी को चौंका दिया। 30 अप्रैल 2016 को इस जोड़े ने बंगाली रीति-रिवाजों के साथ सात फेरे लिए। शादी के समय करण ग्रोवर को काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था क्योंकि यह उनकी तीसरी शादी थी, लेकिन इस जोड़े ने सभी आलोचनाओं का सामना करते हुए अपने रिश्ते को मजबूत बनाया। आज वे देवी नाम की एक प्यारी सी बेटी के माता-पिता भी हैं, और उनका परिवार खुशहाल जीवन जी रहा है, जो बॉलीवुड में एक मिसाल बन गया है।

फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश: रुक्मिणी वसंत

हाल ही में अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत ने ब्लॉकबस्टर फिल्म कांतारा- ए लेजेंड चैप्टर 1 के भव्य पैमाने और इसकी अनोखी दुनिया के बारे में खुलकर बात की। रुक्मिणी वसंत ने बताया कि फिल्म का स्केल इतना बड़ा और प्रभावशाली है कि उन्होंने अपने करियर में पहले कभी ऐसा कुछ अनुभव नहीं किया। उन्होंने कहा, फ़इसका स्केल निश्चित रूप से ऐसा है जैसा मैंने अब तक कभी नहीं देखा। फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश और बेहद भव्य है। रुक्मिणी ने आगे कहा कि वह निर्देशक गीतू मोहनदास और अभिनेता यश द्वारा तैयार की जा रही इस नई दुनिया को देखकर बहुत खुश और रोमांचित हैं। अभिनेत्री ने बताया, 'मुझे लगता है कि हमारी डायरेक्टर गीतू मोहनदास और यश जो फिल्म तैयार कर रहे हैं, वह इतनी विशाल और नई है कि यह मुझे सचमुच कुछ अनोखा और अलग लगता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। मुझे यह देखने के लिए भी उत्सुकता है कि दर्शक इस नई दुनिया पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।'
यह टिप्पणी फिल्म की मौलिकता और उसके बड़े पैमाने पर निर्माण की ओर इशारा करती है, जिससे यह एक असाधारण सिनेमाई अनुभव होने की उम्मीद बढ़ जाती है। रुक्मिणी ने फिल्म पर बात करते हुए कहा कि वह खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इस प्रोजेक्ट में काम करने का मौका मिला है, जो उनके करियर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रहा है। उन्होंने बताया कि 4 जून को रिलीज होने वाली यह फिल्म उन्हें सबसे ज्यादा रोमांचित कर रही है। यह फिल्म यश और वेंकट के. नारायण की प्रोडक्शन कंपनियों केवीएन प्रोडक्शंस और मॉनस्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बन रही है, जो गुणवत्तापूर्ण सिनेमा बनाने के लिए जानी जाती हैं।
फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर जैसे कई स्थापित और प्रतिभाशाली कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं, जिससे फिल्म की कास्टिंग भी काफी दमदार लग रही है। टॉक्सिक न केवल हिंदी और तेलुगु में रिलीज होगी, बल्कि तमिल, मलयालम समेत कई अन्य भारतीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में भी इसे डब किया जाएगा। यह व्यापक रिलीज रणनीति यह सुनिश्चित करेगी कि फिल्म पूरे देश के साथ-साथ विदेशों में भी दर्शकों तक पहुंच सके, जिससे इसकी पहुंच और प्रभाव और भी बढ़ जाएगा। रुक्मिणी वसंत इस फिल्म के अलावा जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म में भी काम कर रही हैं, जो उनके करियर के लिए एक और बड़ा प्रोजेक्ट है। उनके पास कुछ अनऑनाउंस्ड प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनकी घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।

नाना पाटेकर 76 की उम्र में भी युवा एक्टर्स को भी दे रहे फिटनेस में मात

नाना पाटेकर, भारतीय सिनेमा के एक ऐसे दिग्गज अभिनेता हैं, जो सिर्फ अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए ही नहीं, बल्कि अब अपनी अद्भुत फिटनेस के लिए भी जाने जाते हैं। 76 साल की उम्र में भी वे अपने किसी भी युवा समकालीन को कड़ी टक्कर दे सकते हैं, और इसका हालिया सबूत सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में देखने को मिला। प्रसिद्ध फोटोग्राफ़र और प्रोड्यूसर अतुल कासबेकर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें नाना पाटेकर लगातार 15 ट्राइसेप डिप्स करते हुए नजर आ रहे हैं और वह भी बिना किसी थकान या पसीना बहाए। अतुल द्वारा फोटो-शेयरिंग ऐप पर शेयर की गई इस क्लिप में नाना पाटेकर को टैन शॉर्ट्स और सफेद बनियान पहने देखा जा सकता है, जिसके साथ उन्होंने अपने गले में एक गमछा भी लपेटा हुआ है, जो उनके देसी अंदाज को दर्शाता है।
उन्हें बिना किसी रुकावट के, पूरी सहजता के साथ ट्राइसेप डिप्स करते देखा गया, और तो और, इस कसरत के आखिर में उनके चेहरे पर एक संतुष्टि भरी मुस्कान भी थी। इस उम्र में भी फिटनेस के बड़े लक्ष्य तय करने के लिए नाना की तारीफ करते हुए, अतुल ने कैप्शन में लिखा, आ-हो नाना साहेबज!!! आपने तो मेरे फिटनेस लक्ष्य ही बदल दिए!!! ये हैं नाना पाटेकर जी। उनकी उम्र 76 साल है। और ये उन्हें बार्स पर ट्राइसेप डिप्स करते हुए दिखाया गया है।
फिल्म इंडस्ट्री के कई सदस्यों ने नाना के इस जज्बे की तारीफ की। शिल्पा शेट्टी, विनीत कुमार सिंह और राहुल देव जैसे कलाकारों ने कमेंट सेक्शन में आग और लाल दिल वाले इमोजी शेयर करके अपनी प्रशंसा जाहिर की, जिससे पता चलता है कि नाना की फिटनेस सिर्फ प्रशंसकों के बीच ही नहीं, बल्कि उद्योग में भी चर्चा का विषय बन गई है। कुछ इंस्टाग्राम यूजर्स ने नाना के मशहूर किरदार, वेलकम फ्रैंचाइजी के उदय शेट्टी का भी जिक्र किया। उन्होंने कंट्रोल उदय कंट्रोल और उदय भाई अभी भी फिट दिख रहे हैं जैसे मजेदार कमेंट्स किए, जो नाना के लोकप्रिय ऑन-स्क्रीन किरदारों और उनके वास्तविक जीवन की फिटनेस के बीच एक दिलचस्प संबंध स्थापित करते हैं। अब अगर नाना की आगामी फिल्मों की बात करें, तो वह 2025 में आने वाली हाउसफुल 5 का हिस्सा थे, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख और अन्य कलाकार भी थे। इसके अलावा, उन्हें विशाल भारद्वाज की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म ओरोमियो में एक पुलिसवाले के किरदार में भी देखा गया था, जिसमें शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिकाओं में थे। उन्होंने अनिल कपूर और राधिका मदान स्टारर फिल्म सूबेदार में भी एक कैमियो रोल किया था। नाना पाटेकर की यह ऊर्जा और काम के प्रति समर्पण वाकई प्रेरणादायक है।

बुची बाबू सना की राम चरण स्टारर 'पेड्डी' 4 जून 2026 को होगी रिलीज, आईपीएल खत्म होते ही मचेगा धमाल

बुची बाबू सना की 'पेड्डी' करेगी बॉक्स ऑफिस पर कब्जा, राम चरण स्टारर फिल्म 4 जून 2026 को होगी रिलीज

'पेड्डी' को साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक माना जा रहा है। फिल्म में राम चरण के साथ जान्हवी कपूर नजर आएंगी, जबकि इसका शानदार संगीत ए.आर. रहमान ने तैयार किया है। यह फिल्म वृद्धि सिनेमास के बैनर तले बनाई जा रही है!
'पेड्डी' साल 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनकर उभरी है, जिसमें ग्लोबल स्टार राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में जान्हवी कपूर और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में हैं। ऐलान के बाद से ही यह प्रोजेक्ट फैंस के साथ-साथ इंडस्ट्री में भी जबरदस्त चर्चा में बना हुआ है। हाल ही में 'पेड्डी पहलवान' रिलीज किया गया, जिसमें राम चरण बिल्कुल अलग अवतार में नजर आए, और इसे पूरे देशभर से जबरदस्त प्यार मिला। अब फिल्म ने आधिकारिक तौर पर अपनी रिलीज डेट 4 जून 2026 तय कर ली है, जो आईपीएल सीजन के तुरंत बाद है।
'पेड्डी' को लेकर उत्साह अपने चरम पर है और फिल्म अब 4 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। साल की सबसे बड़ी फिल्मों में शुमार यह फिल्म आईपीएल सीजन खत्म होते ही आएगी, जो एक बड़े पर्दे के शानदार तमाशे के लिए बिल्कुल सही समय माना जा रहा है और इससे बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचने की उम्मीद है।
'पेड्डी' हर नए कंटेंट के साथ साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल होती जा रही है। फिल्म से जुड़ा हर कंटेंट शानदार तरीके से काम कर रहा है, चाहे टीज़र हो, 'चिकिरी चिकिरी' गाना, 'राय राय रा रा' गाना या पोस्टर्स, हर चीज़ ने हमें 'पेड्डी' की दुनिया में एक बेहद अलग अंदाज़ में ले जाकर छोड़ा है। यह पूरी तरह कंटेंट की सफलता है, बिना किसी दिखावे के।
'पेड्डी' का पहला गाना 'चिकिरी चिकिरी' रिलीज होते ही जबरदस्त चर्चा में आ गया था। दर्शकों ने इसके फ्रेश वाइब और ए.आर. रहमान के सिग्नेचर टच को खूब पसंद किया। यह गाना तेजी से लोगों से जुड़ा और अब तक अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर 200 मिलियन से ज्यादा व्यूज़ पार कर चुका है, जो फिल्म के म्यूजिक को लेकर बढ़ते उत्साह को दिखाता है।
इस मोमेंटम को आगे बढ़ाते हुए मेकर्स ने दूसरा गाना 'राय राय रा रा' रिलीज किया, जो एक हाई-एनर्जी ट्रैक है और आते ही ऑनलाइन छा गया। इस गाने ने यूट्यूब पर 47 मिलियन से ज्यादा व्यूज़ पार कर लिए हैं, जिससे फिल्म की रिलीज को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है।
बुची बाबू सना द्वारा लिखित और निर्देशित 'पेड्डी' में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही शिवा राजकुमार, जान्हवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी नजर आएंगे। वेंकट सतीश किलारू द्वारा अपने बैनर वृद्धि सिनेमाज और प्रसिद्ध प्रोडक्शन हाउस माइथ्री मूवी मेकर्स के सहयोग से निर्मित यह फिल्म 4 जून 2026 को रिलीज होगी।

ईरानी फुटबॉल प्रमुख को टोरंटो में प्रवेश की नहीं मिली इजाजत, मचा सियासी बवाल

-इमिग्रेशन मंत्री बोलीं- मैं पूरी तरह जवाबदेह हैं, इस फैसले में वह सीधी भागीदार नहीं

टोरंटो (एजेंसी)। कनाडा में उस समय सियासी हलचल तेज हो गई जब ईरान के फुटबॉल संघ के अध्यक्ष मेहदी ताज को देश में प्रवेश के लिए जरूरी दस्तावेज जारी किए जाने का मामला सामने आया। ताज का नाम इस्लामिक क्रांतिकारी गार्ड कोर (आईआरजीसी) से जुड़े होने के कारण पहले ही विवादों में रहा है, और यही वजह है कि इस फैसले ने सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया है। मामला तब और गंभीर हो गया जब यह खुलासा हुआ कि ताज और उनका प्रतिनिधिमंडल वैंकूवर में होने वाली फीफा कांग्रेस में हिस्सा लेने कनाडा आ रहे थे। हालांकि, उड़ान के दौरान ही उनके दस्तावेज रद्द कर दिए गए और टोरंटो पहुंचने पर उन्हें देश में प्रवेश की इजाजत नहीं दी गई। बाद में उन्हें वापस भेज दिया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इमिग्रेशन मंत्री लीना डायब ने संसद की समिति के सामने पेश होते हुए कहा कि वह इस घटना के लिए पूरी तरह जवाबदेह हैं, लेकिन इस फैसले की प्रक्रिया में उनकी सीधी भागीदारी नहीं थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि संबंधित व्यक्ति के पास कनाडा आने का कोई वैध दर्जा नहीं था और जैसे ही स्थिति स्पष्ट हुई, उसकी अनुमति रद्द कर दी गई। डायब ने यह भी भरोसा दिलाया कि इस मामले की पूरी जांच की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी चूक दोबारा न हो, खासकर तब जब देश 2026 के बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन की तैयारी कर रहा है। सरकार की ओर से सफाई दी गई, लेकिन विपक्ष ने इसे बड़ा मुद्दा बना लिया है। कंजर्वेटिव नेता मिशेल रेम्पेल गार्नर ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक प्रशासनिक गलती नहीं, बल्कि सुरक्षा से जुड़ा गंभीर सवाल है उनके मुताबिक किसी भी हालत में एक ऐसे व्यक्ति को परमिट नहीं दिया जाना चाहिए था, जिसका नाम एक प्रतिबंधित संगठन से जुड़ा रहा हो। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की घटनाएं कनाडा की इमिग्रेशन प्रणाली पर लोगों का भरोसा कमजोर कर रही हैं। यह पूरा विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब 2026 का फीफा वर्ल्ड कप नजदीक है और कनाडा इसकी सह-मेजबानी करने जा रहा है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की एंट्री और सुरक्षा जांच को लेकर सरकार पर दबाव और बढ़ गया है।

ईरान ने दो जासूसों को दी फांसी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने एक बार फिर सख्त कदम उठाते हुए इजराइल के लिए जासूसी के आरोप में दो लोगों को फांसी दे दी है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब इलाके में तनाव पहले से ही बना हुआ है। इन दोनों पर देश की अहम और संवेदनशील जानकारी बाहर पहुंचाने का आरोप था, जिसे कोर्ट ने गंभीर माना और सजा सुनाई गई। इनमें से एक शख्स पर इस्फहान प्रांत में मौजूद नतांज परमाणु साइट के आसपास से खुफिया जानकारी जुटाने का आरोप था। ईरान की न्यायपालिका ने कहा कि दोनों को इजराइल और उसकी खुफिया एजेंसी मोसाद के साथ सहयोग का दोषी पाया गया, जिसके बाद उन्हें फांसी दी गई। यही वजह है कि इस पूरे मामले को ईरान में बड़ी सुरक्षा कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है।

अमेरिका में एच-1बी वीज़ा के भविष्य पर बड़ा संकट भारतीय पेशेवरों की बढ़ी चिंता

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी संसद में पेश किया गया एक नया विधेयक, एंड एच-1बी वीज़ा एब्यूज एक्ट ऑफ 2026, भारत सहित दुनिया भर के उन लाखों पेशेवरों और छात्रों के अमेरिकन ड्रीम पर गहरा संकट पैदा कर रहा है जो अमेरिका में अपने करियर की तलाश में हैं। रिपब्लिकन सांसदों के एक प्रभावशाली समूह द्वारा पेश किए गए बिल को एच-1बी वीज़ा कार्यक्रम के भविष्य के लिए बड़ा खतरा माना जा रहा है। रिपब्लिकन सांसद एली क्रेन द्वारा प्रस्तुत विधेयक को ब्रैंडन गिल, पॉल गोसर और एंडी ओगल्स सहित 35 से अधिक कट्टरपंथी सांसदों का समर्थन मिला है। इसके पीछे फ्रीडम कॉकस नामक करीब 40-45 रिपब्लिकन सांसदों का शक्तिशाली गुट है, जो अमेरिकी श्रमिकों के हितों की रक्षा और आर्थिक राष्ट्रवाद को प्राथमिकता देने की अपनी नीतियों के लिए जाना जाता है। उनका मानना है कि वर्तमान वीज़ा व्यवस्था अमेरिकी नागरिकों के बजाय कॉर्पोरेट जगत को लाभ पहुँचाती है। यह बिल मौजूदा एच-1बी वीज़ा प्रणाली में केवल सुधार नहीं, बल्कि पूरी तरह से बदलने का प्रस्ताव करता है। इसके प्रमुख प्रावधानों में नए एच-1बी वीज़ा जारी करने पर तीन साल का पूर्ण प्रतिबंध, वार्षिक कोटा को मौजूदा 65,000 से घटाकर मात्र 25,000 करना, लॉटरी सिस्टम खत्म कर न्यूनतम 200,000 डॉलर (करीब1.89 करोड़ रुपए) सालाना वेतन की शर्त पर वीज़ा जारी करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, छात्रों के लिए ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) कार्यक्रम को पूरी तरह से समाप्त करने, एच-1बी धारकों के परिजनों (एच-4 वीज़ा) के काम करने पर रोक और इस वीज़ा से ग्रीन कार्ड की राह को बंद करने का भी प्रस्ताव है। वीज़ा एजेंसियों के माध्यम से भर्ती पर भी पूर्ण प्रतिबंध का प्रावधान है।

कनाडा में पेश हुई खुफिया रिपोर्ट, खालिस्तानी चरमपंथी गतिविधियां देश के लिए खतरा

आटोवा (एजेंसी)। कनाडा की सुरक्षा खुफिया सेवा सीएसआईएस ने नई रिपोर्ट जारी कर देश में सक्रिय खालिस्तानी चरमपंथी गतिविधियों को लेकर गंभीर चिंता जता दी है। रिपोर्ट को कनाडाई संसद में भी पेश किया गया, जिसमें कहा गया है कि कुछ खालिस्तानी समूह देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कनाडा में मौजूद कुछ खालिस्तानी तत्व एक हिंसक चरमपंथी एजेंडा को बढ़ावा दे रहे हैं। इन समूहों पर आरोप है कि वे न केवल अपने विचारों का प्रचार कर रहे हैं, बल्कि कुछ मामलों में हिंसक गतिविधियों से भी जुड़े हो सकते हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप की ईरान को दो टूक, कहा- पागलों को नहीं देंगे परमाणु बम

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम और वहां के मौजूदा नेतृत्व के खिलाफ एक बार फिर आक्रामक रुख अपना लिया है। ट्रंप ने चेतावनी भरे लहजे में स्पष्ट किया कि वे ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे, क्योंकि यह वैश्विक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा है। उन्होंने दोटूक कहा कि अगर ईरान के पास परमाणु शक्ति आती है, तो उसका पहला निशाना इजरायल, फिर मध्य पूर्व और यूरोप होगा, जिसके बाद अमेरिका की बारी आएगी। उन्होंने ईरानी नेतृत्व को पागल और दुष्ट करार देते हुए कहा कि ऐसे हाथों में परमाणु तकनीक विनाशकारी साबित होगी।

पाकिस्तान की मध्यस्थता के जरिए आए शांति प्रस्ताव पर असंतोष जाहिर करते हुए ट्रंप ने कहा कि ईरान की शर्तें अमेरिका को मंजूर नहीं हैं। फ्लोरिडा रवाना होने से पहले उन्होंने संकेत दिया कि हालांकि ईरान समझौता चाहता है, लेकिन वे मौजूदा प्रस्ताव से संतुष्ट नहीं हैं। ट्रंप ने दावा किया कि हालिया अमेरिकी सैन्य कार्रवाई, विशेष रूप से बी-2 बॉम्बर्स के प्रहार ने ईरान की रक्षा क्षमताओं को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। उनके अनुसार, अब ईरान के पास न प्रभावी नौसेना बची है और न ही रडार सिस्टम। जब उनसे भीषण हमले की संभावना पर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि वे मानवीय आधार पर किसी देश को खत्म नहीं करना चाहते, लेकिन समस्या के जड़ से समाधान के लिए कड़े कदम उठाने से पीछे भी नहीं हटेंगे।

इस तनाव का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ा है। 28 फरवरी को शुरू हुई जंग और होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) के प्रभावित होने से अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में हाहाकार मचा हुआ है। दुनिया की 20 प्रतिशत तेल आपूर्ति का मार्ग होने के कारण इस संकट ने कच्चे तेल की कीमतों को 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचा दिया है, जो बीते चार साल का उच्चतम स्तर है। हालांकि, सीजफायर की खबरों के बीच कीमतों में मामूली गिरावट देखी गई है, लेकिन तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा। दूसरी ओर, अमेरिका ने आर्थिक घेराबंदी तेज कर दी है। वाशिंगटन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि होर्मुज मार्ग से गुजरने वाले जो भी शिपिंग कंटेनर ईरान को टोल शुल्क का भुगतान करेंगे, उन पर कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। इस दबाव के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि यदि अमेरिका धमकी भरी बयानबाजी बंद करे, तो वे कूटनीति के लिए तैयार हैं। हालांकि, ईरान ने भी अपने एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय कर दिया है और किसी भी संभावित हमले का जवाब देने के लिए अपनी सेना को मुस्तैद रखा है। फिलहाल, पूरी दुनिया की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या कूटनीति से यह संकट सुलझेगा या सैन्य कार्रवाई का नया दौर शुरू होगा।

अमेरिकी सेना समुद्री डाकू, ईरानी बंदरगाहों से अब तक कई जहाजों को पकड़ा

ट्रंप ने कहा- संघर्ष जारी रखने सांसदों से विशेष अनुमति लेने की जरूरत नहीं

वाशिंगटन,(ईएमएस)। ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिका की नाकाबंदी जारी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी नौसेना की तारीफ करते हुए उन्हें समुद्री डाकू बताया है। ट्रंप ने ये भी दावा किया है कि नाकाबंदी से अमेरिका को काफी फायदा हुआ है। ट्रंप ने कुछ दिन पहले अमेरिकी सेना के एक जहाज को जब्त करने का जिक्र किया।

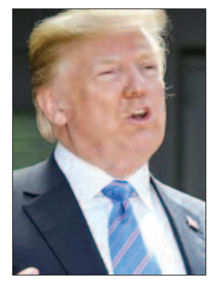

उन्होंने बताया कि ईरान के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिकी सेना ने ईरानी बंदरगाहों से निकलने वाले कई जहाजों को पकड़ा। इसके अलावा, एशियाई समुद्री क्षेत्रों में भी ईरान के टैंकरों और प्रतिबंधित कंटेनर जहाजों पर कार्रवाई की गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान के बंदरगाहों पर नाकाबंदी कर रही अमेरिकी नौसेना की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वो समुद्री डाकू की तरह काम कर रही है। हाल ही में ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस नेताओं को पत्र लिखकर दावा किया था कि ईरान के साथ जारी युद्ध और सैन्य संघर्ष अब खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि युद्ध शक्तियों की समयसीमा खत्म हो गई है, इसलिए अब ईरान के साथ कोई गोलीबारी नहीं हो रही है। बता दें 1 मई को जंग को 60 दिन पूरे हो गए और इसके साथ ट्रंप को जंग जारी रखने के लिए सांसदों की अनुमति की जरूरत है, लेकिन अब ट्रंप का कहना है कि लड़ाई खत्म हो चुकी है, इसलिए उन्हें इस संघर्ष को जारी रखने के लिए सांसदों से विशेष अनुमति लेने की जरूरत नहीं है। दूसरी तरफ अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने शिपमेंट कंपनियों को चेतावनी दी है कि होर्मुज से गुजरने के लिए ईरान को किसी भी तरह का टोल या शुल्क न दिया जाए। अगर कोई कंपनी ईरान को पैसे देती है, चाहे वो ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी जैसे संगठनों को दान के रूप में ही क्यों न हो, तो उस पर सख्त प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

ईरान में महंगाई ने तोड़ी लोगों की कमर, एक लाख रियाल में सिर्फ दो रोटी

-आर्थिक संकट के बीच 1 करोड़ का नया नोट कर चुका है जारी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में बढ़ती महंगाई ने आम लोगों की जिंदगी को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। हालात ऐसे हैं कि अब देश का एक लाख रियाल का नोट भी बेहद कम मूल्य का माना जाने लगा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस रकम में केवल दो फ्लैटब्रेड यानी रोटी ही खरीदी जा सकती हैं, जो आम नागरिकों के लिए चिंता का विषय है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के कारण लोगों को रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए भारी मात्रा में नकदी साथ रखनी पड़ रही है। आर्थिक दबाव के चलते छोटे मूल्य के नोटों का महत्व तकरीबन समाप्त होता जा रहा है और बड़ी रकम भी जल्दी खर्च हो जाती है।

रिपोर्ट के मुताबिक इसी बीच सरकार ने हाल ही में 1 करोड़ रियाल का नया बैंकनोट जारी किया है, जो अब तक का सबसे बड़ा नोट है। हालांकि इसकी वास्तविक कीमत भारतीय मुद्रा में करीब 650 से 700 रुपए के आसपास ही है। गुलाबी रंग के इस नोट के एक तरफ 9वीं सदी की जामा मस्जिद की तस्वीर है, जबकि दूसरी ओर ऐतिहासिक बाम किले का चित्र अंकित है। इससे पहले फरवरी में 50 लाख रियाल का नोट जारी किया था, लेकिन नया नोट उससे भी अधिक मूल्य का है।

सरकार का कहना है कि इस बड़े नोट को जारी करने का उद्देश्य लोगों तक नकदी की आसान उपलब्धता सुनिश्चित करना है, हालांकि डिजिटल भुगतान प्रणाली को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके बावजूद एटीएम के बाहर लंबी कतारें देखी जा रही हैं और कई मशीनों में नकदी की कमी की शिकायतें सामने आई हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक अमेरिका और इजराइल के साथ बढ़ते तनाव के चलते लोगों में अनिश्चितता का माहौल है। उन्हें आशंका है कि किसी भी समय इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणाली प्रभावित हो सकती है, जिसके चलते वे ज्यादा नकदी अपने पास रखना चाहते हैं।

अमेरिका ने समुद्र में उतारे मिसाइल डेस्ट्रॉयर, ईरान पर सटीक हमले की तैयारी

वाशिंगटन (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने अपनी नौसेना को हाई अलर्ट पर रखते हुए युद्धपोतों की तैनाती शुरू कर दी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, गाइडेड-मिसाइल डेस्ट्रॉयर यूएसएस डेलबर्ट डी ब्लैक सहित कई जहाजों पर भारी मात्रा में ईंधन, रसद, आधुनिक हथियार और अन्य जरूरी सैन्य सामान लोड किया जा रहा है। यह तैयारी इस ओर इशारा करती है कि अमेरिकी नौसेना क्षेत्र में लंबे समय तक चलने वाले किसी भी सैन्य ऑपरेशन के लिए पूरी तरह कमर कस चुकी है।

इस बीच सैन्य हलकों से आ रही खबरें और भी चौंकाने वाली हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के कमांडर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई के विभिन्न विकल्पों से अवगत कराया है। व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान एडमिरल ब्रैड कूपर ने राष्ट्रपति के समक्ष एक छोटे लेकिन बेहद शक्तिशाली हमले का खाका पेश किया है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य ईरान की बची हुई सैन्य क्षमता, उसके शीर्ष नेतृत्व और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना है। चर्चा यह भी है कि इस संभावित हमले में अमेरिका अपने सबसे घातक और उन्नत हथियार डार्क ईगल हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल कर सकता है।

अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि ईरान सीजफायर की आड़ में अपनी सैन्य शक्ति को फिर से संगठित करने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी सरकार उन मिसाइलों और ड्रोन प्रणालियों को मलबे या भूमिगत ठिकानों से बाहर निकाल रही है, जो पिछले अमेरिकी-इजरायली हवाई हमलों के दौरान सुरक्षित बच गए थे। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि यदि सैन्य ऑपरेशन दोबारा शुरू होता है, तो ईरान अपनी बढ़ी हुई ड्रोन और मिसाइल क्षमता का उपयोग कर मध्य पूर्व के अन्य देशों पर जवाबी हमला कर सकता है। तनाव की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि गुरुवार रात ईरान की राजधानी तेहरान में एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय होने की खबरें आईं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, ये सिस्टम किसी संदिग्ध ड्रोन या टोही विमान को मार गिराने के लिए सक्रिय हुए थे। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह कोई वास्तविक खतरा था या केवल एक युद्धाभ्यास। फिलहाल, वाशिंगटन से लेकर तेहरान तक सैन्य हलचलें तेज हैं और पूरी दुनिया की नजरें राष्ट्रपति ट्रंप के अगले कदम पर टिकी हैं।

इजरायल ने यूएई की सुरक्षा के लिए तैनात की अपनी सबसे उन्नत लेजर रक्षा प्रणाली

तेल अवीव (एजेंसी)। मध्य पूर्व के बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कूटनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। इजरायल ने ईरान के संभावित मिसाइल और ड्रोन हमलों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए अपनी सबसे आधुनिक लेजर-आधारित वायु रक्षा प्रणाली आयरन बीम को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में तैनात कर दिया है। साल 2020 में हुए अब्राहम एकॉर्ड्स के बाद दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग का यह अब तक का सबसे बड़ा और अभूतपूर्व उदाहरण है। इस कदम की खास बात यह है कि इजरायल ने न केवल अपने अत्याधुनिक हथियार बल्कि उन्हें संचालित करने के लिए अपने सैन्य कर्मियों को भी पहली बार किसी अरब देश की धरती पर उतारा है।

इजरायल द्वारा यूएई को दिए गए इस सुरक्षा कवच में तीन प्रमुख तकनीकें शामिल हैं। सबसे महत्वपूर्ण आयरन बीम है, जो एक हाई-एनर्जी लेजर हथियार है। यह प्रणाली कम दूरी के रॉकेट, आर्टिलरी और ड्रोन्स को महज 4 से 5 सेकंड में लेजर बीम से जलाकर नष्ट कर देती है। इसके साथ ही, दुनिया की सबसे भरोसेमंद रक्षा प्रणाली आयरन डोम और स्पेक्ट्रो सिस्टम भी तैनात किए गए हैं। स्पेक्ट्रो सिस्टम एक उन्नत निगरानी प्रणाली है जो शाहेद जैसे छोटे ईरानी ड्रोन्स को 20 किलोमीटर दूर से ही रडार पर पकड़ने में सक्षम है। इस रक्षा समझौते का सबसे चौंकाने वाला पहलू इजरायली सैनिकों की मौजूदगी है। रिपोर्टों के अनुसार, केवल हथियारों का निर्यात नहीं किया गया है, बल्कि इन प्रणालियों के संचालन के लिए दर्जनों इजरायली सैन्य कर्मी यूएई में मौजूद हैं। यह बड़े पैमाने पर बूट्स ऑन द ग्राउंड की स्थिति है। इसके अतिरिक्त, इजरायल अब पश्चिमी ईरान से होने वाले मिसाइल लॉन्च की रियल-टाइम खुफिया जानकारी भी यूएई के साथ साझा कर रहा है।

बताया जा रहा है कि ईरान द्वारा हाल के समय में किए गए भारी मिसाइल और ड्रोन हमलों को देखते हुए इजरायल ने आनन-फानन में अपने वे हथियार भी भेज दिए जो अभी प्रोटोटाइप चरण में थे। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दशकों की कड़वाहट के बाद इजरायल का अपनी सबसे संवेदनशील तकनीक एक अरब देश को देना गहरे भरोसे को दर्शाता है। यह ईरान के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि अब खाड़ी के देश और इजरायल एक साझा रक्षा मोर्चे पर एकजुट हैं। लेजर तकनीक का उपयोग ड्रोन हमलों का एक किफायती तोड़ भी साबित हो रहा है, क्योंकि इसमें इंटरसेप्टर मिसाइलों की तरह करोड़ों का खर्च नहीं आता।

ट्रंप ने फिर उड़ाया मुस्लिम महिला सांसद का मजाक, बोले- इन्होंने सगे भाई से शादी की

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने विवादास्पद बयानों और तीखे तेवरों के चलते एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। फ्लोरिडा में आयोजित एक चुनावी रैली के दौरान ट्रंप ने न केवल अमेरिका की मुस्लिम सांसद इल्हान उमर के बोलने के लहजे (एक्सेंट) की नकल उतारी, बल्कि उन पर बेहद निजी और गंभीर आरोप लगाकर नया विवाद खड़ा कर दिया। ट्रंप ने मंच से एक पुरानी और विवादित अफवाह को दोहराते हुए दावा किया कि इल्हान उमर ने अपने सगे भाई से शादी की है। इस दौरान उन्होंने उपहास उड़ाते हुए कहा कि यह पूरी तरह गैरकानूनी है, लेकिन फिर भी वे एक प्यारी जोड़ी की तरह दिखते हैं।

ट्रंप ने रैली में इस कथित रिश्ते का मजाक उड़ाने के लिए एक काल्पनिक बातचीत का स्वांग रचा और ब्रदर शब्द का इस्तेमाल करते हुए इल्हान उमर की मिमिक्री की। उन्होंने समर्थकों के बीच उमर को घिनौना करार देते हुए कहा कि वह उन्हें देखना तक बर्दाश्त नहीं कर सकते। गौरतलब है कि रूढ़िवादी गुट लंबे समय से यह दावा करते रहे हैं कि उमर ने आव्रजन नियमों का फायदा उठाने के लिए अपने भाई से शादी की थी, जिसे ट्रंप ने चुनावी हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया।

सांसद उमर के मूल देश सोमालिया को लेकर भी ट्रंप ने बेहद तल्ख टिप्पणी की। उन्होंने व्यंग्य करते हुए सोमालिया को एक ऐसा देश बताया जहां न सरकार है और न सेना, बल्कि वहां सिर्फ गरीबी और अपराध का बोलबाला है। ट्रंप ने नाराजगी जताते हुए कहा कि ओमार एक ऐसे देश से आती हैं जिसकी हालत दुनिया में सबसे खराब है, लेकिन वे अमेरिका आकर यहां के लोगों को शासन चलाने की नसीहत देती हैं। उन्होंने उमर को पाखंडी बताते हुए उनके संवैधानिक अधिकारों पर भी सवाल उठाए।

इतना ही नहीं, ट्रंप ने इल्हान उमर पर वित्तीय धोखाधड़ी के आरोप भी लगाए। उन्होंने एक कथित घटना का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले महीने उमर ने अपनी संपत्ति 38 मिलियन डॉलर घोषित की थी, लेकिन जांच शुरू होते ही उन्होंने इसे महज एक अकाउंटिंग की गलती बताकर 80,000 डॉलर से भी कम कर दिया। अपने भाषण के अंत में ट्रंप ने बेहद सख्त लहजे में कहा कि ऐसे लोगों का जीवन घोटालों पर आधारित होता है और उन्हें देश से बाहर निकाल देना चाहिए। उनके इस भाषण के बाद राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

अमेरिका ने ईरान की नाकेबंदी तोड़ने के लिए बनाया अंतरराष्ट्रीय गठबंधन का प्लान

-होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के बीच...

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच जारी सैन्य टकराव अब एक नए और जटिल रणनीतिक मोड़ पर पहुंच गया है। पिछले दो महीनों से जारी इस संघर्ष की गति भले ही कुछ धीमी पड़ती दिख रही हो, लेकिन तनाव का स्तर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। वर्तमान में इस टकराव का केंद्र दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बन गया है। ईरान द्वारा इस मार्ग पर की गई नाकेबंदी ने अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की चिंताएं बढ़ा दी हैं, क्योंकि वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। इस नाकेबंदी के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ते नकारात्मक प्रभाव को देखते हुए अब अमेरिका ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है।

अमेरिकी प्रशासन अब सीधे सैन्य टकराव के बजाय कूटनीतिक और सामूहिक सुरक्षा की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। इस नई रणनीति के तहत 'मैरीटाइम फ्रीडम कंस्ट्रक्ट' यानी समुद्री स्वतंत्रता संरचना नाम का एक अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाने की तैयारी की जा रही है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य से वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही को फिर से सामान्य करना और समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस योजना को प्रभावी बनाने के लिए अमेरिकी विदेश विभाग और अमेरिकी सेंट्रल कमान (सेंटकॉम) मिलकर काम करेंगे। जहाँ विदेश विभाग विभिन्न देशों और शिपिंग कंपनियों के साथ कूटनीतिक समन्वय करेगा, वहीं सेंटकॉम समुद्री गतिविधियों की निगरानी और जहाजों को सुरक्षा प्रदान करने का जिम्मा संभालेगा। दरअसल, फरवरी के अंत में हुए हमलों के बाद ईरान ने इस मार्ग पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी, जिससे शिपिंग ट्रैफिक लगभग ठप हो गया है। दूसरी ओर, ईरान ने भी अमेरिका की इस घेराबंदी का जवाब देने के लिए फोन डिप्लोमेसी का सहारा लिया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तुर्की, कतर, सऊदी अरब, मिस्र और इराक जैसे क्षेत्रीय देशों के विदेश मंत्रियों से संपर्क कर अपनी स्थिति स्पष्ट की है। ईरान ने इन देशों को संदेश दिया है कि क्षेत्र में अस्थिरता का मुख्य कारण अमेरिका और इजरायल की नीतियां हैं। ईरान का कहना है कि वह शांति का पक्षधर है और उसने इस युद्ध की शुरुआत नहीं की थी, लेकिन अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए उसकी सेना पूरी तरह तैयार है। ईरान ने यह संकेत भी दिया है कि यदि अमेरिका अपना रुख बदलता है, तो बातचीत के रास्ते खुले हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट है कि होर्मुज का यह संघर्ष अब केवल सैन्य नहीं, बल्कि एक बड़े वैश्विक राजनीतिक और कूटनीतिक युद्ध में तब्दील हो चुका है, जिसके परिणाम पूरी दुनिया के लिए दूरगामी होंगे।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)